हरियाणा विधान सभा

की

कार्यवाही

2 फरवरी, 1999

खण्ड–1 अंक–4

अधिकृत विवरण

विशय सूची

मंगलवार, 2 फरवरी, 1999

	पृश्ठ संख्या
तारांकित प्र न एवं उत्तर	(4)1
वाक आउट	(4)10
तारांकित प्र न एवं उत्तर (पुनरारम्भ)	(4)10

नियम 45 (1) के अधीन सदन की मेज पर रखे गऐ तारांकित प्र नों के लिखित उत्तर	(4)15
अतारांकित प्र न एवं उत्तर	(4)22
स्थगन प्रस्ताव/ध्यानाकर्शण प्रस्तावों/अल्ववधि चर्चा की सूचनाएं	(4)25
राज्यपाल के अभिभाशण पर चर्चा (पुनरारम्भ)	(4)28
सदस्यों का नाम लेना/सदस्यों का निलम्बन	(4)40
वाक आउट	(4)41
सदस्यों को नाम लेना/सदस्यों को निलम्बर	(4)41
वाक आउट	(4)42
सदस्यों का नाम लेना/सदस्यों का निलम्बन	(4)43
बैठक का स्थगन	(4)46
सदन से सदस्यों निलम्बन के निर्णय पर पुनर्विचार के लिए अनुरोध	(4)46
सदस्यों का नाम लेना/सदस्यों का निलम्बर	(4)48

हरियाणा विधान सभा

मंगलवार, 2 फरवरी, 1999

विधान सभा की बैठक, हरियाणा विधान सभा हाल, विधान भवन, सैक्टर–1, चण्डीगढ़ में 2.00 बजे हुई। अध्यक्ष (प्रो0 छतर सिंह चौहान) ने अध्यक्षता की।

तारांकित प्र न एवं उत्तर

श्री अध्यक्ष: मैम्बर साहेबान, अब सवाल होगें

Laying of Sewerage System

802 Sh. Dev Raj Dewan: Will the Minister for Public Health be pleased to state—

(a) The time by which the laying of sewerage work in Adrash Nagar on Sonepat City is likely to be completed; and

(b) Whether there is any proposal under consideration of the Govt. to Lay the Sewerage in Prem Nagar of Sonepat City?

जन स्वास्थ्य मंत्री (श्री जगन नाथ):

(क) आद र्ा नगर में सीवरेज बिछाने का कार्य प्रगति पर है और मार्च 2000 तक पूर्या होने की आ ाा हैं

(ख) जी हां।

श्री देवराज दीवानः अध्यक्ष महोदय, मै आपके माध्यम से मंत्री महोदय से पूछना चाहूंगा कि आद र्ा नगर, सोनीपत में सीवरेज बिछाने के लिए 17.32 लाख रूपये मन्जूर हुए थे लेकिन सरकार ने वहां पर आधा ही काम किया है, 9 लाख रूपये सरकार ने रोक लिएं अध्यक्ष महोदय, वहां पर पिछले दो साल से काम रूका हुआ है और जो आधा काम हुआ है उकस भी लोग फायदा नही उठा पा रहे है क्योंकि वहां पर एक छोआ या गंदा नाला निकालने के लिए सिर्फ 20 हजार रूपये की आव यकता है लेनि वह नाला पूरा नही हुआ। अध्यक्ष महोदय, मै मंत्री महोदय से यह भी जानना चाहता हूं कि सोनीपत में प्रेम नगर में सीवरेज बिछाने के लिए सरकार ने अढ़ाई लाख रूपये की पेमैंट भी कर दि थी लेकिन फिर भी वहां काम भाुय नही हुआ, सरकार ने उसके लिए जो साढ़े सात लाख रूपये मन्जुर किए थे उसको भी रोक दिया हैं

श्री जगननाथः अध्यक्ष महोदय, मै आपके माध्यम से माननीय साथी को बताना चाहूंगा कि कभी कभी एस्टीमेंटस पास हो जाते है लेकिन पैसे की कमी के कारण काम भाुरू होने में कुछ समय लग जाता ळै मै माननीय साथी को आद र्ा नगर मे ंसीवरेज बिछाने के बारे में बतानाचाहूंगा कि यह काम मार्च 2000 तक पूरा हो जायेगा और जहां तक प्रेम नगर में सीवरेजन बिछाने का सवाल है यह काम दिसम्बर 1999 तक पूरा हो जायेगा।

श्री देवराज दीवानः अध्यक्ष महोदय, मै माननीय मंत्री महोदय को बताना चाहूंगा कि इस काम के लिए टैडर भी हो चुका था।

श्री अध्यक्षः दीवान साहब अगर आपने कोई सवाल पूछना है तो पूछिये, आपने बताना नही।

श्री जगन नाथः अध्यक्ष महोदय, मैने मेरे माननीय साथी को तारीख बता दी है कि प्रकम नेगर में सीवरेज बिछाने का कार्य दिसम्बर 1999 तक पूरा हो जायेगा।

श्री देवराज दीवानः अध्यक्ष महोदय, आद र्ा नगर में पिछले दो साल से काम रूका हुआ है ओर मै यह पूछना चाहता हूं कि प्रेम नगर में काम कब भाुरू हेागा। कृपया मंत्री महोदय मुझे यह जानकारी दें कि इन दोनों जगह काम कब भाुय होगा?

श्री जगननाथः अध्यक्ष महोदय, काम भाुय होने में महीना बीस दिन आगे पीछे हो सकते है इन दोनों जगह काम जल्दी भाुरू कर दिया जायेगा। आद र्ा नगर मे ंसीवरेज बिछाने का कार्य मार्च 2000 तक तथा प्रेम नगर में सीवरेज बिछाने का कार्य दिसम्बर, 1999 तक पूरा कर दिया जायेगा।

Samples of Drinking Water

835 Sh. Sampat Singh: Will the Minister for public Health be pleased to state—

(a) The number of samples of drinking water taken form the water works tanks and from consumers separately in the state during the y ears 1996-97, 1997-98 and 1998-99.

(b) The number of samples out of those referred to in Part (a) above were found sub-Standard (unfit for drinking);

(c) The total number of sanctioned laboratiories in the state; and

(d) The number of laboratories out of those as referred to in part (c) above are in working condition?

जन स्वास्थ्य मंत्री (श्री जगन नाथ): विवरण सदन के पटल पर प्रस्तुत हैं

विवरण

(क) वर्श 1996–97, 1997–98 के दौरान जल घरों के तालाबों तथा उपभोक्ताओं से अलग अलग नूमनों का विवरण निम्नलिखित है:–

वर्शा	जलघरों के तालाबों से लिए गए नमूनों की संख्या	उपभोक्ताओं से लिए नमूनों की संख्या
1967–97	6584	11832
1997–98	27256	63919

1998–99 (दिसम्बर तक)	19857	51278

(ख) पीने के पानी के अयोग्य नमूनों की संख्या निम्नलिखित है:–

वर्शा	अयोग्य पाये गये नमूनों की संख्या	
	जलघरों के तालाबों से	उपभोक्ताओं की सीमा से
1967–97	140	1032
1997–98	323	1816
1998–99 (दिसम्बर तक)	136	651

(ग तथा घ) 7 प्रयोग ाालाएं स्वीकृत की गई है तथा सभी चालू हालत में है।

श्री संपत सिंहः अध्यक्ष महोदय, माननीय मंत्री जी ने जो विवरण पटल पर रखा है उसके अनुसार जो सैपल इनहोने वाटर वर्कस टैक्स के लिए थे उनमें अलामेंस्ट 600 फेल हुए है औरफेल

क्या हुए वे सारे के सारे अनफिट काफर ड्रिकिंग वााटर है। अध्यक्ष महोदय, इसके अलावा जो सैपमल कंज्यूमर एंड पर लिये है वे लगभीग साढ़े तीन हजार के करीब है ओर वे भी अनफिट फार ड्रिकिंग वाटर हैं अध्यक्ष महोदय, मै एक तो मंत्री महोदय से यह जानना चाहता हूं कि जो ये सैम्पल ले है ओर लैबोरेट्री में टैस्ट करवाते है तो उसमें भी अलग अलग ग्रेडे ान होती होगी। अनफिट फार ड्रिकिंग वाअर तो लास्ट स्टेंज होती है। अनफिट फार ड्रिकिंट वाटर जो है इससे पहले भी तो पानी के तत्व होने चाहिए उसके हिसाब से भी आपकी ग्रेडे ान होती होगी और उस ग्रेडे ान में जो ड्रिकिंग वाटर फेल हुआ है वह 100 प्रति ात पीने के लिए अनफिट था या कुछ कम था। दूसरा अध्यक्ष महोदय जो सैम्पल लिए गये फेल हुए है इसका मतलब यह है कि वाटर वर्कस से पानी गया है उसमें वाटर वर्कस की लास्ट स्टेज पर एक डोजिग पम्प लगा हुआ होता है। अध्यक्ष महोदय, मै अपने लिए और हाउस की जानकारी के लिए मंत्री महोदय से पूछना चाह रहा हूं कि मैने तो यह सुना है बाकी मंत्री जी जानकारी देगे कि जैसे पहले छनने की विधि हो गई, फिर फिल्टर हो गया ओर लास्ट में जब कन्जयूमर ऐंड तक पानी सप्तालई करते है उससे पहले तो वहां डोजिंग पम्प लगा होता है ंजो कि पानी को टैस्ट करके पानी आगे भेजता है कि क्या वाकई पीने लायक पानी है या नही और कन्जयूमर ऐंड परफेल होने का मतलब हुआ कि डोजिुंग पम्प है नही या फिर काम नही कर रहे है। इस सम्बन्ध में मेरा पूछना यह

है कि कितने वाअर वर्क्स ऐसे है जहां डोजिंग पम्प नही है या है तो खराब है?

श्री जगन नाथः अध्यक्ष महोदय, जो सैम्पल लिये गये है उस हिसाब से सालाना आंकड़े देखे जाये तो काफी सुधार हुआ है। माननीय सदस्य ने जो पूछा है कि उस हिसाब से साल वाइज जो सैम्पल लिये गये है उसमें 1996–97 में तालाबों के टैकों से 6584 सैम्पल लिये और उनमें से 140 फेल हुये यानी केवल 2 प्रति ात है और 1997–98 में 27256 सैम्पल लिये गये जिनमें से 323 फेल थे और कुल 1 प्रति ात ही बनते है इसीत तरह 1998–99 में 19857 सैम्पल लिए ओर 136 फेल थे यानी केवल 0. 6 प्रति ात फेल थे। जहां तक उपभोक्ताओं की बात है तो वर्श 1996–97 में 11832 सैम्पल लिये गये और 9 प्रति ात फेल हुय। इसी तरत से 1997–98 के 63919 में से 1816 सैम्पल फेल हुण् जो कि 2 प्रति ात है और 1998–99 में 51218 सैम्पल लिण् गये जिनमें से मात्र 651 फेल हुए जहां तक फेल होने की बात है उसकस कारण यह है कि पीने के पानी में क्लोरिन की कमी हो जाये तो पानी खराब हो जात है। और क्लोरिन की कमी कारण वहां पर उस टाईम छोटी म ाीन होती है जिनकी सहायता से वहां पर माजूद जे0 ई0 या दूसरे वाटर वर्क्स के जो कर्मचारी होते है, यह पता लगाते है कि क्लोरिन की कितनी कमीहै। इस छोटै से इन्सटूमैंट में कुछ कैमिकल डालने के बाद यह पता लगाया जाता है और जल्दी ही उसकसा समाधान हो जात हैं अगर पानी के

अन्दर जीवाणु पाईप वगैरह टूटन या बाहर का गन्दा पानी मिल जाने से ज्यादा हो जाते है तो उनका टैस्ट लैबोरेट्री में किया जाता है। इसके अलावा कुछ ग्राउन्ड वाटर होत है और ग्राउन्ड वाटर के हिसाब से उसमें कैमिकल ज्यादा हो ाजये कि उस परिस्थिति में फलोरिन, कलोराइड, हार्डवाट भी कैमिकल वगैरह से लैबोरेट्री में पास करते है। अगर उस जगह का ग्रउन्ट वाटर ठीक न हो तो दूसरी जगह दूसरे टयूबवैल लगाते है। या दूसरी कैनाल पर पानी सीधा चला गया हो। बाकी ऐसी कोई भी बात नही है। और पिछले तीन सालों में तो काफी सुधार हुआ है और मात्र 0.6 प्रति ात पर हम पहुंच गये हैं इसे इलावा हर जिले मेंसरकार ने एक कमेअी बनाई हुई है जिसमें एक्सीयन, कार्यकारी अधिकारी, नगरपालिका और सी0 एम0 ओ0 होते है और हमर माह कही भी खराबी हो जये तो उसे ठीक रकने के आदे ा देते है और नीचे से महकमें की भी रिपोर्ट भेजते है। मुख्य मंत्री तक हर हफ्तें रिपोर्ट जाती हैं हम पीने के पानी का हर प्रकार से सुधारीकरण कर रहे है। म ीन खराब हो जती है या कोई जानबूझ कर गड़बड़ कर देता है लेकिन हमारी पूरी कोि ा ा रहती है कि लोगों को साफ सुथरा पीने का पानी मिले। हमारी यह पूरी कोि ा ा रहती है कि कही पर किसी प्रकार की बीमारी पानी के कारण न हो। यदि कही पर वाटर सप्लाई की पाई टूट जाती है उसके अन्दर वाटर का गंदा पानी चलता जाता है तो उससे बीमारी फैलने का डर रहता है हमारी पूरी कोि ा ा रहती है कि लोगों को पीने का पानी साफ सुथरा मिले।

श्री संपत सिंहः स्पीकर साहब, वैसे तो मंत्री जी ने मेरी सप्लीमैंटरी की डिटेल रिप्लाई दी है ओर इस रिप्लाई से हमें बहुत सी जानकारी मिली है। मै जानकारी के लिए दो बातें मंत्री जी से से जानना चाहता था ओर इनसे मै दोबारा उस बारे में जानकारी लेना चाहूंगा । पहला सप्लीमैंटरी तो मैने यह पूछा था कि जो पानी पीने के अनफिट था वह हन्डर्ड परसैंट अनफिट था इसलिए उन्ही सैम्पल्ज का मंत्री जी ने बताया है जो आप लैबारेटरी में सैम्पल टैस्ट करवाते है उसमें ीाी अलग अलग ग्रेडे ान है ंमुझे नही मालूम वे ग्रेडे ान किती है बी0 ओ0 डी0 तीन चार किस्म की ग्रेडे ान है वे सैम्पल उस लैवल पर कितने फेल हुए है। स्पीकर साहब, दूसरा सवाल मैने यह किया थ कि क्या आपने डोजिंग पम्पस का सर्वे करवाया है कयोंकि बिना डोजिंग परम्प बाकायदा यह बताएगा कि यह पानी ड्रिकिंग के लिए फिट है या नही है। मै मंत्री जी से यह जानना चाहता हूं कि क्या आपने यह सर्वे करवाया कि कितनी ऐसी वाटर सप्लाई स्कीम्ज है जहां पर डोजिंग पम्प नही थे ओर थे तो क्या वे बर्किंग कंडी ान में थे?

श्री जगन नाथः अध्यक्ष महोदय, तीन क।टगेरी के हिार से पीने का पानी खराब हो जाता है। पानी में क्लोरिन कम होने की वजह से बैक्टीरिया पैदा हो जात हैं और बैक्टीरिया उन हालात में पैदा होता है यदि पाइप टूटी हुई है और उसमें बाहर क गंदा पानी चला जाता है। उस पानी को पीने से बीमारी पैदा हो जतीा है। दूसरा कारण यह है कि यदि ग्रांउड वाटर में

कैमिकल मिला हुआ पानी चला जाता तो भी पानी खराब हो जाता है। जहां तक डोजिलंग पम्प की बात है, गांवों को वाटर सप्लाई स्कीम्ल पर गांवों के लड़के लगाए हुए हे वे गड़गड़ी कर देते है इस विनबाह पर उनकी बदलियां भी की जाती है लेकिन समस्या का समाधान फिर भी नही होता हैं गंदा पानी सीधासप्लाई न हो इस बारे में महकमा पूरी कार्यवाही करता हैं स्पीकर साहब, पिछले दिनों नवम्बर में बेमौसमी बरसात हुई उसके कारण खेतों में बरसात का पानी जमा हो गया और उस पानी को खेतों से बाहर निकलना था क्योंकि जमीन बोने के लायक बनानी थी। उस पानी को निकालने के लिए ज्यादा से ज्यादा मोटरें लगानी पड़ी। दूर दूर तक बिजली ले जानी पड़ी और उस पानी को नहरों में डालना पड़ा। जो बरसाल का पानी नहरेां में डाला गया वह वाटर वर्कस में भी गया हो सकता हैं उससे भी बीमारी हो गई हो लेकिन हमारी पूरी कोि ा ा है कि लोगों को पीने का पानी साफ सुथरा मिलें।

श्री सम्पत सिंहः स्पीकर साहब, मेरे सवाल का तो जवाब नही आया। जिन तनी सालों को मैने अपने सवाल में जिकर किया है उन्ही के बारे में बता दें कि कितने डोजिंग पम्प काम कर रहे है। अगर इनके पास सूचना है तो बात दें अगर नही है तो वह भी बात दें क्योंकि जो जवाब इन्होने दिया है। उससे हम सैटीसफाई नही हैं दूसरा सवाल मैं एक यह करना चाहता हूं कि पानी के सैम्पल चैक करने के लिए हम सैटीफाई नही हैं दूसरा सवाल मै

एक यह करना चाहता हूं कि पानी के सैम्पल चैंक करने के लिए हमारे यहां पर जो 7 लैबारेटीज है कया ये काफी है, इनको बढ़ाने के बारे सरकार की कोई योजना है?

श्री जगन नाथः अध्यक्ष महोदय, हमारे यहां पर इस समय स्टेट के अन्दर 7 लैबोरेटीरज काम कर रही है, ये है फरीदाबाद, हिसार, भिवानी, करनाल, गुडगांव और अम्बाला। सेन्टर्ल गवनमैंट के तो आदे ा है कि ऐसे लैबोरेटीज प्रत्येक जिले में होनी चाहिए। हमारे यहां पर 19 जिले है लेकिन हमारे यहां पर 19 लैबोरेटरीज की आव यकता नही। हमरे जिलों का फासला कम है इसलिए यह तो हो सकता है कि 7 लैबोरेटरीज की जगह 10 हो जाए। यह बात भी ठीक है कि ऐसी लैबोरेटरीज बनाने के लिए पैसा भारत सरकार से मिलता है लेकिन उसकी बाकी स्टाफ आदि का खर्च स्टेट गवर्नमैंट को वहन करना पड़ता हैं चाहे हमारा कैथल, महेन्द्रगढ या रिवाड़ी या दूसरा जिला है सभी जिले जहां पर हमने लैबोरेटरी खोल रखी है एक दूसरे से अधिक फासले पर नही हैं यदि हम सभी 19 जिलों मे ऐसी लैबोरेटरीज खोल देंगे तो उससे बेवजह स्टेट एक्सचेकर पर बोझ पड़ेगा।

श्री सम्पत सिंहः स्पीकर साहब, मेरा जो सवाल डोजिंग पम्प वाला है उसका जवाब मंत्री महोदय की तरफ से नही आया।

श्री जगन नाथः स्पीकर साहब, इनका सवाल था कि राज्य में वर्श 1996–97, 1997–98 के दौरान जल घर टैकों तथा

उपभोक्ताओं से पीने का पानी के पृथक–पृथक नमूने लिए गए है, जो सवाल इन्होने पूछा था उसकस जवाब मैने दे दिया।

श्री सम्पत सिंहः स्पीकर साहब, हमारे सवाल का जवाब नही आया।

श्री जगन नाथः जो ये पूछना चपाहते है उसके लिए सैपरेट नोटिस दे दें।

श्री भागी रामः अध्यक्ष महोदय, मै मंत्री महोदय से यह जानना चाहता हूं कि संपत सिंह जी ने वर्श 1996 से लेकर 1998 तक हमारे जो वाटर वर्क्स है उनके कितने डोजिंग पम्प काम करते रहे और कितने काम नही करते रहे के बारे मैं पूछा है। (ाोर एवं विध्न)

श्री संपत सिंहः स्पीकर साहब, आप मंत्री महोदाय को कहें कि वे हमारा जवाब दें। लोग गन्दा पानी पीकर मर रहे है। (ाोर एवं विध्न)

श्री जगन नाथः अध्यक्ष महोदय, मैने पहले ही कहा है कि इस बारे में हर सप्ताह सी0 एम0 साहब के पास रिपोर्ट आती है और हर महीने उसकी मीटिंग होती है। इसके अलावा सी0 एम0 ओ0 की अध्यक्षता मं भी एक कमेटी बनी हुई है। सारी स्टेट में जो पानी दिया जाता है उसकी सूचनासी0 एम0 तक आती है ओर इसको एग्जामिन करते है सभी जगह पानी ठीक दिया जा रहा हैं

कभी कभी कही पर गड़बड़ हो जाती है। तो उसके लिए भी ध्यान रखा जाता हैं

श्री ओम प्रका ा चौटाला: अध्यक्ष महोदय, लगता है कि मंत्री जी पूरी तरह से इस सवाल की तैयारी करके नही आये। कभी तो ये कह रहे है कि पीनक के पानी के अन्दर कभी बाढ़ का पानी आ जाता है कभी पाईप टूट जाती है जिस कारण ठीक नही मिल पाता। हमारे सम्मानित सदस्य ने डोजिंग पम्प की बात करके सवाल पूछा था ंपीने के पानी के लिए डोजिंग पम्प है वह आखिरी स्टेज है ओर उसके बाद कन्जयूमर ऐण्ड तक पानी जाने मे ंकोई रूकावट नही है क्योंकि जो पाईप लाईन है वह जमीन के अन्दर दबी हुई है जिसके कारण गांव के लड़के उसको खराब नही कर सकते हैं स्पीकर सर, आप इनसे कहिए कि ये तैयारी करके आया करें और सीधा जवाब दें। हमारे साथी ने एकदम सीधा और स्पश्ट सवाल किया है कि कितने पम्प बर्किग आर्डर में है, कितने खराब है ओर आगे स्थिति को सुधारने के लिए ये क्या कार्यवाही कर रहे है? (विध्न एवं भाोर)

श्री जगन नाथ: अध्यक्ष महोदय, मै आपके माध्यम से माननीय साथी को बताना चाहता हूं कि यह सवाल मेन सवाल से अराईज नही होता। इसका सवाल था कि तीन साल में कितने सैम्पल्ज लिए गए। (विध्न)

श्री ओम प्रका ा चौटाला: अध्यक्ष महोदय, यह सवाल इंसानी जिन्दगी के साथ जुडा हुआ है। अगर लोगों को पीने का पानी ठीक नही मिलेगा तो उससे कितनी ही प्रकार की बीमारियां पैदा हो सकती है। (विध्न) अध्यक्ष महोदय, मै आपके सामने निवेदन करता हूं कि आप मंत्री जी से कहिए कि वे पूरी तैयारी करके बताएं कि इस बारे में वे क्या कार्यवाही करने जा रहे है?

श्री जगन नाथ: स्पीकर साहब, जो सवाल किया गया था उसकस जवाब मैने दे दिया हैं जो ये पूछ रहे है वह उस सवाल से रिलेटिड नही है इस सप्लीमैंट्री के लिए अलग सवाल दें इनको जवाद दे दिया जाएगा।

Leakage of Question Paper

808 Capt. Ajay Singh Yadav: Will the Minister for Education be pleased to state whether the Government is aware of the fact that the question paper of the J.B.T. Entrance Examination held during the year 1998-99 has been leaked out, if so, the action taken against the officials held responsible for the said leakage?

ि ाक्षा मंत्री (श्री राम बिलास भार्मा): हां, श्रीमान जी, इस विशय में जांच चल रही है और इसके लिए जिम्मेदार कर्मचारियों के विरूद्ध कठोर कार्यवाही की जायेगी।

कैप्टन अजय सिंह यादव: अध्यक्ष महोदय, मै आपके माध्यम से माननीय ि ाक्षा मंत्री जी से यह जानना चाहूंगा कि

जे0बी0टी0 में दखाले के लिए हुई परीक्षा के प्र न पत्रों की जो लीकेज हुई, वह कौन से महीने में हुई, क्या इस बारे में कोई इन्क्वायरी कण्डक्ट की जा रही है औरयदि हो, तो वह कब से की जा रही है और उसकों खत्म होने में कितना समय लगेगा? क्या इस बारे मे ंकोई प्रिलिमिनरी इन्क्वायरी की गई है अज्ञेर क्या कोई अफसर मौके पर पकड़ा गया है ओर यदि पकड़ा गया है तो उसके खिलाफ क्या कार्यवाही की गई? इसके साथ ही मै यह भी जानना चाहूंगा कि परीक्षाओं के सिस्टम को फुलप्रूफ बनाने के लिए क्या कदम उठाए जा रहे है जिससे आगे से इस प्रकार की घटनाएं न हो। अध्यक्ष महोदय, इसके सथ ही मै मत्री महोदय से यह भी जानना चाहूंगा कि क्या यह बात इनके नॉलेज में है कि इन पेपरज की जो लीकेज हुई है वे पेपरज खेतों में टयूबवैल पर बिके है। क्या इनके नॉलेज में यह बात हैकि बुटाना के पास एक गावं में गाड़ी नं0 डी एल 3 सी ओ 4346 पकड़ी गई है, यदि गाड़ी पकड़ी गई है तो दोशियों के खिलाफ क्या कार्यवाही की गई है?

श्री राम बिलास भार्मा: अध्यक्ष महोदय, माननीय साथी ने जो सवाल पूछा है उसके बारें में मै उनको बताना चाहूंगा कि 03. 09.1998 को रात्रि को एक बजे गोहाना से गाड़ी पकड़ी गई जिसका नम्न श्री अजय सिंह जी ने बताया है वह मारूति गाडी डी0 एल0 सी0 ओ0 4346 हैं यह गाड़ी राम को एक बजे गोहाना से जींद जा रही थी। इसके बारेमें गोहाना पुलिस को सुचना मिली कि इसके साथ कई और गाड़िया थी। अगने दिन परीक्षा भुरू

होनी थी औ कुछ ही घण्टे बाकी थे। पेपर भाुरू होने में कुछ घण्टे रह गएथे तो पुलिस का पता लगा कि पेपरज की नकल की जारी है ओर उनकी फोटोस्टेट करके उनको बेचने का प्रयास किया जा रहा है। पुलिए ने तुरन्त उस गाड़ी के ड्राईवर महावीर सिंह को गिरफ्तार किया तथा धर्मपाल गांव पूथर पुलिस स्टे ान इस्राना, रोहतक पुत्र मूला राम निवासी आद र्ा नगर, गोहाना, राम गोपाल पुत्र महोद सिंह निवासी बहरान पुलिस स्टे ान महम को हिरासत में लिया। महावरी सिंह ड्राईवर से इस बारे में पूछताछ की गई। अध्यक्ष महोदय, जैसे कि माननीय साथी ने एक बात जाननी चाही है तो मै उनको बताना चाहता हूं कि उसक बाद एक लाख तीन हजार बच्चों ने यह परीक्षा दी। यह परीक्षा अलग अलग कैटेगरीज जे0बी0टी0, ओ0टी0 पंजाबी, उर्दु और हिन्दी की थी और उसमें 1 लाख 3 हजार बच्चों ने परीक्षा देनी थी ओर कुछ घण्टे पहले ही ये फोटोकॉपी करते हुए पकड़े गए। हमने यह परीक्षा पोस्टपोन की और दिनांक 04.10.98 को यह परीक्षा दोबारा हुई। अध्यक्ष महोदय, कुछ बच्चे हाई कोर्ट में गए और यह केस चीफ जस्टिस के बैंच में लगा। मै इस सदन में बताना चाहूंगा कि हमारे जो पेपर्ज होते है वे कम्पयूटराईजड होते है ओर एक पेपर दूसरे से और दूसरा पेपर तीसरे पेपेर से नही मिलता हैं यह बहुत ही अच्छा सिस्टम है। अध्यक्ष महोदय, नै ानल कौसिल औफ टीचर्ज ने तो यह कहा है जिस तरह का सिस्टम हमारे साहं पर दाखिले का है वैसे ही सिस्टम से सारे दे ा में दाखिला दिया जाए। यह उन्होने रिकोमैंड किया हैं इस मामले में जो इन्क्वायरी

है वह चल रही हैं इस मामले की इन्क्वायर सिरे तक पहुंचाने के लए हमने दिल्ली के लोगों को भी इसमें भाामिल किया है।

कैप्टन अजय सिंह यादवः अध्यक्ष महोदय, मेरे प्र न का जवाब नही आया है। मैने यह पूछा था कि यह इन्क्वायरी कब आर्डर हुई, इसको कौन कंडक्ट कर रहा है। यह इन्क्वायरी कब तक चलेगी अगर जस्टिस समय पनी होगातो इस न्क्वायरी काक्या फायदा होगा। आपको इस इन्क्वायरी को कोई समय सीमा निर्धारित करनी चाहिए ताकि कम्पलेंट करने वाले को समय पर इन्साफ मिल सकें।

श्री राम बिलास भार्माः अध्यक्ष महोदय, उसी दिन रात को एक बजे कमि ानर व सैक्रेटरी एजुके ान विभाग ने इन्क्वायरी भाुरू की है और उसी हिसार से हमने एग्जाम पोस्टपोन किया हैं पहलजे दो लोगों को गिरफ्तार किया गया था और उनकी सूचना के आधार पर बाकी लोकगों को भी गिरफ्तार किया गया हैं यह रिपोर्ट हमारे पास पिछले महीने के आखिर में आई थी और इस इन्क्वायरी को हम एक महीने में पूरा करेगें।

श्री संपत सिंहः अध्यक्ष महोदय, मंत्री जी ने बताया कि हमारे प्र न पेपरज अलग अलग होते है और यह हरियाणा में पहली बार ही हुआ है। अध्यक्ष महोदय, राम बिलास जी राजस्थान मे जे रहेते है और वहां पर पब्लिक सर्विस कमि ान का एग्जाम भी इसी तरह से होहता है। यह पहले से ही सिस्टम चला आ रहा

हैं जहां तक इन्होने इस घटना को छोटी सी घटना कहा है तो मै इनसे पूछानन चाहूंगा कि ये छोटी सी घटना कैसे हेा सकती हैं इन्होने एफ0 आई0 आर0 दर्ज करवाई और कुछ लोगों को गिरफ्तपर किय ाहैं मै इनको यह बतानाचाहूंगा कि इन्होने लास्ट लोगों को गिरफ्तार किया हैं लेकिन यह क्राईम आरीजनेट कहां से हुआ हैं अध्यक्ष महोदय, महकमें के आदमी ने 100 परसैंट यह चर्चा किसी को दिया होगा बगैर उसके पर्चा दिए वह पर्चा बाहर नही आ सकता है। मै आपके माध्यम से मंत्री जी से पूछना चाहूंगा कि क्या इन्होने डिपार्टमैंट के उस आदमी को पता किया कि वह कौन है और क्या उसके खिलाफ कार्यवाही हुई है?

श्री राम बिलास भार्मा: अध्यक्ष महोदय, 13.09.98 को रात नौ बजे पेपर लीक हुआ। इस बारे में एक जगह से सूचना मिली ओर उस सूचना के आधार पर जब लडत्रके पकड़े गए तो किसी के पास से आरिजनरल पेपर की फोंटो स्टेट कापी नही मिली। उस आरिजनल पेपर को कुछ लोगों ने अपने हाथे से लिख करके बाहर भेजने का प्रयाय किया था। वह प्र न पत्र 150 प्र नों को होता है। कही से 35, कही से 70, और कही से 80 इस तरह सके कुछ हस्तलिखित प्र न थे लेकिन वह भी हू ब हू नही थे। स्पीकर सर, जैसा मैने बताया कि परीक्षा की प्रक्रिया ही ऐी है। इस बारेमें जयादा नही कहा जा सकता। वहां पर कोई एक परचा दूसरे से नही मिलता थां उसमें 150 सवाल थे और इतने सारे सवाल की पूरे प्रदे ा मेंकही पर भी ओरिजनरल रूप से

फोटो स्टेट कापी नही मिलै। कही पर 75 सवाल उसमें मिलते जुलते थे। जैसे ही विभाग को यह सूचना मिली तो उकसे बादविभाग के अधिकारियेांने बहुत मुस्तैदी से काम किया ओर तुरन्त उस परचे को रद्द करके 04.10.98 को दोबारा से परीक्षा ली। इस परीक्षा के बारे में फिर कही से भी कोई ि ाकायत नही मिली। अध्यक्ष महोदय, इसकमें कोई भी विभाग का अधिकारी सलिप्त नही हैं परीक्षा को लेने वाली हमारे विभाग की एक कमेटी बनी हुई हैं हमारे विभाग में एक कम्पयूटराइजड सिस्टम है। उसके हिसार से ही यह परीक्षा ली जाती हैं संपत सिंह जी, मुण्े से तजो कहलवाना चाहे है वह मुझे बात दें ओर फिर मै इस सवाल का जवाब दे दूंगा। (विध्न) सम्पत सिंह जी, जानना चाहते है कि इसमें क्या कोई विभाग का अधिकारी भी सम्मिलित पाया गया है या नही और क्या किसी को कनाईसवैन्स में यह पेपर लीक हुआ या नही। अध्यक्ष महोदय, एस0सी0ई0आर0टी0 का ओफिस गुडगांव में हैं कुछ घंटे पहले ही यह पेपर परीक्षा केन्द्र में पहुंचा थां स्पीकर सर, हर जिले मे हमारे परीक्षा केन्द्र होते है ये परचे गोहाना से जींद के लिए ले जाये जा रहे थे। जैसे ही रात को एक बजे इस बात की सूचना मिली उसके बाद तुरन्त कार्यवाही हुई इसलिए स्पीकर सरर, इसमें किसी भी अधिकारी को संलिप्ता नही है।

श्री सम्पत सिंहः स्पीकर सर, ऐसे की कोई भविश्यवाणी करना ठीक नही है क्योंकि किसी न किसी मुजाजिम चाहे वे सुपरिटैन्डैन्ट लेवल का हो, चाहे वह सुपरवाईजर लेबल काहो या

चाहे किसी ओफिस का बाबू हो, की मिलीभगम जरूरी रही है क्योंकि यह पेपर किसी ने किसी की मिलीभगत से ही बाहर आया हैं किसी ने किसी लेबल पर जरूर कोताही बरती गयी है ंस्पीर सर,आप तो स्वयं प्रोफैसर रे है इसलिए आपको ंपता ही है कही किसी सरकारी कर्मचारी को कनाईवैन्स के बगैर यह पेपर लीक हो सकता है? मै यह नही कह रहा हूं कि इसमें आपके विभाग का कोई कर्मचारी भाामिल है। (विध्न) आपनते तो खुद हमें ऐप्रीि ाएट किया हैं (विध्न) सर, मै आपके माध्यम से मंत्री जी सेजानना चाहता हूं कि इनके महकमें की मिलीभगत के बिना क्य यह काम संभाव है? अगर संभव नही है तो फिर ये दोशी लोगों को खिलाफ कार्यवाही क्यो नही कर रहे है इन्हें कार्यवाही करने मे किस बात की झिझक है?

श्री राम बिलास भार्मा: स्पीकर सर, मै आपने माननीय साथी को बताना चाहूंगा कि सी0डब्ल्यू0पी0 नं0 15661/98 एवं को ये दो रिट पैटी ंज माननीय उच्च न्यायालय के चीफ जस्टिस की डिवीजन बैंच में डिसाईड हुई लेकिन इसमे कही पर भी कोई अधिकारी संलिप्त नही है। कही पर भी पूरा पेपर लीक नही हुआ?

श्री सम्पत सिह: फिर वह पेपर आउट कैसे हुआ? (विध्न)

श्री अध्यक्ष: अब अगला सवाल होगा।

श्री सम्पत सिंहः स्पीकर सर, इसका मतलब तो आप सरकार को बचाने की कोि ा ा कर रहे है क्योंकि आप ही हमें बताईये कि क्या आप मंत्री जी के जवाब से सैटिसफाईड है? सर, मै आपकी इस बारे में रूलिंग चाहता हूं। क्या आप इस जवाब से सतुश्ठ है? (ाोर एवं व्यवधान)

श्री अध्यक्षः संपत सिह जी माननीय मंत्री जी ने इस बारे में आपको जो बताया है तो वह आपको मानना ही पड़ेगा।

श्री संपत सिंहः सर, इनकी बात माननी पड़ेगी वह अलग चीज है लेकिन आप ही हमें बता दें कि क्य आप मंत्री जी के जवाब से सतुश्ट है? अगर आप कह देंगे कि मै संतुश्ट हूं फिर हम मान लेगे। if you are satisfied, then I am satisfied. Alright, I will sit down. It menas you are not satisfied but you are not saying so because you don't want to expose the Government. (Interruption) This is most unfortunate situation in the House, Sir, when the Speaker is not satisfied.

श्री अध्यक्षः आप अपनी बात मेरे ऊपर न लादे। (विध्न)

Sh. Sampat Singh: Sir, you are the custodian of our rights in this House.

Mr. Speaker: That is another thing (Interruption).

Sh. Sampt Singh: Speaker Sir, you are the custodian of our rights. हम वहा बात चौधरी छत्तर सिंह पर नही

डाल रहे है स्पीकर साहब पर डाल रहे है। (ाोर एवं व्यवधान) You can direct the Minister to give a satisfactory reply.

श्री राम बिला भार्मा: स्पीकर सर, हम एक एक बात का जवाब दे रहे हैं उसके बावजूद ये कनाइवैंस की बात कह रहे है। ये इनके पार्ट पर ठीक नही है।

Mr. Speaker: When he has denied categorically that औफिसर संलिप्त नही है, इससे ज्यादा आप और क्या चाहते है।

Sh. Sampat Singh: Whether it is possible without the connivance of the department. Sir, (Interruptions)?

Mr. Speaker: Take your seat, please. Sh. Jai Singh Rana, next question. (Interruptions) Sampat Singh Ji, please take your seat. (Interruption). Sampat Singh Ji, please take your seat, otherwise, I will have to name you.

वाक आउट

श्री संपत सिंह: अध्यक्ष महोदय, हम ि ाक्षा मंत्री जी के जवाब से संतुश्ट नही है इसलिए ऐज ए प्रोटैस्ट सदन से वाक आउट करते है।

(इस समय हरियाणा लोकदल (राश्ट्रीय) पार्टी के सदन में उपस्थित सभी सदस्य सदन से वाक आउट कर गए।)

कैप्टन अजय सिंह यादव: अध्यक्ष महोदय, मुझे अपनी बात कहने का मौका दें। (विध्न)

श्री अध्यक्षः कैप्टन साहब, आप बैठ जाइए। (विध्न)

कैप्टन अजय सिंह यादवः अध्यक्ष महोदय, इस विशय पर हाफ रेन ऑवर की डिसक ान अलाउ करें।

श्री अध्यक्षः आप बैठ जाइए।

कैप्टन अजय सिंह यादवः अध्यक्ष महोदय, यदि आप इस मुद्दे पर आधा घंटे चर्चा का समय नही देते है तो हम ऐज ए प्रोटैस्ट सदन से वाक आउट करते है।

(इस समय श्री जय सिंह राणा को छोड़कर भारतीय राश्ट्रीय कांग्रेस के उपस्थित सभी सदस्य सदन से वाक आउट कर गए।)

तारांकित प्र न एवं उत्तर (पुनरारम्भ)

Deaths Occurred on Account of Pneunonia

825 Sh. Jai Singh Rana: Will the minister for Health be pleased to state the number of death of children occurred due to Pneumonia in the state during the last three year togetherwiththe steps taken to prevents the said disease?

स्वास्थ्य मंत्री (श्री ओम प्रका ा महाजन): राज्य में निमोनिया से बच्चों की मौतों का ब्यौरा निम्न प्रकार हैः

1996—97	10

1997–98	10
1998–99 (दिसम्बर 1998 तक)	5

निमोनियम की रोकथाम के लिए उठाए गए पगः

1. राज्य में राश्ट्रीय भवासनली संक्रमण नियन्त्रण कार्यक्रम लागू किया गया है।

2. जन समुदाय वि ोशकर माताओं को निमोनिया के प्रारम्भिक लक्षणों बारे जागरूक किया जाता हैं

3. मैडीकल तथा पैरा–मैडीकल कार्यकर्त्ताओं को भवासनली संक्रमण की रोकथाम व उपचार हेतु प्र ि ाक्षित कर उनकी कार्यकु ालता को बढ़ावा दिया जाता है।

श्री जय सिंह राणाः स्पीकर सर, मै आपके माध्यम से मंत्री जी से जानना चाहूंगा कि निमोनिया से मरने वाले बच्चों की आयु क्या है। और जो राज्य मेें राश्ट्रीय संक्रमण नियंत्रण कार्यक्रम लागू किया गयाहै इसके लागू करने के बारे में विस्तार से बताये कि यह प्रोग्रम क्या है। और किस किस स्पर पर लोगों को इसका लाभ देने वाले है तथा निमोनिया की रोकथाम के लिए जो प्रोग्राम है उनको कैम्प लगाकर बता रहे है या घर–घर जाकर लोगों को इस बारे में बता रहे है। इसके बारे में विस्तार से बतायें।

श्री ओम प्रका ा महाजनः अध्यक्ष महोदय, निमोनिया बच्चे को तीन साल की आयु के बीच में ज्यादा होता हैं जब निमोनिया होना हैं उससे पहले थोड़ी सी खांसी होती है अगर उस समय माता समझदार हो या जागरूक हो तो उस समय तुलसी, अदरक और निम्बू के रस को गरम पानी में मिलाकर पिला दें तो आराम आ जाता हैं (विध्न) अध्यक्ष महोदय, माननीय सदस्य ने जो सवाल पूछा है मै उसका विस्तार से जबाब दे रहा हूं निमोनिया के कोसिज 1996–97 में ज्यादा थे अब उनमें काफी कमी आई हैं स्वास्थ्य विभाग क्या करताहै कि एक विटामिन–ए की गोली बच्चे को नौ महा का होने से पहले दे देता है ंउसके बादएक गोली नौ महने से 12 महीने के बीच दे दी जाती है। उसके बाद 15 महीने से 18 महीने के बी मे ंएक विटामिन–ए की गोली दे दी जती हैं तनी साल का बचा होने के बाद छः महीने के अन्तर पर एक गोली और दे दी जाती है। इस गोली को खाने के बाद बच्चे मं निमोनिया के किटाणुओं के साथ लड़ने की भाक्ति आ जाती है। और उस बच्चे को निमोनिया होने की सम्भावना कम हो जाती है। (विध्न)

श्री अध्यक्षः प्रो0 सपंत सिंह जी, जो नुस्खे महाज न साहब बात रहे है वे अपने लिख लिये। महाजनसाहब आपने अपने जवाब में कुछ और कहना है या पूरा जवाब दे दिया है।

श्री ओम प्रका ा महाजनः अध्यक्ष महोदय, मेरे माननीय साथी मेरे विभाग से संबंधित जो भी जानकारी लनेा चाहेगे वह मै इनको दूंगा।

श्री अध्यक्षः महाजन साहब, जो नुस्खे बात रहे है ये भी प्र न का एक पार्ट है और महाजन साहब वही स्टैप्स बात रहे है। (विध्न)

श्री संपत सिंहः अध्यक्ष महोदय, अब तो सारे स्टैप आ चुक है। (विध्न)

श्री अध्यक्षः आप लोग बैठिए। श्री जय सिंह राणा आप कुछ और भी जानना चाहते है।

श्री जय सिंह राणाः अध्यक्ष महोदय, मैने जो कुछ मंत्री होदय से जाननाचाहता था उसकस जवाब तो इन्हाने दिय नही। ये दवाईयों के बारे में बता रहे है, इन्हाने तो याही पर होस्पिटला खोल दिया।

ि ाक्षा मंत्री (श्री राम बिलास भार्मा): राणा साहब, क्या आपको देसी नुस्खों में वि वास नही है?

श्री जय सिंह राणाः भार्मा जी मुझे तो देसी नुस्खे में बहुत ज्यादा वि वास हैं अध्यक्ष महोदय, मैने मंत्री महोदय से जानना चाहा था कि जो बच्चे मरे है उनकी आयु क्या थी और तेरा दुसरा सवाल यह था कि इन्होने राज्य में राश्ट्रीय भवासनली

संक्रमण नियन्त्रण कार्यक्रम लागू किया है ंजिसमे ंमहिलाओं को जागरूक किया जायेगा। इस कार्यक्रम पर सरकार कितना पैसा खर्च कर रही है?

श्री ओम प्रका ा महाजनः अध्यक्ष महोदय, मै माननीय साथी को इनके पहले सवाल के जवाब में बतानाचाहता हूं कि जो बच्चे निमोनिया की वजह से मरे है उनकी आयु तीन साल से कम थी। जा इन्होने दूसरा सवाल किया है उसके जवाब में मै बताना चाहूंगा कि हमार `प्रदे ा में गांव में जो महिलाएं आंगनवाडी चलाती है उनको मालूम होता है कि उस गावं में कौन कौन महिला मां बनने वाली है इसलिए वह उन महिलाओं को, जो मां बनने वाली है, यमझाती है कि छोटे बच्चों को निमोनिया या खांसी हो जाये तो उपचार कैसे किया जाये और इसबारे में मैने आपको पहले बता दिया कि यहसब कुछ देसी नुस्खे से इलाज यिका जात है ंजब बच्चे को निमोनिया या खांसी होती है तो उसको भाहद, अदरक तथा तुलसी आदि की खुराक दी जाती है। अगर तब भी ठीक न हो तो उसे कोटामौसा नामक गोली देती है अब इतनी सी बात का मेरे भाई समझते नही तो मै क्या करूं।

श्री भागी रामः अध्यक्ष महोदय, माननीय मंत्री महोदय ने बताया कि 1996–97 में 10, 1997–98 में 10 और 1998–99 में 5 छोटे बच्चों की मौते निमोनिया की वजह से हुई है। इनके अनुसार पिछले तीन सल से टोटल 25 मौते हरियाणा प्रदे ा में निमोनिया की वजह से हुई है क्या ये आंकड़े सही है। अध्यक्ष महोदय, एक

गांव मे ंही छोटे छोटे बच्चों की मौते बहुत ज्यादा होती है। मुझे तो इनका रिकार्ड ठीक नही लगता।

श्री अध्यक्षः श्री भागी राम जी, आप केवल सवाल पूछिये।

श्री भागी रामः अध्यक्ष महोदय, मै आपके माध्यम से मंत्री महोदय से यह जानना चाहता हूं कि क्या ये हरियाणा के सभी अस्पतालों से या जो चौकीदार की किताब वगैरा होती है, उनसे दोराबा इन्क्वायरी करवायेगे कि पिछले एक साल मे निमोलिना की वज से कितने बच्चों की मृत्यु हुई है?

श्री ओम प्रका ा महाजनः अध्यक्ष महोदय, यदि माननीय सदस्य की जानकारी में कोई स्पैसिफिक केस हो तो हमारी रिपोर्ट में एन्टर न हुआ हो ता बता दें।

श्री सम्पत सिंहः अध्यक्ष महोदय, मंत्री जी बहुत अनुभव रखते है और हर जगह जाते है तथा हर आदमी से मिले है और मे इनसे आपके माध्यम से पूछनाचाहता हूं कि क्या ये केसिज केवल मात्र वही केसिज है जिनकी निमोनिया से अस्पतालों में मृत्यु हो जाती है और डाक्टरों के पास रिकार्ड में आ जाती है क्योंकि जैसा भागी राम जी भी बता रहे थे और मै स्पश्ट रूप से सवाल पूछ रहा हूं कि कुछ ऐसे भी गरीब परिवार होते है जो कि डाक्टरों के पास नही पहुंच पाते है।

श्री अध्यक्षः संपत सिंह जी, स्टेमैन्ट न दें, केवल सवाल पूछिए।

श्री संपत सिंहः अध्यक्ष महोदय, मै सवाल ही पूछ रहा हूं कि क्या मंत्री महोदय बतायेंगे कि इनके पास कोई ऐसा पैमाना या तरीका है जिससे कि अस्पतालों के अलावा अैर जो बच्चे निमोनिया से मर ाजे है उनका पता लगाया जा सके ओर जो मंत्री महोदय बता रहे थे कि पिदले तीन साल में जो तीन महीने छ महीने या सात कहीन के बाद जो गोलिया देते है, इन गोलियों पर कितना खर्च हुआ है?

श्री ओम प्रका ा महाजनः अध्यक्ष महोदय, हमने 54 लाख खुराके अपी स्टेट के अन्दर बांटी है और ये गोलिया भारत सरकार देती है। माननीय सदस्य ने अस्पतालों में होने वाले बच्चों की मृत्यु के सम्बन्ध में जो पूछा है कि इनके अलावा जो बच्चे मर जाते है उनका कैसे पता लगाया जात है इस बारे ं आपके माध्यम से मै इनको बताना चाहूंगा कि हर गांव में ए0 एन0 एम0 होती है और जिस ए0 एन0 एम0 के नीचे जो गांव होत है उस गांव में कोई 1000–2000 की आबादी होती है ओर अगर किसी बच्चे की मृत्यु होती है तो उसे पता लग जाता है। जिसकी रिपोर्ट वह सी0 एच0 सी0 में देती है और सी0 एच0 सी0 से अस्पताल में आती है और फिर वे यह रिपोर्ट गवर्नमैंट को भेजते है।

Opening ofGovernment College in Yamuna Nagar

839. Sh. Ramji Lal: Will the Minister for education be pleased to state—

(a) Whehter there is any proposal under consideratio of the Government, to open a Govt. College in district Yamuna Nagar.

(b) Whether the Govt. has introduced any policy to provide free Education to the Girls up to B.A. level; if so, the details thereof; and

(c) The number of posts of teahcers lying vacan in Govt. Primary Schools, Middle High and senior econdary Schools n disrtirct Yamuna Nagar at present together withthe time by whhich thes are likely to be filled up.

ि ाक्षा मंत्री (श्री राम बिलास भार्मा):

(क) जी नही।

(ख) जी हां। हरियाणा राज्य में स्नातमक स्तर तक लड़कियों से ट्यू ान फीस नही ली जाती।

(ग) जिला यमुनानगर में 517 पद रिक्त है। जिनका विवरण निम्न अनुसार है:

(1)	प्राईमरी स्कूल्ज	298 पद
(2)	मिडल स्कूल्ज	30 पद
(3)	हाई स्कूल्ज	50 पद

(4)	हायर सैकेण्डरी स्कूल्ज	139 पद

इन पदों को भीघ्र भरने बारे पूरे प्रयत्न किये जा रहे है।

एस0 एस0 एस0 बोर्ड से कुछ सूचियां हमारे पास आ गई है ओर एची0 पी0 एस0 पी0 से कुछ सूचिया भी हमारे पास आ गई है। हम निकट भविश्य में रिक्त स्थानों को भरने जा रहे है।

श्री राम जी लालः अध्यक्ष महोदय, मंत्री जी ने मेरे सवाल के जवाब में कहा है कि हरियाणा राज्य मे ंस्नातमक स्तर तक लड़कियों से ट्यू ान फीस नही जाती है। जबकि हरियाणा सरकार की यह घोशणा है कि हरियाणा राज्य में लड़कियों को बी0 ए0 तक मुक्त ि ाक्षा दी जाएगी। मंत्री जी ने जो मेरे सवाल का जवाब दिया है। वह हरियाणा राज्य के उन बच्चों कोरा मजाक हैं मै जानना चाहता हूं कि जब हरियाणा सरकार की यह घोशणा है कि बी0 ए0 तक लड़कियों को मुक्त ि ाक्षा दी जाएगी तो इस ट्यू ान फीस का क्या मतलब हैं लड़कियों से किस परपज के लिए फीस नही ली जाती?

श्री रामजी लालः अध्यक्ष महोदय, मेन सवाल के जवाब मूं यह द ार्या गया है कि हरियाणा राज्य में स्नातक स्तर तक लड़कियां से टयू ान फीस नही ली जाती। यदि हरियाणा राज्य में

लड़कियों को बी0 ए0 तक मुक्त ि ाक्षा दी जाती है ते इन्होने जवाब में टयू ान फीस क्यो कहा है?

श्री राम बिलास भार्माः अध्यक्ष महोदय, माननीय सदस्य ने जैसे सवल पूछा है उसका वैसा ही जवाब दिया गया हैं हरियाणा राज्य में राजकीस महाविद्यालय, विद्यालय और प्राथमिक विद्यालय किसी में लड़कियां से फीस नही ली जाती है।

श्री बीरेन्द्र सिंहः स्पीकर साहब, ये दो अलग अलग बाते हैं कि हरियाणा राज्य में लड़कियों को बी0 ए0 तक की ि ाक्षा फ्री दी जती है और टयू ान फीस नही ली जाती। मंत्री जी यह मानते है कि लड़कियों से ट्यू ान फीस नही जाती। मै आपके माध्यम से मंत्री जी से यह मानते है कि लड़कियों से ट्यू ान फीस नही ली जाती है। मै आपके माध्यम से मंत्री जी से जाननाचाहता हूं कि कालेज में बी0 ए0 पार्ट–1 यानि 13वी क्लास के लड़कों से दुसरे फण्ड जैसे बिल्डिंग फण्ड, कल्चरल फण्ड इस तरह के कई फण्डज है उनको टयू ान फीस के साथ मिला कर कितना पैसा लिया जाता है और उसमें टयू ान फीस का पैसा भाामिल न करके कितना पैसा लिया जाता है?

श्री राम बिलास भार्माः अध्यक्ष महोदय, रामजी लाल हा सवाल लड़कियां को ि ाक्षा के बादे में था लेकिन मै चौधरी बीरेन्द्र सिंह जी जो बताना चाहूंगा कि फीस के कुछ स्वरूप फण्ड

भी होते है जो फीस नही कहलाते है। हरियाणा राज्य में लड़कियों से मंथली कोई फीस नही ली जाती।

श्री बीरेन्द्र सिहः अध्यक्ष महोदय, मै मंत्री जी से जानना चाहता हूं कि 13वी जमात के बच्चे से दूसरे फण्डज को टयू ान फीस में इनकल्यूड करके कितने पैसे लिए जो है और टयू ान फीस इनकल्यूड न करके कितने पैसे लिए जाते है?

श्री राम बिलास भार्माः अध्यक्ष महोदय, मै चौधरी बीरेन्द्र सिं हजी की जानकारी के लिए बताना चाहूंगा कि फ्री एजुके ान के मायने है कि कॉलेजिज में लड़कियों से किसी तरह की कोई फीस नही ला जाती है कुछ फण्डज ऐसे हेात`ळे जैसे साईकिल स्टैड फण्ड बिल्डिंग फण्ड है उने बारे में यदिये जानकारी चाहते है तो अलग से नोटिस दे दें इनको बता दिया जाएगा।

श्री बीरेन्द्र सिंहः अध्यक्ष महोदय, माननीय सदस्य रामजी लाल जने ये साफ पूछा है। कि–

"Where the Govt. has introduced any policy to provide free Education to the Girls up to B.A. level; if so, the details thereof; and"

It is very simple.

श्री राम बिलास भार्माः मै माननीय सदस्य को बताना चाहूंगा कि लड़कियों को मुक्त ि ाक्षा देने के मायने है। (ाोर) अगर आप सुनना नही चाहते है तो आपकी मर्जी है। (ाोर)

श्री संपत सिंहः मायने नही आप सही जवाब दे। (ाोर)

श्री अध्यक्षः संपत सिंह जी आप प्रोफैसर रहे इसलिए आप जानते है टयू ान फीस और दूसरे फण्डज में क्या फर्क है। (ाोर)

Sh. Sampat Singh: I know, Sir.

श्री अध्यक्षः आप भी वहां रहे अै और हम भी वहां रहे है।

श्री राम बिलास भार्माः अध्यक्ष महोदय, दाखिले के समय लड़कियों से पैस ानही लिया जात ाहै। औ न ही उनसे कोई फीस ली जाती है। अनुसूचित जातियों और जनजातियों के बच्चों को और घुमन्तु परिवारों के बच्चों को उपस्थिति का एक रूपया प्रोत्साहन के रूप में दे रहे है।

Mr. Speaker: Question Hour is over.

नियम 45 (1) के अधीन सदन की मेज पर रखे गए तारांकित प्र नों के लिखित उत्तर

Quota of Kerosene Oil

846. Sh. Krishan Lal: Will the Minister for Food and Supplies be pleased to state—

(a) The Quota Kerosence Oil received to state during the year 1997 and 1998 separately;

(b) Whether the State Government has made any correpondence with the Central Government to increase the quota of Kerosence Oil, if so, the details thereof;

(c) Whehter any raids on the Depot holders were conducted inthe State during the year 1998; if so, the district wise number thereof, and

(d) Whether any depost holders out of thos referred to in part (c) above were found selling kerosence oil in black markeing; if so, the action taken against them?

Food and Supples Minister (Sh. Ganeshi Lal):

(a) to (d): A statement is laid on the Table of the House.

Statement

(a) The details oa quantity of kerosene oil allotted and lifted/distributed in the State during the year 1997 and 1998 are asl follows:

(Fig. in Kilo litres)

Year	Quantity allotted	Quantity lifted/districbuted
1997-98	213635	212183
1998-99 (Up to December, 1998	164358	163503

(b) Yes, Sir. The State Govt. wrote to the Ministry of Petroleum and Natural Gas, Govt. of India on 05-03-97 to increase the monthly quota to 28000 K.L. On 12-05-98 the matter wa again taken up with Govt. of India for increase of montly quota to 30000 K.L. This demands was also presded for acceptance in Chief Minister's conference held on 27-11-98 at New Delhi. So far, the Govt. of India has not responded.

(c) 983 raids/surprise checks of the depot hlders were conductd during the year 1998.

(d) 169 depot holder swere found over charging/doing black marketing of kerosene oil. The details of action taken against the defaulting depot hodler are given below:-

(1)	FIRs lodged	22
(2)	Supplies suspended	60
(3)	Deposts cancelled	32
(4)	Security forefeited	143
	(No. of depot holders)	
(5)	Amount of Security forfeited	Rs. 154643

Panchayati Raj

867. Sh. Kailash Chander Sharma: Will the Minister for Development and Panchayats be pleased to state—

(a) Whehter there is any proposal under consideratio of the Government to empower the Panchayati raj in accordance with the Haryana Panchayati Raj Act, 1994; ;and

(b) Wheher ther is any proposal under consideratio of the Governmen to give the facilites fo Traveling Allowwance to the members of Zila Parishad?

विकास मंत्री (श्री कंवल सिंह):

(क) हां, श्रीमान जी।

(ख) हरियाणा पंचायती राज वित्त बजट, लेखा, आडिट, कराधान एवं सकर्म नियम, 1966 के तहत जिला परिशद के सदस्य पहले से ही यात्रा भत्ता के पात्र है।

Constructon of By-pass, Ambala Cantt.

854. Sh. Anil Vij: Will the Minister for P.W.D (B&R) be pleased to state whether there is any proposal under consideratio of the Govrnment to construct a by pass at Ambala Cantt. Connecting Ambla-Jagadhari roads with National Highway No. 1, if so, the time by which it is likely to be constructed?

लोक निर्माण मंत्री (श्री कर्ण सिंह दलाल): नही, श्रीमान जी।

Allocation of Sugar Cane Area

882. Sh. Ashok Kumar: Will the chief Minister be pleased to state—

(a) Whether any criteria to allocate cane growing agea to Sugar Mills for purchasing of sugar cane has bee fixed ; if so, the details therefo. And

(b) Whether it is fact that the area of Badshmi, Jandhera, Sura, Mehra, Alipur, Pradhald pur and some other villages have been included in the Piccadily Sugar Mill, Bhadson after excluding from Sarswati Sugar Mill of Yamuna Nagar, if so, the reasons thereof?

मुख्य मंत्री (श्री बंसी लाल):

(क) तथा (ख) सूचना सदन के पटल पर रखी जाती है।

सूचना

(क) जी हां, श्रीमान जी। जब भी कोई नई चीनी मिल लगाई जाती है, तब इस चीनी मिल के लिए एक निि चत क्षेत्र निर्दिश्ट करना जरूरी होता है। इस क्षेत्रको चीनी मिल की परिाई क्षमता को ध्यान में रखते हुये निर्दिश्ट किया जात है ताकि पिराई मौसम में इसकी आव यकतानुसार गन्ने की पर्याप्त आपूर्ति को सुनिख्यित बनाया जा सके। इसके अतिरिक्त क्षेत्र निर्दिश्ट करते समय निर्दिश्ट प्रस्तावित क्षेत्र की फैक्टरी से दूरी, गन्ने के लिए यातायात सुविधाओं तथा पहले से कार्यरत फैक्टरी क्षेत्रों के बीच मण्डलीय प्रबन्धों को भी ध्यान में रखा जाता है। हरियाणा गन्ना

(खरीद एवं आपूर्ति का नियमन) अधिनियम, 1992 के नियम 10 के अधीन गन्ना नियन्त्रण बोर्ड, हरियाणा को किसी वि ोश फैक्टरी के लिए क्षेत्र निर्दिश्ट करने या पहले से निर्दिश्ट क्षेत्र की सीमा को सं ाोधित करके और निर्दिश्ट किये गये क्षेत्र बारे पहले के आदे ाों को रद्द करने की भाक्तियां प्रदान की गई है।

(ख) जी हां, श्रीमानी जी, वर्श 1995–96 के पिराई मौसम मे ंचीनी मिल, यमुनानगर, करनाल तथा भााहबाद के सीमावर्ती जिला करनाल के भादसों गांव में 2500 टन की प्रतिदिन पिराई क्षमता वाल नई चीनी मिल स्थापित की गई थी। भादसे चीनी मिल अर्थात पिकाडली एग्रो इन्टस्ट्रीज लि0 भादसों के चालू होने से पहले इस मिल के आसपास वाले क्षेत्रों में उगाया जाने वाला गन्ना इन सीमावर्ती चीनी मिलों खरीदा जाता था। भादसों मे ंचीनी किल लगने के बाद इस चीनी मिल की 12.5 किलोमीटर परिधि क्षेत्र में पड़ने वाले क्षेत्र को विकसित करने के उद्दे य से गन्ना नियन्त्रण बोर्ड, हरियाणा द्वारा इस मिल के लिए क्षेत्र निर्दिश्ट किय गया तथा तदनुसार विकास गतिविधिया आरम्भ की गई थी। तत्प चात इस चीनी मिल ने अपनी पिराई क्षमता 2500 टन से बढाकर 3500 टन प्रतिदिन कर दी। चीनी मिल की पिराई क्षमता में वुद्धि को मद्देनजर रखते हुये पहले से निदिश्ट क्षेत्र में गन्ने की उपलब्धता, आगे के लिए काफी नही थी। इसलिए हरियाणा गन्ना खरीद एव ंआपूर्ति अधिनियम 1992 के नियम 10 के अधीन प्रदत्त भाक्तियों का प्रयोग करते हुए गन्ना नियन्त्रण बोर्ड, हरियाणा ने

सरस्वती चीनी मिल, यमुना नगर के लिए निर्दिश्ट क्षेत्र के 21 गांव जिसमें बड़ ाामी, जन्धेड़ा, सूरा, अलीपूर, प्रहलादपरु गांव भाामिल थे, को पिकाडली चीनी मिल, भादसों के लिए निर्दिश्ट कर दिया।

Opening of Bus Depot at Jhajjar

891. Sh. Dhir Pal Singh: Will the Minister for Transport be pleased to state whether there is any proposla under consideratio of the Government to open a Bus Depot at Jhajjar; if so, the time by which it likely to be opened?

परिवहन मंत्री (श्री कृश्ण पाल): नही, श्री मान जी।

Link Drain

Sh. Krishan Hooda: Will the Minister of state for Irrigation be pleased to state whether there is any proposal under consideratin of the Government to dig out a link drain from villages Chirri, Gharothi to Bhagwatipur for draining out the rainy water?

सिंचाई राज्य मंत्री (श्री हर्श कुमार): नही, श्रीमान जी।

Cancellation of Notification

Sh. Nafe Singh Rathee: Will the Minister for Town & Counry Planning be pleased to state whether it is fa fact that the notificaton issued under sections 4 & 6 for axquisition of land for the constructio of Auto-Market in Bahadurgarh has been cancelled; if so, the reason thereof?

नगर तथ ग्राम आयोजन मंत्री (सेठ सिरी कि ान दास): हां, यह तथ्य ठाी है कि बहादुरगढ़ में आटों मार्किट की स्थापन के लिएभूमि का अधिग्रहर करने हेतु भूमि अधिग्रहण एक्ट, 1894 के अन्तर्गत धारा–4 व 6 की अधिसूचनाए क्रम I: 26.10.94 तथा 25. 10.95 को जारी कराई गई थी। तदोपरान्त भू–स्वामियों के प्रतिवेदन पर सरकार द्वारा यह निर्णय लिया गया था कि इस भूमि को उपरोक्त उद्दे य के लिए अधिग्रहण ना किया जाये, क्योंकि यहभूमि सामान्यः अनुसूचित जाति/पिछड़ी जातियों के गरीब वर्ग से सम्बन्धित थी तथा इस भूमि को अधिग्रहरण करने उपरान्त भू–स्वामियों के पास आजिविका कमाने का कोई दूसरा साधन नही रह जाता। परिणाम स्वरूप यह भूमि अधिकग्रहरण अधिसूचना रद्दा कर दी गई थी।

Prividing of Bus Route Permits to cooperative Societies

Sh. Ram Pal Majar: Will the Minister for transport be pleased to state—

(a) Whether any decision has been taken by the Government to allot bus Route Premit to the Co-operative societies; and

(b) If so, the criteria adopted for the purpose?

परिवहन मंत्री (श्री कृश्ण पाल गुर्जर):

(क) हां, श्रीमान जी।

(ख) परमिट मोटन यान अधिनियम 1988 की धारा 71(3) (घ) के अन्तर्गत दी गई प्रक्रिया के अनुसार अलाट किये जायेगे।

Completon of Water Works of Saman Village

Sh. Balbir Singh: Will the Minister for publice Health be pleased to state whether there is any proposal to construct a water course from Jui feeder to water works of Saman Village of district Rohta; if so, the time by which it is likely to be completed?

जन स्वास्थ्य मंत्री (श्री जगन नाथ): जी हां। जुई फीडर से गांव सीमण जिला रोहतक के जलघर तथा विकल्प इनलैंट बनाने का एक प्रस्ताव विभाग के विचारधीन हैं इस कार्य के लिए 3500 लाख रूपये कीयेाजना तैयार की गई हैं यह कार्य केवल तभी आरमीा किया जा सकेगा। जब सिंचाई विभाग 4.7 क्यूसिक नहरी पानी जुई फिडर से आबंटित करेगा।

Providing of Compensation

Sh. Balwant Singh: Will the Minister for Revenue be pleased to state—

(a) Wheter it is fact that the farmers of Beri & Hassangarh constituencies could not sow their crops due to the rainy/flood waster still standing in theri fields; and

(b) If so, wheter there is any proposal under consideration of the Government to give compensation to thes farmers as referred to in part (a) above?

Number of ITIs in the State

Smt. Kartar Devi: Will the Minister for Industrial Training be pleased to state—

(a) The number of ITIs opened in the state during the year 1996-97 and 1998 together with the names of the pleaces where these have been opened; and

(b) The time by which the construction work of the sanctioned building of ITI in Kalanaur will be started?

औद्योगिक प्रि ाक्षण एवं व्यावसायिक ि ाक्षा मंत्री (श्री बृज मोहन सिंगला):

(क) 1996–97 में राज्य में कोई औद्योगिक प्रि ाक्षण संस्थान नही खोला गया। 1997–98 में 3 औद्योगिक प्रि ाक्षण संस्थान (महिला) कैथल, आदमपुर (जिला फतेहाबाद) एवं रिवाड़ी में खोले गऐ थे।

(ख) इस समय औ़द्योगिक प्रि ाक्षण संस्थान, कलानौर के भवन निर्माण का कार्य करवाने का प्रस्ताव नही है।

Persons living below poerty Line

Sh. Ramesh Kumar & Sh. Ram Pal Majra: Will the Minister for Food and suples be pleased tostate whether any survey has been conducted in the state during the current

year to find out the persons living below poverty line; if so, the criteria adopted for the purpose?

खाद्य एवं आपूर्ति मंत्री (श्री गणे ी लाल): हां, श्री मान जी।

जिस व्यक्ति की मासिक आय ग्रामीण क्षेत्र में 289.31 रूपये है और भाहरी क्षेत्र में 337.42 रूपये है, उसे गरीबी रेखा से नीचे जीवनयापन करने वाला विचार गया हैं इसके अतिरिक्त ग्रामीण क्षेत्र में गरीबी रेखा से नीचे जीवनयापन करने वाले परिवारों की पहचान करत समय उपरोक्त आय मापदण्ड से अलग मापदण्ड भी विचार गया हैं ग्रामीण क्षेत्र में उस परिवार को गररीबी रेखा से नीचे जीवनचापन करने वाला नही विचारा जायेगा यदि वह:

(क) 2 हैक्टेयर से अधिक जमीन प्रचालन करता है,

या

(ख) इन्दिरा आवास योजना या ग्रामीण गरीब के लिए अन्य कोई नाजकयी स्कीम के तह पक्के मकान के अतिरिक्त उसकस अपना पक्का मकान है,

या

(ग) टेलीविजन, रैफ्रिजरेटर, मोटर साईकिल/स्कूटर या थ्री व्हील में सके कोई एक रखता है?

या

(घ) ट्रैक्टर, पावर टिल्लर या कमबईड थ्रे ार/हारवेस्टर में से कोई एक रखता है।

Vacant Post of Teachers

Sh. Jaswainder Singh Sindhu: Will the Minister for Education be pleased to state the number of posts of teachers lying vacant in Primary Schools and High Scholls in Pehowa Constiuency at present togetherwith the time by which the abovesaid posts are likely to be filled up?

ि ाक्षा मंत्री (श्री बिलास भार्मा): सूचना सदन के पटल पर रखी जाती है।

सूचना

पिहोवा विधानसभा क्षेत्र में अध्यापकों के वर्ग बार रिक्त पदों की संख्या इस प्रकार से हैः–

क्रम संख्या	ि ाक्षक वर्ग	रिक्ति संख्या	
1.	मुख्याध्यापक	2	27 (उच्च विद्यालय में)
2.	सामाजिक अध्ययन अध्यापक	8	

3.	विज्ञान अध्यापक	2	
4.	गणित अध्यापक	2	
5.	पी0 टी0 आई0 अध्यापक	2	
6.	आर्ट एण्ड क्राफ्ट अध्यापक	4	
7.	हिन्दी अध्यापक	4	
8.	संस्कृत अध्यापक	3	
9.	हैट टीचर प्राथमिक	19	71 (प्राथमिक विद्यालयों में)
10.	जे0बी0टी0 अध्यापक	52	

रिक्त पदों को पदोन्नति एवं सीधी भर्ती द्वारा भीघ्र भर दिया जाएगा

Supply of Electricity

Rao Narinder Singh: Will the Chief Minister be pleased to state the total hours in da day electricity being suppied to the farmers ofdistrict Mohindergarh?

मुख्य मंत्री (री बंसी लाल): श्रीमान जी, जिला महेन्द्रगढ़ के किसानों को कृशि सम्बन्धी नलकूपों को चलाने के लिए एक दिन में औसतन 8 से 10 घंटे बिजली दी जाती है।

Construction of a New Road from Chattana To Khirajpur Jat Majra

Sh. Dev Raj Dewan: Will the Minister for P.W.D. (B&R) be pleased to state—

(a) Whether there is any proposal under consideration of the Government to construct a new road fro village Chattana to village Khirajpur Jat Majra in Sonipat district; and

(b) If so, the time by which it is likely to be constructed?

लोक निर्माण मंत्री (श्री कर्ण सिंह दलाल): नही श्रीमान जी।

अतारांकित प्र न एवं उत्तर

Realisation of House Tax

Sh. Anil Vij: Will the Minister for local Government, be pleased to sate—

(a) Whether it is a fact that amount of House Tax, and Tehbazzari is pending for realization is Municipal Committees of the Sate; and

(b) If so, the amount as referred to in (a) above is pending with class 'A' Municipal Committees on 31-12-98 together with the time by which above said amount will be realized?

स्थानीय भाासन मंत्री (डा0 कमला वर्मा):

(क) हां, श्रीमानी जी।

(ख) नगरपरिशदों में दिनांक 31.12.1998 को गृहकर तथा किराया 1374.90 लाख रूपये की रा ि ा वसूली के लिए लम्बित है। गृहकर तथा किराया की वसूली एक निरन्तर चलने वाले प्रक्रिया है तथा यह आ ाा की जाती है कि इस बकाया की वसूली भीघ्र ही कर ली जायेगी।

Strength of Science Students

Sh. Anil Vij: Wil the Minister for Education be pleased to state—

(a) Whether it is a fact that the strength of science students is decreasing gradually in govt. an dprivate schools of the Sate; if so, the resaons thereof.

(b) The percentage of science student out of total student who passed martic in the years 1976-77, 1981-82, 1986-87, 1991-92 and 1996-97; and

(c) The steps taken or proposed to be taken ti imjp[rove the number of science students?

ि ाक्षा मंत्री (श्री राम बिलास भार्मा):

(क) यह सत्य है कि राज्य के राजकीय विद्यालयों में साईस पढ़ने वाले विद्याथियों की संख्या धीरे धरी कम हाती जा रही है पिछले कुछ वर्शो में व्यापार व उद्योगों में काफी व्यवसाय होने से विद्यार्थी वाणिज्य एवं मानविकी विशयों की ओर आकर्शित

हुये है क्योंकि व्यापार व उद्योगों आदि में व्यवासाय मिलने के अधिक अवसर इसका मुख्य कारण रहे है दूसरी ओर साई क विद्यार्थियों को व्यवसाय के अवसर इन्जिनियर, मैडिमल विशय एवं खोज तथा तकनीकी क्षेत्रों में है।

इन्जिनयिरिंग, मैडीकल कालेज तथा तकनीकी संस्थाओं मैं प्रवे ा के लिए कठिन प्रतियोगिता होने की वजह से साईस के विद्यार्थी उचित व्यवसाय प्राप्त करने में कठिनाई का सामना कर रहे है। यद्यपि साईस के अध्ययन के लिए काफी मेहनत, कठिन परिश्रम तथा अधिक खर्चीला होने परभी व्यवसाय के अवर कठिन प्रतियोगिताहोने कारण कम है। इसलिए विद्यार्थियों में साईस की बजाए वाणिज्य विशय लेने की सादृध्य प्रवृत्तियों पाई गई हैं साईस के विद्यार्थियों को नियमित रहना पड़त है जबकि तकनीकी एवं वाणिज्य विशयों को पढ़ने वाले विद्यार्थी अपनी योग्या पत्रचार व प्राईवेट अध्ययन तथा घर पर रह कर भी प्राप्त कर सकते हैं इसलिए यह तथ्य भी नामन साईस विशयों में जाने से सम्बन्धित है।

(ख) दसवी कक्षा के विज्ञान के छात्रों के सम्बन्ध में व्यक्त कया जात है कि दसवी कक्षा में अलग साईस ग्रुप नही हैं इसके अतिरक्त साईस विशय कक्षा के अध्ययन स्कीम मं एक अनिवार्य विशय है। फिरभी वर्श 1976–77, 1981–82, 1986–87, 1991–92 व 1996–97 की दसवी कक्षा की परीक्षाओं में बढन्वाले परीक्षार्थियों का ब्यौरा इस प्रकार है।

वर्श	परीक्षा में बैठने वाले नियमित विद्यार्थियों की संख्या	पास विद्यार्थी	पास प्रतिि ातता
1976–77	65887	25726	39.05
1981–82	82938	56038	67.57
1986–87	109158	80666	73.90
1991–92	192057	146314	76.18
1996–97	212020	11128	52.49

(ग) साईस विशय को अधिक लोकप्रिय एव आकर्शित बनाने हेतु निम्न पग उठाये गये है:–

1. विद्यालयों में अलग से विज्ञान प्रयोग ाालाओं की स्थापना। विज्ञान के विशयों जैसे भौतिकी, रसायन भाास्त्र ओर जीव–विज्ञान के लिए वरिश्ठ माध्यमिक विद्यालयों में अलग से प्रयोग ाालाये स्थापित की गई है।

2. विज्ञान अध्यापकों की नियमित आधार पर नियुक्तियों की गई है तथा जिन विद्यालेयों में विाान के विद्यार्थी है उनमें विज्ञान अध्यापकों को उपलब्ध करवाने के लिए प्रयत्न किये गये हैं

3. हर वर्श उपमण्डल, जिला एवं राज्य स्तर पर साईस प्रद र्नी आयोजित की जाती है और विद्यार्थियों एवं अध्यापकों को प्र ांसा पत्र व ईनाम दिए जाते है।

4. भौक्षिक वर्श 1997–98 के दौरान राज्य में राश्ट्रीय विज्ञा प्रद र्नी आयोजित की गई जिसमें विज्ञान के विद्यार्थी तथा अध्यापकों ने सारे भारतवर्श से अपने नमूनों सहित भाग लिया और यह प्रद र्नी एन0 सी0 ई0 आर0 टी0 नई दिल्ली के सहयोग से आयोजित की गई, सचित साईस एवं टैक्नोलोजी, भारत सरकार इसके उद्घाटन समारोह में मुख्य अतिथि थे।

5. विद्यालय पुस्तकालयां को भौतिक, रसायन भाास्त्र, जीव विज्ञान, गणित, भू–गर्भ विज्ञान विशयों की अच्छी तथा व्यापक पुस्तकों से सुदृढ किया गया है।

6. प्रयोगों पर वि ोश बल दिया गया। सभी विद्यार्थियों के लिए साईस की प्रयोग ाला में प्रयोग करने आव यक है। एक परीक्षार्थी को तभी साईस विशय में उर्तीण किया जाता है जब वह थ्योरी के साथ साथ प्रायोगिक परीक्षा में भी पास होता है।

7. विज्ञान अध्यापको को बढ़ाने की नई तकनीकी जैसे कि डैमोंस्ट्रे ान विधि आदि द्वारा पढ़ाने के लिए जोर दिया जाता है।

8. हर वर्श राश्ट्रीय प्रतिभा खोज परीक्षा एन0 सी0 ई0 आर0 टी द्वारा आयोजन किया जाता है जिसमें वर्श 1997–98 के

दौरान हरियाणा के विद्यार्थियों को एस0 सी0 ई0 आर0 टी0 गुडगांव द्वारा प्र ि ाक्षित करने उपरान्त भाग लेने पर महाराश्ट्र के विद्यार्थियों सहित उत्कृश्ट घोशित किया गया है।

9. साईस ि ाक्षा के अध्ययन को उन्नत करने हेतु हर जिले में एक जिला साईस वि ोशज्ञ का पद बनाया गया है।

Allernative Source for Supply of Electricity to Ambala Cantt.

Sh. Anil Vij: Will the Chief Minister be pleased to state—

(a) Whether there is any proposal under consideration of the Government to provide another alternative source for supplying of electricity to Ambala Cantt. Other than the BBMB 220 KVA Dhulkote sub-division; and

(b) If so, the details thereof?

मुख्य मंत्री (श्री बंसी लाल):

(क) हां, श्रीमान जी।

(ख) अम्बाला कन्टोनमैं तथा उसके आसपास के क्षेत्र की बिजली की आपूर्ति की समस्या 220 के0 वी0 भाखड़ा व्यास प्रबन्धन बोर्ड से मुख्यतया व्वयाल इन्डिय आयज कार्पो ान तथा औद्योगिक क्षेत्र, अम्बाला कन्टोनमैंट में स्थित वर्तमान 66 के0 वी0 उपकेन्द्र को बिजली की वैकल्पिक व्यवस्था करने ` लिए टेपला, अम्बाला कन्टोनमैंट में ऐ 220 के0 वी0 उपकेन्द्र स्थापित करने का

प्रस्ताव है जिससे अम्बाला कैन्टोनमैंट के आसपास के क्षेत्रों में बिजली देने की उपलब्धता तथा उसकी वि वसनीयता दोनो में सुधार आएगा।

हरियाणा विद्युत प्रसारण निगम द्वारा प्रस्तावित 220 के0वी0 उपकेन्द्र के लिए 17 एकड़ भूमि का अभिग्रहण पहले ही कर लियागया है प्रस्तावित उपकेन्द्र की स्थापित क्षमता 200 एम0बी0ए0 है तथा इस परियोजना की अनुमानित लागत 3.37 करोड़ रूपये है जिसमें अब्दुलाहपुर/समीप यमुनानगर से टेपला तक लगभग 45 किलोमीअर 220 के0 वी0 लाईन की लागत भी भाामिल है। यह कार्य वि व बैक के द्वितीय चरण के वित्तीय पैकेज के अन्तर्गत किया जाना है जिसे दिसम्बर 2001 तक चालु किया जाना निर्धारित है।

स्थगन प्रस्ताव/ध्यानकर्श्ण प्रस्तावों/अल्पावधि चर्चा की सूचनाएं

श्री ओम प्रका ा चौटाला: अध्यक्ष महोदय, मैने तथा 14 अन्य विधायकों ने एक स्थगन प्रस्ताव का नोतिटस दिया हैं मै आपकी मार्फत सदन का ध्यान एक ऐसे विशय की तरफ दिलाना चाहूंगा जिसका पिछले अधिवे ान मे ंभी जिकर आया था। अध्यक्ष महोदय, पिछले सैक्शन में मैने पटिकुलर इसी घौतड़ गांव का मामला उठाया था। लेकिन उस वक्त भी कोई संतोशजनक ढंग से सरकार इसका उपचार नही कर पाई। उसी का परिणाम है कि उध धोतकड़ गांव में यहां पहले 32 लोग पीलिया की बीमारी के कारण

मरे थे अब फिर वहां पर 5 लोग मर चुके है। एकव प्र न के उत्तर में मंत्री होदय ने बातया कि पूरी प्रदे ज्ञ में जो हम पानी सप्लाई करते है। उसमें कही पर बाढ का पानी आ जात हैं तो कही पर पाईप टूट जाते है जिस कारण गन्दा पानी लोगों को पीने का मिलता है। आज ये खुले खालों के द्वारा पीने का पानी लोगों को दे रहे है। यह बड़ा अहम मुद्दा है कि हमारे जो वाटर वर्क्स है वे ठीक नही हैं

श्री अध्यक्षः आपने जो एडजमर्नमैंट मो ान दिया है। that has been converted into calling attention motion No. 13 and fixed for 5th fo this month. Now, please take you seat.

मुख्य मंत्री (श्री बंसी लाल): अध्यक्ष महोदय, लीटश्र ऑफ दि अपोजी ान ने जो बात कही है वह ठीक है। घौतड़ गांव का माला बड़स सीरियल मामला है। इसके लिए पिछले साल भी हमने कोि ा ा की थी। इसके लिए हमने आल इंडिया मैडिकल इन्स्टीच्यूट से डाक्टर भी भेते थे।ळ हमने वहां पर रिसर्च करवायी थकि कि किस कारण वहां पर लोगों में पीलियों की बीमारी फैली। अब फिर मैने एक दिन इसी गांव के बारे मं अखबार में देखा कि वहां पर फिर लोगों में पीलिया हो गया है। यह सीरियलस बात है। हम इसका हल निकालेगे ओर इसमें हम लीडर आफ दी अपोजी ान को भी भाामिल करेगे या ये अपना कोई आदमी भेज दें। हम पूरी सैअीसफै ान से काम करेगे।

श्री भागी रामः अध्यक्ष महोदय, मै सरकार के ध्यान में लाना चाहूंगा कि पंजाब की फैक्टरियों का गन्दा जहरीला उबलता हुआ पानी घग्गर से होता हुआ सिरसा जिले में पहुंच रहा है। इतना ही नही या पानी ओटू नहर में भी जाता है। इस गन्दे पानी के कारण जो हमारी नहरों में भी जात हैं पीने का पानी खराब होता हैं और दूसरे हमारीखेती की जो जमीन है वह भी इस पानी के आने के काकरण खराब हो रही हैं इसी गन्दे पानी की वजह है कि मंत्री महोदय ने जो पीन के सैम्पल लिए थे वे भी फेल हुए। मै जानना चाहूंगा कि क्या घग्गर मतें जो गन्दा पानी पंजाब का आ रहा है उसकी रोकथाम के लिए कोर्ठ पग सरकार ने उठाये है?

श्री बंसी लालः अध्यक्ष महोदय, मै इनकी बात से सहमत हूं कि घग्गर में कन्टैमिनेडिट वाटर बहुत आताहैं पहले यह बनूर से आता था अैर अब भी आ रहा है। इस बारे में हमने पंजाब सरकार को चिट्अी भी लिखी है और उनसे बात भी कही हैं अब केर्ठ और स्थानों से उनकी फैक्टरियों का पानी घग्गर के माध्यम से हमारे यहां पर आ रहा है। परवाणू से भी आर रहा है इसी प्राकर से मारकण्डा में कालाआम के पास से भी आ रहा है। इस कामले को हमने भारत के साथ टेकअप किया है। इसके साथ साथ हिमाचल सरकार और पंजाब सरकार के साथ भी टेकअप किया है। इस गंदो पानी की वजह से अकेले धौतड़ में ही नुकसान नही हुआ बल्कि इस गंदे पानी ने तो हनुमानगढ़ में भी

तबाही मचायी है। हम इसे बड़ा सीरियस मामला समझते है। ओर इसके हल के लिए हम इसमें अपोजी ान को इन्वाल्व करके कोई समाधान निकलाने की कोि ा ा करेगे।

श्री ओम प्रका ा चौटालाः चौटाला जी आप बैठिए। आप बगैर परमि ान के बोल रहे है। आप बैइे। चौटाला साहब जो बोल रहे है वह रिकार्ड ने किया जाए।

Sh. Bhagi Ram: * * * *

Mr. Speaker: Bhagi Ram ji, your calling attention motion has been sent to the Government for comments. Nothing to be recorded.

श्री संपत सिंहः अध्यक्ष महोदय, यह मामला आपने गवर्नमैंट को भेज दिया है इस पर भी डिस्क ान हो जाएगी। इसके साथ ही मैने एक और अहम मुद्दे पर कॉलिग अटै ान मो ाल दिया था हरियाणा प्रदे ा के प्लेयराज ऐि ायन गेम्ज में गोल्ड मैडल ले करआए हैं अध्यक्ष महोदय, खेल प्रेमी बहुत ही चिन्तिग है कि जो हमारे प्राईमारी खेल हुआ करते थे जैसे कबड्डी, हाकी बॉलीबाल और रैस्लिंग जैसे खेल हमारी स्टेट से खत्म होते जा रहे है। आप स्व्य इस लाईन से जुडे हुए है। पहले ऐि ायन गेम्ज में 6–7 गोल्ड मैडल्ज केवल रैस्लिंग में ही हुआ करते थे लेकिन आज रैसलिंग का खेल बिल्कुल खत्म हो गया है और नक ो से रैस्लिग की स्कीम ही खत्म हो गई है। (विध्न एवं भाोर)

Mr. Speaker: Your calling attention motion has been disallowed.

श्री सम्पत सिहः स्पीकर सर, बच्चे मेहनत करते है, आप खुद इस फील्ड से जुडे रहे है। (विध्न)

श्री अध्यक्षः आपने पहले भी यह मुद्दा उठाया था औरवह रिकार्ड पर आ गया है इलिए आप अब आप अपनी सीट पर बैठे (विध्न एवं भाोर) Do not try to speaker without permission of the Chair. Now Sh. Ashok Kumar will Speak.

श्री अ ोक कुमारः अध्यक्ष महोदय, मेरा एक कॉलिंग अटैं ान मो ान था। सात तारीख को भााहबाद के अन्दर एक लड़के की हत्या हो गई थी और रोश स्वरूप जो लोग प्रद र्ान कर रह`थे उनके ऊपर डकैती और राजद्रोह जैसे संगीन मुकद्दमें बनाए गए है। आज भााहबाद के लोगों में पूरी तरह से द ाहत छाई हुई हैं जिनके खिलाफ मुकद्दमें बनाए गए हैं उनमं 10 के नाम ओर बाकी अन्य लिखा गया है ंबाकी अन्यों के बादे में कुछ निि चत नही है अन्यों के नाम पर पुलिस लोगों को तंग कर रही है ओर लोगों ने पुलिस द्वारा ज्यादतियों की जा रही ह`और लोगों को पुलिस द्वारा लूटा जा रहा हैं अध्यक्ष महोदय, मै आपके माध्यम से चाहूंगा कि सरकार इस पर अपना ब्यान दें। (विध्न एवं भाोर)

Mr. Speaker: Ashok Kumar Ji, your calling attention motion regarding atrocities by police in Shahabad, Distt, Kurukshetra, has been disallowed.

कैप्टन अजय सिंह यादवः अध्यक्ष महोदय, मेरी तीन कालिंग अटै ान मो ान्ज थी। (विध्न एवं भाोर)

Mr. Speaker: Capt. Ajay Singh Ji, your all the three calling attention motion has been disallowed. Zero hour is over.

Hon'ble Members, now discussion on Governor's Address will be resumed and I request Mr. Srisal Singh to speak. (Interruptions).

श्री बीरेन्द्र सिहः अध्यक्ष महोदय, यह जीरो ओवर है। (ाोर एवं व्यवधान)

Mr. Speaker: Now, Zero Hour is over. Please take your seat.

कैप्टन अजय सिंह यादवः अध्यक्ष महोदय, आपने मुझे बोलने की परमि ान दी थी। (ाोर)

Mr. Speaker: Capt. Sahib, your calling Attention Notice has bee disallowed. Please take you seat. (Interruptions). अब रिसाल ससिं जी बोलेगे।

श्री ओम प्रका ा चौटालाः अध्यक्ष महोदय, आप मरी एक सबमि ान सुन लें। सर, आपको पूरा अधिकार हैं कि आप किसी की बात सुने या न सुने। किसी की काल अटैं ान मो ान

को अलाउ करें या डिसआलड करें लेकिन इसका आप कोई क्राइटेरिया फिक्स करें कि आप किस हिसाब से अलाउ करते है और किस हिसाब से डिसअलाउ करते ह ताकि हम उस हिसाब से आपकों लिखकर भेज सकें। आप कृपर करके इस बारे मं गौर करें। (विध्न) इसके साथ ही मेरी आपसे रिक्वैस्ट है कि आप सतपाल सांगवान को अध्यक्ष बना दें। (ाोर एव व्यवधान)

Mr. Speaker: Now, I again request Mr. Rishal Singh to speak.

श्री बीरेन्द्र सिंह: अध्यक्ष महोदय, मेरी सबमि ान है।

श्री अध्यक्षः वीरेन्द्र सिह जी कल आपकों 64 मिनट दिए थे ओर इतना समय किसी को नही दिया गया है।

श्री बीरेन्द्र सिहः * * * *

श्री अध्यक्षः जो कुछ भी बीरेन्द्र सिह जी कह रहे है वह रिकार्ड न किया जाए। (ाोर एवं व्यवधान) सुरजेवाला जी आप बैठ जाए। आपने जो भार्ट डूरे ान डिस्कानको नोटिस 3 बजे दिया था वह डिअलाउ हो गया है। (ाोर एवं व्यवधान) आप सब बैठ जाए। सुरजेवाला जी बैठ जाओ। (ाोर एवं व्यवधान)

श्री बीरेन्द्र सिह: * * *

Mr. Speaker: Please take your seat. Now, Rishal Singh Will Speake. (Interruptions) बीरेन्द्र सिह जी, अब आप बैठे और श्री रिसाल सिंह जी को बोलने दें।

राज्यपाल के अभिभाशण पर चर्चा (पुनरारम्भ)

श्री रिसाल सिंह (मुलाना, अनुसचित जाति): अध्यक्ष महोदय, मै आपका आभारी हूं कि आने मुझे बोलने के लिए समय दिया। (विध्न) अध्यक्ष महोदय, गवर्नर महोदय के अभिभाशण में जो कुछ द ार्किया गया है उसमें से बहुत सी बाते मैने पढत्री है। बहुत सी बातें इसमें ऐसी है जो तत्वों से बहुत दूर है जैसा कि अभिभाशण में बिजली के बारे में बताया गया हैं कि डेली बिजली की उपलब्धता पिछले साल 348 लाख यूनिट थी जबकि इस साल ये बढ़कर 371 लाख यूनिट हो गयी हैं अगर इस तरह से बिजली बढ़ी है तो बिजली के कनैक ांज भी बढ़ने चाहिए थे लेकिन ऐसा नही हुआ। अध्यक्ष होदय, 30.04.96 को एग्रीकल्चर के 375902 कनैक ांज थे जो घ्ज्ञअर अब 360697 रह गए है यानी ये कम हुए हैं इसके अलावा बिजली के कनैक ाज लेने के लिए जो ऐप्लीके ांज पैडिंग थीच वह 30.04.96 को 72207 थी ओ 30.11. 98 को यह 76142 थी यानी यह ऐप्लीकें ांज बढ़ी है। इसका मतलबय यह हुआ कि जो कुछ भी राज्यपाल के अभिभाशण में द ार्किया गया हैं कि बिजली की बढ़ौतरी हुई है वह सरासर झूठ है। अध्यक्ष होदय, पिछले तीन सालों से सरकार ने कोई ऐग्रीकल्चर के लिए कनैक ान नही दिय है यहां तक जो प्रायोरिटी बेसिज पर एस0सीज0 या हैन्डीकैप्ड लोगों को ऐगीकल्चर के लिए कनैक ांज दिए जाने चाहए थे, वह भी पिछले 3 सालों से नही दिए गए है। इसलिए यह एक बहुत ही अन्याय की बात हैं इसके

साथ ही जनबा अध्यक्ष महोदय, पिछले सै ान में भी यह बात उठी थी कि हमारे सारेइलाके मेंस्लैब प्रणाली लागू कर दी गयी है। उस समय हमरे अम्बाला के एक साथी ने कहा था यह स्लैब प्रणाली अम्बाला जिले में लागू कर ी गयी हैं लेकिन मै बताना चाहूंगा कि हमारे सढौरा में जहां पर डीप टयूबवैलज हाते है, वहं पर यह स्लैब प्रणाली लागू नही हैं मैने पहले भी कह था कि हमारे यहां पर डीप टयूबवैल्ज होते है, वहां पर यह स्लैव प्रणाली लागू नही हैं मैनेपहले भी कहा था कि हमारे यहां पर डीप टयूबवैल्ज होते है। यह टयूवबैल्ज 200 फुट से लेकर 250 फुट तक होते है मो साथ लगते हुए हल्के के गांवों में ऐसा नही हैं अध्यक्ष महोदय, अगर हारे यहां पर किसी का टयूबवैल 200 फुट से ऊपर को है तेा उससे 20/– रूप्ये और अगर किसी का टयूबवैल 150 फूट से 200 फुट तक है तो उससे 40 रूप्ये एवं 100 फुट से 150 फुट टयूवबैल वाले से 50/– रूप्ये और बाकी से 65/– रूप्ये प्रति हार्स पावन के हिसाब के लिए जा रहे है जो कि हमारे इलाके के लोगों के सथ अन्याय हैं अध्यक्ष महोदय, मै एक उैप्टे ान के साथ मुख्य मंत्री महोदय से इस बारे में मिला था और अब मै फिर उनसे कहना चाहता हूं कि जिला अम्बाला एवं सढौरा हल्क मै पहले की तरह से ही बिजली की स्लैब प्रणाली लागू की जानी चाहिए।

अध्यक्ष महोदय, अब मै एग्रीकल्चर के बारे में कहना चाहूंगा। राज्यपाल महोदय के अभिभाशण में द ार्या गयाहै कि बेमौसमी बारि ा की वजह से ऐग्रीकल्चर का बहुत नुक्सा नहुआ हैं

जिसकी वजह से फड ग्रेन प्रोडक्शन 29.77 लाख टन ही रह गया हैं इसी तरह से कॉटन की फसल को भी बारि ा से नुक्सान हुआ हैं कपास की गांठो को प्रोडक ान 15 लख टन होना चाहए था वह घटकर 8.63 आर0 पी0 एम0 आ गई हैं गुड नौ लाख टन होना चहए था वह घटर 7.20 लाख टन हो गया हैं इसका मतलब यह है कि बारसाल की वजह से किसानों को बहुत ज्यादा क्षति हुई है लेकि सरकार ने मुआवजा देने के बारे में कोई कदम नही उठाए हैं मै मुख्य मंत्री महोदय से माफी चाहूंगा, टोहाना में जब वे गए तो कुछ लोगों ने उनसे कहा कि बेमौसमी बरसात की वजह से बाढ़ जैसी विथति हो गीं है ओ फसलों का काफी नुकसान हुआ हैं इसलिए कुछ मुआवजे की बात करें तो मुख्य मंत्री जी ने कहा कि यह तो बहुत अच्छा हो गया इससे तो फायदा हुआ है ज्यादाब ारि ाहोने से मुझे राहत मिली है। एक तो अब बिजली ज्यादा मिलेगी। बिजली न मिने पर लोग जाम लाते, रास्ता रोकत, दुसरू इसस यह फयदा हुआ कि बाटर लेवर ऊपर आ गया है तो मुख्य मत्री जी यह कोर्ठ जवाब नही है मै आपके माध्यम से मुख्य मंत्री जी से अनुरोध करूंगा कि किसानों की तरफ ध्यान देकर उन्हें मुआवजा दिलाया जाए।

अध्यक्ष महोदय, जहां तक नये जिलों को सवाल है, गवर्नर महोदय के अभिभाशण मै मैं ान किया गयाहै कि हर जिले में सैक्रेटेरियट बन रहे है। झज्जर में बन रहे है, फतेहाबाद में बन रहा हैं मेरे हल्के मुलाना को 4–5 साल पहले सब डिवीजन

डिक्लेयर किया गय था इस सरकार ने पता नही क्यों उसकों कैसिल कर दिया हैं मेरे हल्के में दो थाने है, दो चौकियां है 30 हाजर की आबादी है इसके बावजूद मेरे हल्के के साथ जो अन्याया किया जा रहा है इसे वापस लिया जाए और वहां सब डिवीजन बनाई जा। इसके साथ ही एरीगे ान की बात है जो भी सरकार आती है वह दादूपुर नलवी नहर को अपने मैनीफैस्टों में जरूर रखती है नहरों पर करोड़ा रूपया खर्च हो रहा है लेकिन दादूपुर नलवी नहर को बनाने की ओर कोई ध्यान नही दिया जाता हैं दादूपुर नलवी नहर बन जाए तो इससे अम्बाला ओर सढौरा इलाके का जल स्तर ऊपर आ जाएगा और जो टयूबवैल बेकार हो गए है वह चालू हो जाएंगे। मै अनुरोध करूंगा कि इस ओर ध्यान दिया जाए। दूसरी बात मै एक औ कहना चाहूंगा कि जो ओल्ड एज पें ान चौधरी देवी लाल जी के समय में 1977 में 100/– रूपये प्रति मास मुकर्रर की गई भि उसके बाद मुलाजिमों के वेत व फसलों के रेट सब कुछ बढ़ लिया लेकिनओल्ड एज पें ान वही 100/– रूपये ही हैं इसे 100/– यपेय प्रति मास से बढ़कर 200/– रूपये किया जाना चाहए। इसके साथ ही जो बेरोजगारी भत्ता मिलता है। वह भी 75/– और 100/– रूपये ही है यह भी 1977 से अब तक ज्यों की त्यों ही है इसे भी बढ़ाकर कम से कम दुगुना किया जान चाहिए। पिछले दो साल से कही भी पें ान के नये फार्म नही भेर गए है। ओर यदि भरे भी गए है तो उनकों मिली नही हैं बिलों पॉवर्टी लाइन के बारे में जो फार्मूला अपनाया गया हैं उसे बारे में कई माननीय सदस्येां ने कहा हि कि जो

फार्मूला अपनाया गया है उससे गरीबों तो नही लेकिन गरीब जरूर खत्म हो जाएगा। जो लोग रीगी रेखा में आने चाहिए थे वह नही आए है इसका दोबारा से सर्वे करवाना चाहए। अब मै आपके माध्यम से मेरे एरिये के साथ जो नांइंसाफी की गई हैं उसकी ओर ध्यानदिलाना चाहूंगा। हमारे कुछ ऐरिया मे ंि ावालिक बोर्ड के माध्यम से डिवैल्पमैंट होती है व मुख्य मंत्री महोदय की देखरेख मे ंहोती हैं लेकिन बिडत्री अजीब बात है कि ि ावालिक बोर्ड का पैसा किसी वि ोश जगह पर खर्च किया जा रहा हैं यह पैसा कहां पर खर्च होना चाहिए ओर कहां पर नही होना चाहिए यह देखने की बात हैं अभ माननीय सदस्य श्री रामजी लाल जी ने टयूबवैल्ज को ममला उठाया था कि टयूबवैल्ज क पैसा पार्को पर लगाया जा ररह है लेकिन पैसा वहां लगाना चाहिए जहां पर इसको लगाने की जरूरत है। लेकिन उनके सवाल का जवाब देते हुए मंत्री जी ने जवाब दिया कि मनोरंजन भी तो जरूरी है। अध्यक्ष महोदय, एक तरह तो नसैस्टी की बात है ओर दूसरी तरफ मनोरंजन की। जिन लोगों के लिए एजुके ान के लिए स्कूल नही है, चलने के लिए रास्ते नही है पीने के लिए पानी नही हैं उनके लिए उनकी ज्यादा जरूरत है न कि मनोरजनकी। ये अन्याय नही है तो और क्या है? ि ावालिक बोर्ड की एक ान प्लान में 30 सड़के बनाने का प्रावधान रखा गया हैं लेकिन इस एक ान प्लान में 28 सड़के द ार्ाई गई हैं इन 28 सड़कों में से 16 सड़के सिर्फ अम्बाला सिटी में ही बनाने का कार्यक्रम है जिसके लिए 30 लाख रूपये का खर्चा होना है इस तीस लाख रूपये में से 20 लाख 74

हजार 80 रूपये सिर्फ अम्बाला सिटी पर खर्च हो रहे है। तब तो यह ि ावालिक बोर्ड का विकास होने की बजाये अम्बाला सिटी विकास बोर्ड हो गया। यह भी अन्याया की बात है मेरेहल्के कलिए चार करोड़ रूपये के बजट में से अब तक केवल दो लाख रूपये रखे गये है। लकिन अभी तक कोई काम नही हुआ है।

अध्यक्ष महोदय, इसके साथ ही मै एक बात हौर कहना चाहूंगा। सरकार ने सरकारी कर्मचारियों को पांचवे वेतन आयाजग की सिफारिशें का लाभ दिया है। लजेकिन इसमें जो डयरेक्ट भती वाले कर्मचारी है और जो प्रोमेट हुए है उनमें अन्तर रखा गया है ंजो डयरेक्ट भीर्ती वाले कर्मचारी है। उनको ज्यादा लाभ दिया जगया हैं इसका मै एक उदाहरण देता हूं। जैसे एक डयरेक्ट भती का कर्मचारी है उसका पे स्केल 950–1500 रूपये है। और प्रोमोट हुआ कर्मचारी है उसकस भी यही स्केल है ंइसक बाद दस वश्र्ज्ञ के बाद डयरेक्ट भर्ती वाले कर्मचारी का पे स्केल 1200–2040 है और प्रोमोटिड कर्मचारी काभी दस वर्श बाद पे स्कल 1200–2040 का है और 20 वर्श के बाद डयरेक्ट भती वाले कर्मचारी का पे–स्केल 1400–2600 है। और प्रोमोटिउ कर्मचारी है उसको भी 1400–2600 का स्केल दिया है परनतु अब जो पे–कमी ान की रिपोट लागू की है उसमें बीस साल के बाद डयरेक्ट भर्ती वाले कर्मचारी को 5000–7850 का स्केल दिया गया है ओर प्रोमोटिड कर्मचारी को 3050–4500 को पे–स्केल दिया गया है जिसमे ंदो हाजर का अन्तर है। यह कितना बड़ा अन्याय है क्योंकि दोनों

कर्मचारी एक जैसा काम करते है पुलिस विभाग ने भाायदा यह मामला सुधार लिया है। मै आपके माध्यम से सरकार से निवेदन करूंगा कि जिन कर्मचारियें के साथ यह अन्याया हो रहा है उनका स्केल भी ठीक तरह से फिक्स किया जाए जिस प्रकार डायरेक्ट भर्ती वाले कर्मचारियेां को स्केल फिक्स किया गया है। (घंटी) अध्रूक्ष महोदय, मैने पिछले सै ान में भी अनुसूचित जातियों के आरक्षण के बारे में बात की थी लेकिन उसमें कोई सुधार नही किया गया। जाहं तक आरक्षण की बात हैं 16.06.1998 को आरक्षण से संबंधित एक पुत्र मुख्य सचित महोदय ने जारी किया हैं अध्यक्ष महोदय, उनका रजिवे ान पूरा किया जाये और प्रमो ान में भी रिजवर्वे ान के हिसाब से उनको प्रमो ान दी जाये। (घंटी)

श्री अध्यक्षः रिसाल सिंह जी आप अपनीसीट पर बैठें।

श्री रिसाल सिंहः अध्यक्ष महोदय, मै रिजर्व कैटगरी के प्रमो ान की बात कह रहा था। जब इन लोगों के प्रमो ान की फाईल डी0 जी0 पी0 के पास जाती है तो डी0 जी0 पी0 गोलमाल जवाब दे देता है कि यह कोर्ट का फैसला है। कोर्ट का फैसला यह है कि अब इन लोगों को कंडी ान लप्रमो ानदे दी जाय लेकिन बाद मे ंसुप्रीम कोर्ट का, हाई कोर्ट का फैसला आने के आदे इन पर वही फैसला लागू होता। (घंटी) अध्यक्ष महोदय, मै सिर्फ थोड़ा समय और लूंगा, मै आपको पुलिस महकमें के बारे मं बताना चाहता हूं कि पुलिए महकमें में दो कैडर होते है एक तो

अकाउंटस ब्रांच और दूसरी इगलि ा ब्रांच। अध्यक्ष महोदय, इन दोनो ब्राचों में भी रिजवर्ड कैटग्रेरी की पोस्टै है लेकिन उनको रिजवर्ड कैटेगरी से न भरकर जनरल से भरा हुआ है। उदाहरण के तौर पर अम्बाला के 9 अकाउटस क्लर्क की पोस्टे है लेकिन उनमें कभी भी रिजवर्ड कैटेगरी की पोस्ट नही रही। (विध्न)

श्री अध्यक्षः रिसाल सिंह जी आप कृपया अपनी सीट परबैठे। अब श्री बंता राम जी बोलेगे।

श्री बंता राम बालमिकी मथाना (रादौरा, अनुसूचित जाति): अध्यक्ष महोदय, आपने मुझे महामहिम राज्यपाल महोदयके अभिभाश्ण पर बोलने के िलए मौका दिया इसके लिए मै आपका धन्यवाद करता हूं महामहिम राज्यपाल महोदय का अभिभाशण सरकार की नीतियों और नीयत का हिस्सा होता है। अध्यक्ष महोदय, मुझे इस अभिभाशण में सरकार की धुंधली तस्वीर नज आती है। (व्यवधान) अध्यक्ष महोदय, मै अपने अनुभवी साथी पर किसी तरह का कटाक्ष नही करना चाहता लेकिन इन्होने इस विधान सभा का ऐसा हाल कर दिया जैसे ''मां गाण आली और बा–बेआ बराती''। अध्यक्ष महोदय, अभी थोड़े दिन पहले मुझे महाराश्ट्र ओर कर्नाटका स्टेटस की विधान सभाओं में जाने का अवसर मिला था। वहां की विधान सभाओं में भारत रत्न डा0 भीम राव अम्बेडकर की प्रतिमा लगी हुई थी लेकिन हमारी विधान सभा में उनकी प्रतिमा नही लगी हुई मैरा आपसे अनुरोध है कि हमारी विधान सभा में भी भारत रत्न डा0 भीमराव अम्बेडर की प्रतिमा

लगाई जाए। अध्यक्ष महोदय, कूडा कचरा अधिनियम महात्मा गाधी की 50वी पुण्य तिथि पर लागू किया गया है। लेकिन इस अधिनियम के लागू होने से दलित वर्ग के लोगों को अपनी जीविका से हाथ धोना पड़ रहा है। अब उनकी जीविका का कोई दूसरा साधन नही है, वे अपने बच्चों का पालन पोशण करने मे असफल हो जोयगे इसलिए मेरी आपसे प्रार्थना है कि उनको ऐसी ट्रेनिग दी जाए जिससे वे अपनी रोजी रोटी कमा सकें ओर अपने बच्चों का पालन पोशण करसकें। माफिया गिरोह बना हुआ है जैसे कि न ाा बन्दी में हुआ था। अध्यक्ष महोदय, यह एक अह्म मुद्दा है और हमारी कोई नैगेटिव अपरोच नही हैं हमें इस बात की खु ाी है कि सरकार का एक अच्छा कदम है लेकिन जिन लोगों के पास कोई दिमाग नही हे, कोई धन्धा नही है, उनके बारे में भी सरकार को सोचना चाहिए।

अध्यक्ष महोदय, महामहिम राज्यपाल के अभिभाशण में भी मुण्े एक बात ओर देखने को मिली है कृशि उपयोगी पदार्थ, उन्नत किस्म के बीज, खाद दवाईया और कृशि संबंधी औजार अनुसूचित जाति के किसानों के लिए मिने चाहि क्यों उनके पास केवल 6 प्रति ात भूमि है और बड़ी मु कल से किसी किसी आदमी के पास भूमि है हैरो टीलर, स्प्रे पम्प, ट्रैक्टर आदि भी आधे दामों पर उनको मिलनी चाहिए। ये मेरा आपके माध्यम से सरकार से अनुरोध ाहैं इसके अलावा सहकारी बैकों से जो कृशकों को क्रॉप लोन मिलता है वह भी अनुसूचित जाति के लोगों को

बिना ब्याज के मिलना चाहिए और उसकी रिकवरी का तरीका भी सरल होना चाहिए। अध्यक्ष महोदय, सरकार द्वारा बिजली और सिंचाई के ऊपर 45 प्रति ात खर्च किया जा है और मै बिजली के बारे में भी कहना चाहूंगा कि अनुसूचित जाति के लोग जिनके पास जमीन है उनको इस 45 मे से कुछ नही मलता है इसलिए मेरा आपके माध्यम से सरकार से अनुरोध है कि अनुसूचित जाती के लोगों को बिजली मुफ्त मिलनी चाहिए ओर मेरा आपके माध्यम से सरकार के साथ साथ श्री कर्ण सिंह दलाल जी कि सीनियर मंत्री है, से भी अनुरोध है कि वे अपने मुख्य मंत्री जी पर जोर देकर सह सब कराये। अध्यख मोदय आपक`द्वारा सरकार से मेरा अनुराध है कि अनुसूचित जाति के लोगों को घरों में लगाने कि लए फलदार पौधे मुफ्त दिए जाए और उन्नत किस्म की सब्जियों के बीच भी उनहें मुफ्त मुहैया कराये जाए। अध्यक्ष महोदय, आपके द्वारा सरकार से मेरा अुनराध है कि सार्वजनिक वितरण प्रणाली के अनतर्ग जो डिपों खोले हुए है। उनमें भी अनुसूचित जातियों के लिए आरक्षण किया जाना चाहिए। अध्यक्ष महोदय, हमारे भाई जगन नाथ जी सदन से बाहर जा रहे है ये हरिजन के नेात होने का दम भरते है इनको मेरी बाते सुननी चाहिए। अध्यक्षहोदय, आपके माध्यम से सरकार से मेरा अनुरोध है कि प्राइमरी क्लास के अनुसूचित जातियों के बच्चों को 25/– रूपये महीना, मिडल क्लास के बच्चों को 40/– रूपये महीन और हाई क्लास के बच्चों को 50/– रूपये महीन के हिसाब से 1990 से आज तक वही मिल रहे हैं सभी के टी0ए0/डी0ए0 बढ़े है। हमारे भी टी0ए0/डी0ए0

बढ़े है, कर्मचारियों के भी बढ़े है। इसलिए इस तरफ भी सरकार को ध्यान देना चाहिए क्या उनके लिए अखबारों में खाली ड्रामा ही आत है औरक्या उनके बारे में गवर्नर एड्रैस में खली जिक्र है कि हम उनके लिए यह कर रहे है। और यह करेगे। अध्यक्ष महोदय, अनुसूचित जातियों के बच्चों के साथ मजाक न किया जाए, मै सरकार से अपील कररूंगा कि उनको वजीफे के रूप में जो पैसा दिया जा रहो। उसका डबल नही बल्कि तीन गुणा कर देना चाहिए। अध्यक्ष महोदय, मै आपके द्वारा सरकार से अनुरोध करूंगा कि समाज कल्याण विभाग द्वारा जो पांच हाजर रूपए मकान बनाने के लिए अनुसूचित जातियों के लोगों को ग्रांट के रूप में दिए जाते है। वह 1977 से आज तक वही पैसे दिए जा रहे हैं मै आपके द्वारा सरकार से पूछना चाहूंगा कि क्या आज के जमाने में पाहंच हाजर रूपए में मकानबना जाएगा। पांच हजार रूपए में कुछ नही बनता। इसको बढ़ा कर कम से कम 25 हजार रूपया किया जाए ताकि हरिजन भाई अपने लिए कोई छोटा सा माकन बन सकें। इसी तरह से अध्यक्ष महोदय, समाज कल्याण विभाग हरिजन महिलाओं ओर विधवाआ ंको उनकी लाड़कियों की भाादियों के लिए 10 हजार रूपय ाअनुदान के रूप में देता है वह पैसा बैकवर्ड क्लासिज की महिलाअीं को भी मिलना चाहिए। अध्यक्ष महोदय, जहां तक कानून व्यवस्था की बात है, हरियाण प्रदे ा में कानून व्यवस्था बिल्कुल ठप्प हो गई हैं (घंटी)

स्थानीय भाासन मंत्री (डा0 कमला वर्मा): अध्यक्ष महोदय, मै आपे ाननी सदस्य को बताना चाहूंगी कि जो भ महिला गरीबी रेखा से नीचे रहने वाली है उसकसे 10 हजार रूपए इस काम के लिए दिया जाएंगे।

श्री बन्ता राम बाल्मिकी: अध्यक्ष महोदय, बहन जी ने जा आ वासन दिया है उसके लिए मै उनका धन्यवाद करता हूं मै इनही बात से बड़ा प्रभावित हुआ हूं। ये मेरी बड़ी बहन के समा न है।

अध्यक्ष महोदय, जहां तक गरीबी की रेख की बात है, उसके बारे में देहात में जो हकीकत में ाहे रहा है वह बताना चाहूंगा। (विध्न) मेरा कोई बाप–दादा तो कभी मिनिस्टर नही रहा। यहां तो केई बाप दार के नाम से रोटी खा रहे हैं अध्यक्ष महोदय, मै सदन की जानारी के लिए बताना चाहूंगा कि में रोजाना 15–20 गांवों में जाता हूं और लोगों के बीच बैठक उनकी बातो को सुनता हूं। आज हल यह है कि जो असल मं गरीबी की रेखा से नीचे आने वाले लोग हैं उनको तो इस लिस्ट में भाामिल नही किया जाता बथ्लक जिकी हालत ठीक है उनका ाामिल कर लिया जाता है। क्योंकि जब सरपंची के इलैक ान हो या दूसरे हो तो उनसे पूछते है किक्या तुम हमं बोट दोगे। कहने का मतलब है कि जो लोग उनकी बात मानते है और उनको वोट देने की हां भरते है ओर जिनकी आर्थिक हालत भी ठीक है उनके नाम तो इस लिस्ट में डाल दिए जाते है लेकिन जो लोग उनकी हां मं हां

नही भरते उनकी गरीबी की रेखा के नीचे आने वाली लिस्ट में भाामिल नही करते, हालांकि उनके पास आय का कोई भी साधन नही होता। मेरा अनुरोध है कि जो लोग गरीबी की रेखा के नीचे आने वाली सूची में रह गए है उनकों इसमें भाामिल कियाजाए ताकि उनको इन्साफ मिल सकें।

अध्यक्ष महोदय, अब मै सरकार ने जो लोकपाल की नियुक्ति की है उसके बारे में कहना चाहूंगा कि सरकार ने यह बहुत ही सराहनयी काम किया हैं इस बारे में अखबारों में आया। इस संबंध में मै आपके माध्यम से यह कहना चाहूंगा कि आज क्रप ान का बोलबाल है, भ्रश्टाचार अपनी चरमसीमा पर है। आज ंजंगल का राज होता दिखाई दे रहा है। (ाोर एवं व्यवधान) आज जो सतनारायाण लाठर की चाल भी डुप्लीकेट हो चली है। (घंटी) (ाोर एवं व्यवधान)

आवास राज्य मंत्री (श्री सतनारायण लाठर): अध्यक्ष महोदय, आन ए प्वायंअ आफ आर्डर। अध्यक्ष महोदय इन्होने मेरे बारे में कुछ बात कही। आज ये ला एण्ड आर्डर की बात करते है। इन्होने अपने समय मे जिस तरह से दूसरेा लोगों की जमीनों पर कब्जे कए है वह सभी को पताहै, उनके अपने समय का ध्यान रखना चाहिए। (ाोर एवं विध्न) अध्यक्ष महोदय, पिछले लोकसभा चुनाव के दौरान ओम प्रका ा चौटाला ने हरिजनों को कहा था कि हम कां ाी राम को प्रधान मंत्री बनाएंगे इसलिए आप हमें वोट दे। लोगो ंने वोट दिए। जब काउटिग होने लगी तो इनकों

काउटिक एजेंट नही मिले तो वे गरीब हरिजन भाई कहने लागे किक्या तुमने बना दिया कांाी राम को प्रधान मत्री। इनको तो दूसरीां पर लाछन लगाना नही चाहिए क्यों ये जैसे रहे है और सबकों पता है। (ाोर एवं विध्न) ये मेरै बारे में बात करत हैं इनकी अपनी गरिमा में रह करबात करनी चहिए। ओप प्रका ा चौटाला कभी गरीबों को हितै ाी हो नही सकता। इन्होने तो अपनेसमय में लूट खसूट का राज बनाया हुआ था। (ाोर एवं विध्न) ये गरीब लोगों को जमीन हड़प लिया करते थे। इन्होने तो कृपा राम पुलिया का मुंह काला करवाया इतना ही नही तो तपासे जो हमारे भूतपूर्व गवर्नर रह चुके है उनको काला मुंह करवाया और फिर उस आदमी को इन्होने ईनाम दिया। (ाोर एवं विध्न)

श्री अध्यक्षः बन्ता राम जी आपन अपनी बात एक मिनट में खत्म करें।

श्री बन्तारामः अध्यक्ष महोदय, आप मुझे एक मिनट में खत्म करने के लिए कह रहे है जबकि मेरा समय तो इस भाोर भाराबे में बर्बाद हो गया है। फिर भी मै आपकी बातों का ध्यान में रखते हुए जल्दी ही अपनीबात समाप्त करूंगा। लाठर साहब ने जो कहा है कि उस बारे में मै इनको बताना चाहूंगा कि जब येलैण्ड डिवैल्पमैंट बैंके के चेयरमनै थे तो मै भी उस बोर्ड का मैम्बर थ। इन्होने क्या क्या किया मुझे सब पता हैं मै इनके बारे में सारी बातें जानता हूं।

श्री अध्यक्षः बन्ता राम जी अब बाप बैठिए।

श्री बन्ता रामः अध्यक्ष महोदय, इन्होने क्या किया थ्क्या आपकी इजाजत हो तो मै कह दूं * * * * *

श्री अध्यक्षः श्री बन्ता राम जी आप बैठे। ये जो कह रहे है रिकार्ड न किया जाए।

खाद्य एवं आपूर्ति मंत्री (श्री गणे ी लाल): अध्यक्ष महोदय, मै कवेल अपने सम्मानित साथी श्री बन्ता राम जी ने अपने वक्तव्य में जो इन्फर्मे ान दी है उसके बारे में बताना चाहता हूं क इन्होने वि ोश रूप से दो बातों का उल्लेख कियाहैं नम्बर–1 जो डिपोज की बात कही कि गरीब लोगों को , हरिजनों और भौडयूल्ड कास्ट के लोगों को डिपोज मिलने चाहिए। अध्यक्ष महोदय, हमारे पास 7695 डिपोज हरियाणा में हं जिनमें से 944 डिपोज प्योरली एस0सीज0 लोगों के लिए है और इनसे अलग इनइम्पलोयड यूथ्स को 1980 डिपोज दिए हुए हैं उनमें से भी एस0सीज0 के लोगों के लिए डिपोज दिए हुए है। अध्यक्ष महोदय,, दूसरी बात इन्होने बी0पी0एल0 की कही है। औरयह बात लगभग सभी लोगों ने कही है। अध्यक्ष महोदय, मै आपकी मार्फत से बतानाचाहता हूं कि पूरा ढिढोरा पीट कर 1977 में पांच लाख बासठ हजार फेमिलीज को गारीबी रेखा से नीचे इनलिस्ट किया गया है हिन्दुस्तान की सरकार ने एक पक्का कमरा औरएक सीलिंग फैन होने तक लोगों को गरीबी रेख से नीचे मानाहै तो उस सर्वे

के प चात आज की तारीख में पांच लाख लोगो गांवां में ओर 1 लाख 95 हजार लोग ाहरें मे ंयानि कुल मिला कर 6 लाख 95 हजार लोग गरीबी रेखा से नीचे इनलिस्ट किए गए हैं लेटेस्ट जितने भी आंकड़े उसके हिसार से आज हिन्दुस्तान के अन्दर गांवों में हरने वाले 289.31 रूपये पर कैपिटा जिसकी इन्कम है वह गरीबी रेखा से नीचे है ओर भाहर की 337.42 रूपये पर कैपिटा जिसकी इन्कम है वह गरीबी रेखो से नीचे है। उसके बादभ इतने विस्तृत काम में कुद गलतियों हो सकती हैं (विध्न) विजिलैस कमेअी, सरपंज, म्यूनिसिपल कमि ानर और आप सीा लोग जो इस हाउस के सम्मानित सदस्य है, अगर उनको लगता है क कही पर भी कोई व्यक्ति रह गया है याकोई ज्यादती हुई है, जिसको बी0पी0एल0 में होना चाहिए थ उसको ऊपर लिख दिय गया है, कृपया आप वह लिस्ट ए0डी0सी0 को दे सकते है। इसमें मोडिफिके ान करने का, अमैंडमैंट करने का या वैरिऐ ान का पूरा प्रावधान रखा गया है। (विध्न) इसलि मै बडत्री विनम्रता से साथ कहनाचाहता हूं कि आप अगर कोई चेंज करने लायक मामला मानते है या बिजिलैस द्वार किए गए कार्य में अगर किसी गांव में कोई व्यक्ति रह गयाहै, एक दो पांच सात नाम रह गए है तो आप लोग उनके नाम लिख कर दे सकते हैंवैसे विद दि बीट ऑफ ड्रम ब्लॉक समिति में अमैडमैंट किया जाता है कि कोई बचा तो नही। पूरे धड़ल्ले के साथ हरियाणा में जो डी0आर0डी0ए0 की संस्था है और स्वर्ण जयंती रोजगार योजना है दोनों के माध्यम से कम्पलीट सर्वे किया गया है। (विध्न) अध्यक्ष महोदय, मै यकह कहता हूं कि

अगर उसमें कोई गलतियों है वैरिये ान हो सकता है, अगर इनको लगताहै कि कही पर अन्याया हुआ है तो ये वह लिस्ट दे दें उनको जोड़ सकते है। (विध्न)

(इस समय कई माननीय सदस्य अपनी सीट पर खड़े हो कर बोलने लगे)

श्री अध्यक्षः आप सभी अपनी सीट पर बैठें। बहन करतार देवी जी, आप क्या कहना चाहती है?

श्रीमती करतार देवीः अध्यक्ष महोदय, माननीय मंत्री जी ने जो सुझाव दिया है वह बहुत ही अच्छा है। हमने ए0डी0सी0 वगैरा से पूछताछ की है। हर गांव में दो चार नही बल्कि सैकड़ों लोग रहे है, उनको केवल यह कर टाला गया है कि आपके दो कमरे पक्के हैं

श्री गणे ी लालः अध्यक्ष महोदय, गांव में जिसके पास एक कमरा पक्का है और सीलिंग फैन है वही गरीबी रेखा से नीचा माना गया है। और जिसके पास इससे ज्याद असैट्स है उसे भाामिल नही किया गया है। (विध्न)

श्री अध्यक्षः श्री जय सिंह राणा।

श्री जय सिंह राणा (नीलो खेड़ी): अध्यक्ष महोदय, आपने मुझे राज्यपाल महोदय, के अभिभाशण पर बालने कासमय दिय इसके लिए मै आपको धन्यवाद देता हूं। यह जो अभिभाशण

राज्यपाल महोदय, ने सदन में पढ़कर सुनाया उसको मैने बहुत ध्यान से सुना औ उसके बाद मैने इसको पढ़ा। स्पीकर साहब, यह जो अभिभाशण सरकार ने और सरकार के अधिकारियों ने राज्यपाल महोदय, को पढ़ने के लिए सौंपा था इसमें जो सरकार की करतूतें। है और आज जो सरकार कर रही है इउसमें अलग हटकर है। (इस समय सभापतियों की सूची में से एक सदस्यश्री नृपेन्द्र सिह जी पदासीन हुए।)

ि ाक्षा मंत्री (श्री राम बिलास भार्मा): सभापति महोदय, आप इस कुसी पर बैठे इसे लिए मै आपका स्वागत करता हूं।

श्री जय सिह राणाः सभापति महोदय, आज इस प्रदे ा में जो मुख्य समस्याएं है उन समस्याओं की ओर अगर सत्ता पक्ष और विरोधी पक्ष विचार नही करेगा तो आने वाले समय में इस प्रदे ा के हालात बहुत खराब होगे। सभापति जी मेरे से पहले कई मैम्बर्ज बोले और राज्यपाल महोदय, के अभिभाशण पर तनी दिन से चर्चा चल रही है। (इस समय उपाध्यक्ष पदासीन हुए।) उपाध्यक्ष महोदय, इस प्रदे ा में बड़ी भारी समस्याएं है। उन समस्याओं के बारेम ें में सबकों मिलकर विचार करना चाहिए। यह जो सदन चल रहा हैं इसको पूराक करके इसके बाद दो दिनका इन समस्यओं पर विचार करने का समय रखा लों। हमें सबों मिल कर उन समस्याओं पर विचार करना चाहिए ओर उनका समाधान करना चाहिए। उन समस्याओं में सबसे बड़ी समस्या बेरोजगारी हैं आज 18 से 35 साल के पढ़े लिखे नौजवान घूम रहे है। अगर

आज बेरोजगारी की समस्या के बारे में नही सोचा गया तो उसके बडद्ये गम्भीर परिणाम होगे जोकि आज सामने आ रहे है तो वर्तमान सरकार है इसके अस्तिव में आने से पहले इन्होने प्रदे ा के नौजवानों की बेरोजगारी दूर करने के लिए परमिट और एजैन्सीज दी जाएंगी। चाहे वह पैट्रोल पम्पकी बात हो, चाहे कार और ट्रैक्टर की एजैन्सी की बात हो, चाहे मोटरसाईकिल की ऐजैसी देने की बात हो या दूसरी अन्य बाते हो, इन्होने जो भी वायदें किए ाि वह पूरे नही किए। चाहे सड़कों का ठेका दने की बात हो, चाहे नहरों का ठेका देने की बात हो चाहे पब्लिक हैल्थ डिपार्टमैंट से संबंधित ठेके देने की बात हो, चाहे नहरेां का ठेका देने की बात हो या चाहे पब्लिक हैल्थ डिपार्टमैंट से ठेके देने की बाते हो। इन्होने उस समय कहा था कि ये सभी तरह के ठेके उन पढ़े लिखे नौजवानों को दिए जाएंगे जो अपनी अपनी सोसायटीज बनाएंगे। (विध्न) डिप्टी स्पीकर सर, मै इस सरकारसे जानना चाहता हूं कि उस समय जो जो वायदे किए थे उनके बारे में ये हमें बता दें कि उमें से इन्होने अब तक किने वायेद पूरे किए है? आज प्रदे ा में क्या हो रहा है, इसका कहने की जरूरत नही है, आज प्रदे ा में बिल्कुल उल्टा हो रहा है, सारे काम बिल्कुल विपरीति हो रहे है। किसी भी नौजवान को कोई ठेका नही दिया जा रहा ह। ये ठेके सरकार के चाहते लोगों को ही दिए जा रहे हैं पता नही कहां कहां से लेकर ये लोगों को ठेके दे रहे है। मुझे तो करनाल के बारें में पता है क्योंकि मैं वहां का रहने वाला हूं। वहां पर भिवानी से या तौ ााम से लाकर ठेके दिए गए है। वहां

पर कोई मेहता नाम के है,उन्ही को उसे जिले के सारे ठेके दिए गए है। (विध्न) मै केवल प्रदे ा की समस्याओं के बारे में ही कहूंगा। जब से यह सरकार आयी है तब से इन्होने किसी भी नौजवान का बसिज के परमिट नही दिए हैं अब सरकार कहती थी कि अब हम बसिज के परिमट देने जा रहे है। आज नौजवान इनके पीछे घूम रहे है। लेकिन किसी को भी ये परमिट नही मिल रहे है, इनमें भी सौदेबाजी भाुरू हो गय ीहै। हमें इस बात का पूरा संदेह है कि इन परमिट्स का बंटवार निश्पक्ष नही होगा। इनके बांटने का जो तरीक अपनाया जाएगा वह ठीक नही होगा। मै सरकार से इस बारे में कहना चाहूंगा कि अगर इनकी नीयत ठीक है तो इनको इन परमिट्स बांटने का वही तरीक अपनाना चाहिए तो पहले कांग्रेस पार्टी के राजमें अपनाया गया था। उस समय लोगों को चण्डीगढ़ बुलाकर लाटरी सिस्टम से परमिट दिए गये थे। अगर ये ऐसा करेगे तो फिर कोई संदेह नही रहेगा। (विध्न) गलत काम कोई भी करे जनता उसको बख्भाा नही करती है। जनता की निगाह आप लोगों पर हैं सर, आप जार इनकी समझाईये। जिन बातों में कह रहा हूं अगर इनका समाधान नही किया गया तो फिर और नोजवान अपराधी बनते जाएंगे क्येां जब उनके पास अपनी जीविका चलाने के लिए कोई साधन नही होगा तो फिर वह कहां जाएंगे। आज प्रदे ा में जो क्राईम बढ़ रहे हैं, जो अपराध बढ़ रहे है वह क्यों बढ़ रहे है उसका कारण यही है और इसकी जिम्मेदार सरकार ही है। मै केवल इसी सरकार को इसका दोश नही दूंगा बल्कि इसमें पहले भी जो सरकारे रही है।

चाहे वह किसी की भी रही हो, उन्होने इन समस्याओं के बारे मे ंनही सोचा। अगर आगे भी इनके बारे में नही सोचा गया तो प्रदे ा का बहुत बुरा हाल हो जाएगा क्योकि किसी भी प्रदे ा या दे ा का भविश्य नौजवानों के ऊपर ही होताहै। अगर नौजवान का भविश्य अंधकारमय होगा तेा फिर प्रदे ा का भविश्य उज्जवल नही हो सकता। उपाध्यक्ष महोदय, मै आकपे माध्यम से सरकार से कहना चाहूंगा कि यदि सरकार में नैतिकता है अगर वह कुछ करना चाहती है तो इस पर विचार करें।

इसी तरह से आज प्रदे ा मै कृशि की बात है, किसान की बात है जो आये साल हर फसल में कृशि उत्पान घटता जा रहा है किसान की जो आमदन है वह घट रही है, खर्च बढ़ रहे है, अगर इस समस्या के बारे मंनही सोचा गयातो यह बहुत दुखद हेागा। हरियाण प्रदे ा कृशि प्रधान प्रदेश है, इस प्रदे ा में लोगों को गुजारा खेती से होता है, चाहे वह मजदूर हो याकिसान हो, दुकानार हो या व्यापारी हा यह सारावर्ग आज दुखी है। इस प्रदे ा मे ंसेम की समस्य है और खेती करने की जो जमीन है वह दिन प्रतिदिन कम होती जा रही है, उसमें सेम आ गई, सरकार इस बारे में कहती है कि हमने एक वैज्ञनकों की कमेटी गठित कर दी है वह रिपोर्ट देगी उसके बाद हम कछ करेगें। वह रिपोर्ट देगी उसके बाद हम कुछ करेगे। वह रिपोर्ट देगी उसके बाद एक और कमेटी गठित की जाएगी, अगर इस तरह से कमेटिया गठित होती रही और जल्द ही इस समस्या का समाधान न हो सका तो किसान

तबाह हो जाएगा। किसान प्रदे ा को छोड़ने पर मजबूर हो जाएगा। केवल बातों से काम नही चलता। कागजों में बड़ी भारी योजनाएं बन रही है सेम को खत्म करने के लिए। जिस हल्के नीलोखेड़ी से मै संबेधित हूं वहां की जमीन कभी बिजाई के बगैर नही रही, वहां मे ाा बिजाई हेाती रही है लकिन आज सफि मेरे चुनाव क्षेत्र में हजारों एकड़ जमीन वर्गर बिजाई ` रह गई हैं वहां अब भी बिजाई नही हो सकी, आगे भी नही हो सकती। अगरयह सरकार किसानों के बारे में नही सोचती तो मै समझता हूं कि कुछ भी नही करती है। उपाध्यक्ष महोदय, आज कानून और व्यवस्थ की बात है सभी साथियों ने कहा कि कानून और व्यवस्था की स्थिति बहुत बिगड़ चुकी है यह चिंता का विशय है सरकार को भी इसकी चिंताहोनी चाहिए केवल विपक्ष के लोगों को ही चिंत नही होनी चाहिए। कर्तव्य सरकार का है वह देखे कि इसके क्या कारण है जेसे मेरे साथियों ने अपने अपने इल्कों की समस्या बताई मै अगर अपने हल्के के एक थाने की भी बात बताउस तो इतनी घटनाएं है कि मै क्या कहूं और उनमें से कोई हत्यारा पकड़ा नही जा सका। भााामगढ़ के सरदार सुरजीत सिंह का मर्डर हुआ, उसके हत्यारों का पता नही लचा। ब्रहाणमजारा के राम स्वरूप भााम के साढ़े सात बजे नीलोखेड़ी से दस किलोमीटर दूर आपने गाव जा रहा था रास्ते में उसका ट्रैक्टर छीनकर ले गए ओर उसकी हत्या करके साथ के खेतों में डाल दिया, अपराधियों का कोई पता नही चला। समाना बहु से 18 भैंसे व साथ के गांव से 25 भैंसे जो कि लाखों रूप्ये की होगी उनको ट्रक में चढ़ा कर ले गए ओर वहां जो लोग

थे उनको बांधकर डाल गए। कोई उनकों पूछने वाला नही। मै वहां एस0 पी0 से मिला था। तीन दिन तक तो वां पर एस0 एच0 ओ0 भी पत करने के लिए नही गया। (विध्न)

श्री उपाध्यक्षः राणा साहब कंक्लूड करें।

श्री जय सिंह राणाः डिप्टी स्पीकर सर, सरकार को इन बातों की ओरध्यान देना चाहिए कि आज प्रदे ा की जनता क्यों दुखी है, आज इसप्रदे ा का किसान दुखी है। इस प्रदे ा का मजदूर दुखी है, इस प्रदे ा का दुकानदार दुखी है।, इस प्रदे ा का अधिकारी दुखी है, इस प्रदे ा के कर्मचारी दुखी है, इस सरकार के मंत्री दुखी है, इस सरकार के एम0 एल0 ए0 दुखी है ओर मै तो यह कहतंगा कि इस प्रदे ा का मुख्य ंमंत्री भी दुखी है। जहां सारे दुखी हो तो यह प्रदे ा चल कैसे रहा है।

श्री उपाध्यक्षः राण साहब, आपको काफी समय मिल चुकाहै। जल्दी खत्म कीजिए।

श्री जय सिंह राणाः डिप्टी स्पीकर सर, मै सरकार के ध्यान में एक बात ओर लाना चाहता हूं वह यह है कि जो पिछड़ा वर्ग कल्याण निगम और हरिजन कल्याण निगम है उनके कर्मचारियों को सरकार ने अभी तक पांचवें वेतन आयोग की सिफारि ाों के आधार पर वेतन नही दिया है। उन कर्मचारियों को बढ़ा हुआ वेतन इस आधार पर नही दिया कि ये निगम घाटे में चल रहे है। वेतन देना तो कर्मचारियों के कल्याण की बात है

फिरन इसमें मुनाफे वाली बात क्या हुई। मै आपके माध्यम से सरकार से अनुरोध करूंगा कि इन कर्मचारियों को बढ़ा हुआ वेतन दिया जाए तो राज्य सरकार के अन्य कर्मचारियों को दिया जा रहा है। उपाध्यक्ष महोदय, एक बात मै आपके माध्यम से ओर कहना चाहूंगा क्योंकि यह बात आपसे संबंधित है वह है दादुपूर नलवी को पूरा करने की बात। आपने चुनाव से पहले यह वायदा किया था (विध्न)

श्री उपाध्यक्षः राणा साहब जल्दी खत्म कीजिए।

श्री जय सिंह राणाः उपाध्यक्ष महोदय, जहां तक लाडद्धा इरीगे ान स्कीम की बात है पिछले दिनों मैने एक ब्यान पढ़ाथा जो सरकार के मंत्री दलाल साहब ने भााहबाद में बैठकरदिया थ कि दादुपुर नलवी नहर को जल्दी बनाने जा रहे है। (इस समय अध्यक्ष महोदय, पदासीन हुए) सरकार इस बात को स्पश्ट करें कि अम्बाला कुरूक्षेत्र नहर को कब तक पूरा करने जा रहे है, कब जमीन को एक्वायर करेगे।

श्री अध्यक्षः राणा जी, कंक्लूयड कीजिए।

श्री जय सिंह राणाः स्पीकर सर, ब मै अपने हल्के की सड़कां के बादे में कहनाचाहता हूं स्पीकरसर, सडके तो लगभग खत्म हो चुकी हैं मैने इस बारे मे मंत्री जी से कई बार रिक्वस्ैट भी की है, लिखकर भी दिया है ंसड़कों की इतनी खराब हालत है कि कोई भी व्हीकल नही चला सकतौ। अगर यही बात सोची

जायेगी कि पहले नै ानल हाई–वे, फिर स्टेट हाई–वे और दूसरी सड़के ठीक करने के बाद ही गांवों की सड़कें ठीक की जाएगी तो गांवों की सड़के तो कभी ठीक नही हो सकेंगी। बसें भी ठीक तरह से सड़कों पर नी चल सकती हैं अध्यक्ष महोदय, मै आपके माध्यम से इस सरकार को कहना चाहता हूं कि इस प्रदे ा की जनता की जो भी समस्याएं है उन पर सरकार दलगत भावना से ऊपर उठकर विचार करें ओर लेागों की समस्याएं दूर करें। अध्यक्ष महोदय, मै तो कहता हू कि सीा सदस्यों को इन समस्याअें पर विचार करने के लिए रो दिन का अधिवे ान बुलाकर इन समस्याओं को दूर करने की कोि ा ा की जाए। अध्यक्ष महोदय, देहात में हरियाणा सरकार या केन्द्रीय सरकार द्वारा जो रा ि ा विकास के लिए दी जातीहै वह सभी गांवों तक नही पहुंचती। वह रा ि ा वी0 डी0 ओ0 उन्ही सरपंचों को देता है जिनके सथ उसकी मिलीभगत हैं वि ोशतौर से मै आपको नीलोंखेडी के वी0 डी0 ओ0 के बारे में बताना चाहूंग कि वह वी0 डी0 ओ0 उन्ही सरपंचों को राा ि ा देता है जिनके साथ उसकी मिलीभगत होती हैं अध्यक्ष महोदय, मै यब बात इस सरकार को बदनाम करने के लिए नही कह रहा बल्कि जोसही है वही कह रहा हूं। (विध्न)

विकास मंत्री (श्री कंवल सिंह): अध्यक्ष महोदय, मेरे माननीय साथी ने ये आरोप लगाया है कि जिन पंचायतों की ग्रांट दी जाती है वह मिलीभगत से दी जाती है यह बिल्कुल गलत बात है क्योंकि ग्रांट वकायदता अल्फावैटीकली दी जाती है (विध्न)

कैप्टन अजय सिंह यादवः अध्यक्ष महोदय, मै आपसे पूछना चाहता हूं कि आप हमें बोलने के लिए समय देगे या नही।

स्थानीय भाासन मंत्री (डा0 कमला वर्मा): अध्यक्ष महोदय, राज्यपाल महोदय, के अभिभाशण पर धन्यवाद प्रस्ताव पर बहुत से माननीय सदस्यों ने चर्चा में भाग लिया। माननीय सदस्य अनिल विज ने राज्यपाल महोदय के अभिभाशण पर धन्यवाद प्रस्ताव पे ा करते हुए कहा कि जो प्रोत्साहन रा ि ा अनुसूचित जाति और विमुक्त जाति के छात्र/छात्राओं को दी जाती है उसका प्रचार अधिक होना चाहिए। अध्यक्ष महोदय, मै आपके माध्यम से अनिल विज जी को बताना चाहती हूं कि प्रोत्साहन रा ि ा ही नही बल्कि कई अन्य सहायतार्थ कार्य भी अनुसूचित जाति और विमुक्त जाति के छात्र/छात्राओं के लिए कि जा रह`है। हमने इसके प्रचार के लिए 6 प्रकार के पोस्टर छपवास है जिनमें हमने अलग अलग विभागों के सारे कार्यक्रम और योजनाएं दी हुई ताकि वह इसकी जानकारी से लाभ उठा सकें हरियाणा प्रदे ा के अनुसूचित जाति व पिछड़े वर्ग के विद्यार्थियों को दी जाने वाली सुवधिाएं, अनुसूचित जाति ओर विमुक्त जाति के लो लागों को दी जाने वाली सुविधाएं, हरियाणा प्रान्त में विधवा औरबेसहारा महिलाओं को दी जाने वाली सुविधाए, हरियाणा प्रान्त में वृद्धों और वृद्ध महिलाओं को दीज ाने वाली सुवधिाएं, हरियाणा प्रांत में किवलांगों कोदी जाने वाली सुवधिाए, हरियाणा प्रांत में अनाथ वे बेसहारा बच्चों को दी जाने वाली सुविधाए। इस तरह के हमने 6 पोस्टर

छपवाए है। ये 6 पास्टर हमने 25–25 हजार की संख्या में छपवाए है। ये पोस्टर हम जिला समाज कल्याण अधिकारी, अधीक्षक संसाीन, जिला कल्याण अधिकारी, कार्यक्रम अधिकारी, बाल विकास परियोजना अधिकारी, सुपरवाइजर (आई0 सी0 एस0) आंगनवाड़ी केन्द्र महिला मण्डल, उपायुक्त उपमण्डल अधिकारी (ना0) जिला विकास एंव पंचायत अधिकारी, जिला लोक सम्पर्क अधिकारी, समाज कल्याण सलाहकार बोर्ड, प्रबन्धक निदे ाक, हरियाणा हरिजन कल्याण निगम और प्रबन्धक निदे ाक, हरियाणा पिछड़े वर्ग कल्याण निगम को देगे। इन पोस्टरों को सबसे ज्यादा प्रयोग, उपायुक्त के माध्यम से होगा, क्योंकि डी0 सी0 महोदय का दरबार लगताहै, वहां पर ये पोस्टर लगाए जाएंगे ताकि लोगों को पता नगे कि समाज कल्याण विभाग का उनके लिए क्या कार्यक्रम है, क्या योजनाएं है, लोग उनका लाभा उठा सकें।

श्री बीरेन्द्र सिंहः अध्यक्ष महोदय, मेरा प्वायंाट आफ आर्डर है। बहन जी ने दरबार भाब्द का प्रयोग किय हैं अध्यक्ष महोदय, दरबार तो बहत पले राजे महराजाओं के लगते थे यह दरबार भाब्द अच्दा नही लगता। बहन जी बहुत अच्छी जिनती है। इसलिए ये इस भाब्द की जगह किसी ओर अच्छे भाब्द का प्रयोग करें।

डा0 कमला वर्माः आप इस बारे में कोई अच्छा सुझाव दे यदि आपको सुझाव ठीक होगा तो उस पर हम विचार कर

लेगे। दरबार का दूसरा अर्थ जनता से सम्पर्क कर उनकी समस्याओं को समाथानकरना हैं

श्री अध्यक्षः बहन जी चौधरी बीरेन्द्र सिह जी जो भाब्द बता रहे, आप उसका इस्तेमाल ना करें।

श्री बीरेन्द्र सिहः अध्यक्ष महोदय, आप प्रोफैसर रहे आप ही कोई अच्छा से भाब्द बता दें।

डा0 कमला वर्माः अध्यक्ष महोदय, सरकार अनुसूचिज जाति की छात्राओं को बहुत सी योजनाओं के अन्दर लाभ दे रही है जैसे अनुसूचित जाति की छात्राए वी0 एस0 सी0 होम साईस में प्र ाक्षण प्रज्ञत करती है उनको हम 125/– रूपए प्रतिमास की दर से उनके खाने पीने तथा रहने के खर्च को पूरा करने के लिए छात्र सुविधा दे रहे है। हमने कई प्र ाक्षण केन्द्र खोले हुए है। जो अभिभावक व्यय नही कर सकते, उन अनुसूचित जाति के बच्चो को हायर एजूके ान की प्राप्ति के लिए अम्बाला, भिवानी करनाल, रिवाड़ी, हिसार और रोहतक में प्र ाक्षण केन्द्र काम कर रहे है। इन केन्द्रों में अनुसूचित जातियों के बच्चों को हिन्दी, अगेजी टाईप भाोटहैंड के लिए प्र ाक्षण दिया जाता हैं और इसके साथ ही बैक भर्ती बोर्ड, एम0 बी0 ए0, रेलवे कमी ान, यू0 पी0 एस0 आदि की परीक्षा हेतु भी पूर्व प्र ाक्षण क्रै ा कोर्स चलाया जाता हैं और इन छात्रों को 100/– रूपये छात्रवृत्ति देनते है। इसी तरह से अनुसूचित जातियों के छात्रों को पुस्तके व लेखन सामग्री

खरीदने के लिए ब्याज रहित ऋण दिया जाता हैं मैट्रिक के बाद 800/– रूपये, पोस्टग्रेजुएट को 150/– रूपये ओर व्यावसायिक कोर्स हेतु 2000/– रूपये दिए जाते है। इस पैसे को वापस करने की बडत्री छोटी सी कि त होती है। इसके साथ ही कोचिंग क्लासिज भी लगाई जाती हैं जो छात्र, छात्राएं श्रेणी में पढाई में कमजोर हो उन बच्चों को गणित, विज्ञान और अंग्रेजी विशय की कोचिंग दी जाती हैं उनके बारे में बताना चाहूंगी कि जिस क्लास के अन्दर 5 अनुसूचित जाति के छात्र या छाएं है, वहां पर अध्यापकों भारा 15 नवम्बर से 15 फरवरी तक स्पे ाल कोचिग क्लासिज लगाई जाती है ओर हम उस संबंधित अध्यापका को 200/– रूपये प्रतिमास देते है। अनुसूचित जाति की लड़कियों को ि ाक्षा मे प्रोत्साहन देने हुतु योग्यता छात्रवृति दी जाती है। 9वी कक्षा को 80/– रूपये, मैट्रिक वाली को 100/– रूपये, 11वी वाली को 120/– रूपये और 12वी वाली को 140/– रूपये प्रति मास छात्रवृत्ति दी जाती हं इनका चयन डी0 सी0 की अध्यक्षमात में एक कमेटी को गठित करके दिया जाता है। और फिर वह लिस्ट जिला समाज कल्याण अधिकारी को दे दी जाती है। ताकि वह उनको पैसा दे दे। कुछ अस्वच्छा कार्य करनेवाले जैसे चमड़ा रंगने वाले है, चमड़ा उतारने वाले है या भाौचालयों में काम करने वाले जिनके अभिभावक है उन छात्रों को भी हम छात्राावास में रहने के लिए 200/– स्नसे मासिक तथा तीसरी क्लास मं पढ़ने से लेकर 8वी क्लास तक पढ़ने वालो को 200/– रूपया, छात्रवृत्ति देते है। इसके इलावा 8वी के बाद 400/– रूपया

छात्रवृति देते है। लेकिन जो होस्टल में नही रह सकते है ओ घरों में रहते है उन बच्चों को छठी क्लास तक 25/– रूपये, 8वी तक 40/– रूपये ओर 8वी से 10वी तक 60/– रूपये प्रतिमास देते हैं इसके अतिरिक्त 500/– रूपये उनको अनुदान के रूप में भी दिया जाता है। जिससे वह अपनी अन्य जरूरतों को पूरा कर सकें। हम यह सहायता स्वैच्छिक संस्थानों में जो छात्र पढ़ते है। उनको भी देते है करतान देवी ने पूछा था कि आई0ए0एस0, आई0पी0एस0 व आई0एफ0एक0 आदि की प्रतियोगिताओं के लिए भी क्या पिछड़ी जातियों के छात्रों को भी कोई सहायता भी दी जाती है।

श्री अनिल कुमार विजः आन ए प्वायंट आफ आर्डर सर। अध्यक्ष महोदय, मै मानता हूं कि सरकार समाज सेवा के क्षेत्र में बहुत ही सराहनीय कार्य कर रही है। मैने जो प्र न उठाया था, उस बारे में मै यह कहना चाहता था कि तमाम योजनाओं को लोगों तक पहुंचाने के लिए, बताने के लिए जैसा कि आदरणीय बहन जी ने बताया सरकार काफी कम कर रही है मै केसवल इतना जानना चाहता हूं कि इसमें थोड़ी सी और एड़ी ान कर ली जाय ताकि यह आम आदमी तक जो जरूरतमंद लोग है उन तक योजनाएं पहंचु सकें। इन सभी लाभों को प्राप्त करने के लिए कौनसे फार्म भरजे जाने है, क्या क्या उनमं आव कताएं पूरी की जानी है उनकी भी जानकारी उनको दी जाए। इसलिए ये जो ऐसी योजनाए है जैसा अभ बताया कि ये सरकार कार्यालयां में दी जाती है। मै चाहता हूं कि इसके अतिरिक्त जो चुने हुए प्रतिनिध है।

जैसे पंच, सरपंच, पार्शद, विधायक या सांसद है उन तक भी ये योजनाएं पहुंचानी चाहिए क्योकि वही जनता और सरकार के बीच महत्वपूर्ण कड़ी है।

(इस समय कई सदस्य बोलने के लिए खड़े हुए और अध्यक्ष महोदय की आज्ञा के बिना बोलते रहे।)

सदस्यों के नाम लेना/सदस्यों का निलम्बन

श्री अध्यक्षः कैप्टन अजय सिंह मै आपको वार्न करता हूं कि आप बैठ जाए। (विध्न)

कैप्टन अजय सिंह यादवः स्पीकर साहब, हम बोलना चाहत है हमें भी टाईम दीजिए।

श्री रणदीप सिंह सुरेजेवालाः स्पीकर साहब, कृपया आप हमारी बात तो सुने। (विध्न)

(इस समय इंडियन नै ानल कांग्रेस पार्टी के कई सदस्य अपनी सीटों पर खड़े होकर बोलने लगे।)

Mr. Speaker: Again, I warn you Mr. Ajay Singh. Please take your seat.

(At this state Sh. Randeep Singh Surjewla continued speaking without the permission of the Chair.)

श्री रणदीप सिंह सुरजेवाला: स्पीकर साहब, हमें भी बोलने का हक है।

Mr. Speaker: I name Mr. Surjewala. He may please leave the House. (Mr. Surjewalal did not leave the House) Mr. Surjewala, I would request you, Please withdraw from the House. (Mr. Surjewala did not leave the House and continued speaking without the permission of the Chair)

I warn you, Mr. Surjewala please leave the House. I again warn you, I warn you, I warn you. (Interruptions)

Minister of state for Publice Relations (Sh. Attar Singh Saini): Sir, I beg to move—

That Sh. Randeep Singh Surjewala , M.L.A. be suspended from the service of the House for the remainder of the present session for his misconduct, most irresponsible behaviour, unbecoming of the member of the august House and his grossly disorderly conduct in the House.

Mr. Speaker: Motion moved—

That Sh. Randeep Singh Surjewala , M.L.A. be suspended from the service of the House for the remainder of the present session for his misconduct, most irresponsible behaviour, unbecoming of the member of the august House and his grossly disorderly conduct in the House.

Mr. Speaker: Question is—

That Sh. Randeep Singh Surjewala , M.L.A. be suspended from the service of the House for the remainder of

the present session for his misconduct, most irresponsible behaviour, unbecoming of the member of the august House and his grossly disorderly conduct in the House.

The motion was carried.

(At this state Sh. Randeep Singh Surjewala withdrew from the House.)

वाक आउट

(At this stae, all the members of the Indian National Congress Party except Sh. Biredner Singh, stage a walk-out as a protest against naming of Sh. Randeep Singh Surjewala and carrying the motion for his suspension.) (Interruptions).

(इस समय हरियाणा लोकदल (राश्ट्रीय) पार्टी के कई सदस्य अपनी सीटों पर खड़े होकर बोलने लगे)

Mr. Speaker: I warn you Mr. Samat Singh, please take you seat.

(At this state Sh. Sampat Singh continued speaking without the permission of the Chari.)

आवाजें: अगर आप हमें राज्यपाल के अभिभाशण पर बोलने नही देते है तो हम वाक आउट करते है। (इस समय हरियाणा लोकदल (राश्ट्रीय) पार्टी के श्री संपत सिह को छोड़कर, सभी उपस्थित सदस्य उनको समय न देने के विरोध में सदन से वाक आउट कर गए)

सदस्यों का नाम लेना/सदस्येां का निलम्बन

Mr. Speaker: Sampat Singhl Ji, you please take your seat. (Interruptions). Kindly take you seat, otherwise I will have to name you.

(At this state Sh. Sampat Singh continued speaking without the permission of the Chari and he did not resume his seat).

Mr. Speaker: Sampat Singh Ji, I name you. You kindly withdraw from the House. (At this state Sh. Sampat Sing continued speaking)

Minister of State for Publice Relations (Sh. Attar Singh Saini) Sir, I beg to move—

That Sh. Sampat Singh, M.L.A be suspended from the service of the House for the remainder of the present Session for his misconduct, most irresponsible behavior, unbecoming of the members of this august House and his grossly and disorderly conduct in the House.

Mr. Speaker: Motion moved—

That Sh. Sampat Singh, M.L.A be suspended from the service of the House for the remainder of the present Session for his misconduct, most irresponsible behavior, unbecoming of the members of this august House and his grossly and disorderly conduct in the House.

Mr. Speaker: Question is—

That Sh. Sampat Singh, M.L.A be suspended from the service of the House for the remainder of the present Session for his misconduct, most irresponsible behavior, unbecoming of the members of this august House and his grossly and disorderly conduct in the House.

The motion was carried.

Mr. Speaker: Now I request Sh. Sampat Singh Ji, to please withdraw from the House.

(At this state, Sh. Sampat Singh withdrew from the House.)

श्री बीरेन्द्र सिंहः अध्यक्ष महोदय, मै एक क्लैरिफिके ान चाहता हूं। मै आपसे यह बात जानना चाहता हूं कि हमारे विपक्ष के दो सदस्यों प्रो0 सम्पत सिंह और रणदीप सिंह सुरजेवाला को आपने नोम किया है। क्या उनकी नेमिंग केवल आज के लिए है या सारे सै ान के लिए उनको नेम किया गया है। उन्होने क्या किया और उनका कण्डक्ट क्या था? You are to assess the conduct of a particular member. Just by moving a motion from the Treasry Benches does not mean that there is misconduct on the part of member. House does not means brute majority.

Mr. Speaker: I had requested him to sit down again and again. I had given him wrning and then I named him.

Sh. Birender Singh: You have named him. That is why I am saying that he is out from the House for the rest of the day. It does not mean that he is suspended from the House

for the remainder of the Session. It shows the intention of the Government.

वाक आउट

श्री ओम प्रका ाः अध्यक्ष महोदय, आपके सामने एक बात उठाई गई है, क्या उनका व्यवहार मिंस कण्डक्ट का था या नही था यह देखना आपको अधिकारी है। आपने इस अधिकार का इस्तेमला जिस प्रकार से किया है क्या वह ठीक है? हम सभी लोग इस सदन के सम्मानित सदस्य है। गवर्नर महोदय के अभिभाशण पर बहस चल रही है। हैरानी की बात है कि श्री संपत सिंह उस वक्त सदन से जा चुके थे उसके बाद भी आपने उनको नेम कर दिया (विध्न) आप अपने अधिकार का मिसयू कर रहे है। (विध्न एवं भाोर) अध्यक्ष महोदय, आप किस प्रकार से कार्य कर रहे है। (विध्न एवं भाोर)

श्री अध्यक्षः जहां तक बोलने की बात है, श्री संपत सिह जी बो बोलने के लिए 84 मिनट का समय दिया गया है क्या उसक बाद भी कोई चीज रह जाती है। (विध्न एवं भाोर)

श्री ओम प्रका ा चौटालाः अध्यक्ष महोदय, उनको कहा बोलने दिया गया (विध्न एवं भाोर) वे चार लाईनो बोलते थे तो दस लाईने बची में उनको इन्टरबीन किया जा रहा था क्या यह कोई तरीका है। (विध्न एवं भाोर)

श्री ओम प्रका ा चौटाला: अगर कोई बात कहनाचाहते तो आप नेम कर देते है, क्या यह कोई डैमोक्रेटिक सिस्टम है, क्या यह कोई तरीका है (विध्न एवं भाोर) ओपोजी ान की बात को आप सुन ही नही रहे हैं यह हमारी बदकिस्मती है कि इस हाउस कमें आप इस चेयर पर है। (ाोर एवं व्यवधान) ये आपकी रूलिंग मांग रहे है। (विध्न) स्पीकर सर, आप हाउस के क्स्टोडियन है आप जिस पर चाहे कुल्हाडा चालएं जिस भी सदस्य को आप चाहे उसे ही नेम कर दें। आप आनते है है कि यह गवर्नमैंट माईनोरिटी में है। (विध्न एवं भाोर)

Mr. Speaker: Please don't interrupt. I am not concerned with that चौटाला साहब, मै आपसे रिक्वैस्ट करता हूं कि आप अपनी सीट पर बैठे। (विध्न एवं भाोर) I request Mr. Chautala to take his seat. (Interruptions). I warn you. Please take your seat.

श्री ओम प्रका ा चौटाला: अध्यक्ष महोदय, आप हमारी बात को सुनना ही नही चाहते है तो फिर हमारे याहां पर बैठने का क्या फायदा है। (विध्न एवं भाोर) इसके विरोध में मै सदन से वाक आउट करता हूं। (विध्न एवं भाोर)

(इस समय हरियाणा लोकदल (राश्ट्रीय) पार्टी के सदस्य, श्री ओम प्रका ा चोटाला सदन से वाक आउट कर गए)

सदस्यों का नाम लेना/सदस्यों को निलम्बर

श्री अध्यक्षः आप सब बैठ जाए। चौधरी वीरेन्द्र सिह जी यह हाउस का रिकार्ड है कि एक आदमी 84 मिनट बोल चुका हो और 64 मिनट बोल चुका हो तथा जब कोई दुसरा आदमी बोल रहा हो तो उसको बोलने का अधिकार ही न दे तो यह ठीक बात नही है। (ाोर एवं व्यवधान) आप सब बैठ जाए। (इस समय इंडियन नै ालन कांग्रेस ओर हरियाणा लोक दल राश्ट्रीय के सदन में उपस्थित सभी माननीय सदस्य सदन की वैल में आ गए ओर जोर जोर से नारे बाजी करने लगे।)

Mr. Speaker: Mr. Marja, I warn you. Please take your seat.

Sh. Ram Pal Majra: Mr. Speaker Sir, I want to say * *

Mr. Speaker: Mr. Majra, I again wrn you, (Interruption) I again warn you.

Sh. Ram Pal Majra: * * * *

Mr. Speaker: Nothing to be recorded I name Sh. Ram Pal Majra. He may pleas leave the House.

(Sh. Ram Pal Majra did not withdraw from the Hosue.)

Minister of state for Public Relations (Sh. Attar Singh Saini): Sir, I beg to move—

That Sh. Ram Pal Majra, M.L.A be suspended from the service of the House for the remainder of the present

Session for his misconduct, most irresponsible behavior, unbecoming of the members of this august House and his grossly and disorderly conduct in the House.

Mr. Speaker; Motion moved—

That Sh. Ram Pal Majra, M.L.A be suspended from the service of the House for the remainder of the present Session for his misconduct, most irresponsible behavior, unbecoming of the members of this august House and his grossly and disorderly conduct in the House.

Mr. Speaker: Question is—

That Sh. Ram Pal Majra, M.L.A be suspended from the service of the House for the remainder of the present Session for his misconduct, most irresponsible behavior, unbecoming of the members of this august House and his grossly and disorderly conduct in the House.

The motion was carried.

Mr. Speaker: Majra Ji, please leave the House.

(Sh. Ram Pal Majra, did not leave the House)

Mr. Speaker: Marshal, take him out of the House with the aid of the Watch and ward staff.

(At this stagte, the Sergeant at Arms took the Hon'ble members out of the House.)

Sh. Birender Singh: Mr. Speaker Sir, * * *

Mr. Speaker: Birender Singh Ji, please take your seat, I warn you, (Interruption). I request you to take your seat.

Sh. Birender Singh: * * * *

(At this state, Sh. Birender Singh San Sh. Virender Pal Ahlawat came to the well of the House and started arguing with tehe speaker.)

Mr. Speaker: Nothing to be recorded. I named Sh. Birender Singh. He mayplease leave the House.

I request you Mr. Birender Singh, please leave the house. I again warn you. (Interruptions). I warn you.

(Sh. Birender Singh did not leave the House and he continued speaking without the permission of the Chair) (Interrutption)

Minister of State for Publice Relations (Sh. Attar Singh Saini): Sir, I beg to move—

Minister of state for Public Relations (Sh. Attar Singh Saini): Sir, I beg to move—

That Sh. Birender Singh, M.L.A be suspended from the service of the House for the remainder of the present Session for his misconduct, most irresponsible behavior, unbecoming of the members of this august House and his grossly and disorderly conduct in the House.

Mr. Speaker; Motion moved—

That Sh. Birender Singh, M.L.A be suspended from the service of the House for the remainder of the present Session for his misconduct, most irresponsible behavior, unbecoming of the members of this august House and his grossly and disorderly conduct in the House.

Mr. Speaker: Question is—

That Sh. Birender Singh, M.L.A be suspended from the service of the House for the remainder of the present Session for his misconduct, most irresponsible behavior, unbecoming of the members of this august House and his grossly and disorderly conduct in the House.

The motion was carried.

Mr. Speaker: Birender Singh Ji, please leave the House.

(At this state Sh. Birender Singh withdrew from the House.)

Mr. Speaker: Ahlawat Ji, Please go to your seat.

(At this state Sh. Virender Pal Ahlawat was continuously speaking without the permission of the Chari in the well of the House.

Mr. Speaker: Sh. Virender Pal Ahlawat Ji, please taek your seat, otherwise I will have to name you.

(Sh. Virender Pal Ahlawat did not take his seat and was countinuously speaking without permission of the Chair.

Mr. Speaker: I name Sh. Virender Pal Ahlawat. He may please leave the House.

(At his state Sh. Virender Pal Ahlawat did not withdraw from the House and continuoursly speaking.)

Mr. Speaker: I have named you Mr. Ahlawat. Please leave the House. I again request yo to please leave the House. (Interrutption)

I warn you Mr. Ahlawat. I warn you, I warn you.

Minister of state for Public Relations (Sh. Attar Singh Saini): Sir, I beg to move—

That Sh. Virender Pal Ahlawat, M.L.A be suspended from the service of the House for the remainder of the present Session for his misconduct, most irresponsible behavior, unbecoming of the members of this august House and his grossly and disorderly conduct in the House.

Mr. Speaker; Motion moved—

That Sh. Virender Pal Ahlawat, M.L.A be suspended from the service of the House for the remainder of the present Session for his misconduct, most irresponsible behavior, unbecoming of the members of this august House and his grossly and disorderly conduct in the House.

Mr. Speaker: Question is—

That Sh. Virender Pal Ahlawat, M.L.A be suspended from the service of the House for the remainder of the present Session for his misconduct, most irresponsible behavior,

unbecoming of the members of this august House and his grossly and disorderly conduct in the House.

The motion was carried.

Mr. Speaker: Virender Pal Ahlawat ji, please leave the House.

(At this stage Sh. Virender Pal Ahlawat withdrew from the Hosue.)

बैठक का स्थगन

(There was turnmoil in the House and many members were speaking without the permission of the Speaker. Some of them even came to the well of the House.)

Mr. Speaker: Now, the House is adjourned for 15 minutes.

(The Sabha then adjorned at 16.50 hours and reassembled at 17.05 hours.

सदन से सदस्यों के निलम्बन के निर्णय पर पुनविचार के लिए अनुरोध

श्री अध्यक्षः अब बहन कमला वर्मा जी बोलेगी।

श्री खु र्शीद अहमदः स्पीकर साहब, मै कुछ कहना चाहता हूं। क्या मुझे बोलने की इजाजत है?

श्री अध्यक्षः ठीक है पहले खु र्शीद अहमद जी बोलेगे।

श्री खु ीिंदा अहमतः सर, अभी जो कुछ हाउस में हुआ है। कई दफा ऐसी बाते हो जाती है। लकिन वह बहुत दुर्भाग्रूपूण्र होगा कि विपक्ष टोटल बाहर रहे और हाउस चलता रहे। मै आपसे सही कहूकि जिनमैम्बर्ज को अपन `सस्पैड किया है उनको वापस बुला लिया जाए। गवर्नर ऐड्रस पर हुई चर्चा का जवाब भी आज आना है फिर बजट पे ा होना है इसके अलावासाल मं ओर कोई सै ान नही है। बजट सै ान से विपक्ष को दूर रखना इस आउस की मर्यादा के खिलाफ जाएगा ओर हाउस की मर्यादा के आप कस्टोडियनहै ओर इस तरह की बात में हम सभी भागीदार बनते है। और आप हम सभी से ज्यादा भागीदार है। इसलिए मेरी आपसे यह दर्खासत है कि उन सबकों वापस बुला लिया जाए। उनको हाउस की कार्यवाही में हिस्सा लेने दिया जाए। इस हाउस को चलाने की जिम्मेदारी आप पर ही रहेगी ओर जो नयी ट्रेडी ांज है जिनके हाउस ठीक तरह से चल सके, वह आपको कायम रखनी है जो कुछ हुआ है उसे भूलिए।

श्री कण सिंह दलालः अध्यक्ष महोदय, पिछली 28 तारीख से जब से यह सदन भुरू हुआ हैं आप बिना किसी भेदभाव के माननीय विपक्ष के सभी साथियों को बोलने का मौका देते है बल्कि मे। तो आपकी इस बात के लिए प्र ांसा करूंगा कि जो माननी सदस्य नही बोलना चाहते हैं उनको भी आप नाम लेकर बोलने के लिए कहते है।

श्री अध्यक्षः ये जो सदस्य यह कहते है कि हम बोलना चाहते है तो मै हाउस के रिकार्ड को आपके सामने रखता हूं जितना समय पिछले तीनसाल के दौरान बोलने के लिए मिला है उतना हमें पिछले पांच सालों में जब हम विपक्ष में बैठते थे, नही मिला था। चौधरी बंसी लाल जी को तो पर्सनल ऐक्सप्लेने ान देने का टाइम भी नही दिया था ओर आज से बात बोलने की कहते है। दूसरी बात मै यह कहना चाहता हूं कि चौधरी ओम प्रका ा चौटाला जी के पार्टी के सदस् है उनमें एक सदस्य 84 मिनट बोला है ओर कांग्रेस के चौधरी बीरेन्द्र सिंह 64 मिनट बोले है और मैने करतार देवी जी को भी कह दिया है कि अगर कोई सदस्य आपकी पार्टी का राज्यपाल महोदय के अभिभाशण पर चर्चा के दौरान बोलने से रह जात है। तो बजट पर चर्चा के दौरान चाहे राम के एक बजे तक कार्यवाही चलानी पडत्रे, सबकों बोलने का मौका जरूर मिलेगा। अगर आप चाहते है। कि आप ख़ुाद बोले ओर दूसरा कोई बोले उसे न सुनें तेा यह हाउस की मर्यादा के विपरीत है। ओरयह मै कभी नही होने दूंगा।

श्रीमती करतार देवीः अध्यक्ष महोदय, हर कोई सुनना चाहता है इसलिए मेरा फिर आपसे नम्र निवेदन है कि आप इस सस्पै ान को वापस लें। आज तो हमारे पार्टी के सदस्यों व श्री संपत सिह जी क ाऐसा कोई कसूर नही है कि आप उन्हें नेम कर दें। हम विपक्ष में है कुछ थोड़ा बहुत हो सकता हैं कि हम बिना परमी ान के भी बोलते हो लेकिन ऐसा नही है किसी ने

अनपार्लियामैंट्री बोला हो। तब तो सस्पैड करें लेकिन आप टाईम मांगने के लिए ही सस्पैड लग गये है यह तो लोकतांत्रिक मर्यादा का बिल्कुल उल्लंघ्न है। (विध्न)

श्री अध्यक्ष पहले दलाल साहब को बोलने दें।

श्री कर्ण सिंह दलालः स्पीकर सर, आपने सभी विपक्ष साथियों को बोलने के लिए कहा है ओर कई दफा तो यह देखने में अया कि जो सदस्य नही भी बोलना चाहते तब भी आपने उनको यह कहा कि बोलो। स्पीकर सर,पिछले अधिवे ान में इन विपक्ष के भाईयों की यही ि ाकायत रहती थी कि हमें बोलने नही दिया जाता। (विध्न)

श्रीमती करताद देवीः अध्यक्षम होदय, इस सदन में हरेक सछस को बोलने का अधिकार है।

श्री अध्यक्षः बहन जी, मैम्बर होने के नाते सभी सदस्यों को बोलने का अधिकार है लेकिन बहन जी यह होना चाहिए कि अपनी बात कहे तेा फिर दूसरे सदस्येां की बात भी सुननी चाहिए। Now you please take your seat. (Noise & Interruptions)

श्री कर्ण सिंह दलालः स्पीकर सर, मै इस सदन का पिछले साढ़े सात साल से सदस्य रहा हूं। और मैने प्रत्येक अधिवे ान की कार्यवाही में भाग लिया हैं जब क्वै चन आवर होत है तो आपकी यह कोि ा ा रहती है जिन माननीय सदस्यें ने अपने प्र न पूछे है उन भी का जवाब मिल जाए ताकि हरियाणा

की जनता को पता चले क हरियाणा सरकार किन किन विभागों में क्या–क्या कार्य करने जा रही है। लेकिन क्वै चर आवर में कभी चौधरी सम्पत सिंह खड़े हो जो है कभी दूसरे विपक्षी सदस्य खड़े हो जात`है लेकिन आपने फिर भी बरद ात कया हैं (विध्न) इसी तरह से कल हमारे आदरणीय राम बिलास भार्मा जी ने हमारे हिसाब से कोई ऐसी बात नही कही थी लेकिन फिरभी उन्होने हमारे विपक्ष भाईयों की भावनाओं की कदर करते हुए खेद प्रकट किया।

श्री धर्मबीर गाबाः अध्यक्ष महोदय, इस बात को दोहराने की जरूरत नही है। (विध्न)

श्री कर्ण सिंह दलालः स्पीकर सर, आपने मुझे बोलने का समय दिया है फिर ये बची में क्यो खड़ें हो रहे हे। (विध्न)

श्री जय सिंह राणाः अध्यक्ष महोदय, हमें समय कहां दिया गया है। (विध्न)

Mr. Speaker: Rana Sahib, this is not good. You please take the seat (Interruptions). मै आपको भी बोलने के लिए समय दूंगा। अब दलाल साब को बोलने दें।

मुख्य मंत्री (श्री बंसी लाल): अध्यक्ष महोदय, कर्ण सिंह दलाल जी बाद में बोल लेगे, पहले कमला वर्मा जी को बोलने दें। तीन दिन से ये विपक्ष सदस्य ही बोल रहे है। सत्ता पक्ष के सदस्य तो बोले ही नही है।

श्री अ ाोक कुमारः अध्यक्ष महोदय, तीन दिन से सदन की कार्यवाही बड़े ठीक ढंग से चल रही थी आज जिस तरह से चौधरी सम्पत सिंह को श्री श्री रणदीप सुरजेवाला जी को निकाला गया है यह एक गलत परम्परा है। एक सदस्य इस महान सदन से चला जाये ओर उसके बाद उस सदस्य को नोम किया जाए। (विध्न)

श्री बंसी लालः अध्यक्ष महोदय, आज सुबह से ही इन्होने यह फैसला किया है कि आज सी0 एम0 ने बोलना है और हमकों सी0 एम0 को रिप्लाई सुनना नही है। (ाोर एवं व्यवधान)

श्री अध्यक्षः गाबा साहब और रणा साहब आप अपनी अपनी सीटों पर बैठें।

श्री अ ाोक कुमारः अध्यक्ष महोदय, आज राज्यपाल महोदय के अभिभाशण पर मुख्य मंत्री महोदय ने अपने रिप्लाई देनी है ओर दूसरे सदस्यों ने भ बोलना है तथा बजट पे ा होना है। बजट परभी सभी सदस्य अपनी अपनी बातें कहते है अध्यक्ष महोदय, मेरी आपसे ओर लीडर ऑफ दि हाउस से प्रार्थना है कि जिन सदस्यों को सस्पैड किया गया है उनको वापिस बुला लिया जाए। अध्यक्ष महोदय, अभी मुख्य मंत्री साहब न `कहा कि हम विपक्ष के भाई उनकी बात नही सुनना चाहते ऐसी बात नही है। हम सब लोग उनकी बात सुननाचाहते है लेकिन मेरा आपसे फिर

से अनुरोध है कि अध्यक्ष महोदय, आपने जिन सदस्यों को सस्पैड किया है उनको हाउस में वापिस बुला लें। (विध्न)

सदस्यों का नाम लेना/सदस्यों का निलम्बन

श्री अध्यक्षः राणा साहब आप अपनी सीट पर बैठ जाए। (विध्न) मेरी आप सभी माननीय सदस्यों से प्रार्थना है कि आप सभी अपनी–अपनी सीट पर बैठ जाऐ वरना मै आपको नेम कर दूंगा। यह कोई तरीका नही हाता कि एक सदस्य तो 84 मिनट और 64 मिनट बोल ले और कोई दूसरा बोले तो भाोर मचा दें। (ाोर एवं व्यवधान)

(इस समय इंडियन नै ालन कांग्रेस और हरियाणा लोक दल राश्ट्रीय पार्टी के सभी उपस्थित माननीय सदस्य सदन की बैल में आ गए ओर जोर जोर से नारे बाजी करने लगे।)

Sh. Jai Singh Rana: Mr. Speaker, Sir, * * *

Sh. Satwinder Singh Rana: Sir, I want to submit * *

Mr. Speaker: Nothing to be recorded. (Interruptions) I warn you. Please take your seat.

(At this state sh. Jai Singh Rana and Satwinder Singh Rana. M.L.As. contiuned speaking without the permission of the Chair.)

Mr. Speaker: I name Sh. Jai singh Rana and Sh. Satwinder Singh Rana. They may please leave the House. (Interruptions)

(Sh. Jai Singh Rana and Sh. Satwinder Singh rAna did not leave the House and they continued speaking.)

Minister of state for Public Relations (Sh. Attar Singh Saini): Sir, I beg to move—

That Sh. Jai Singh Rana and Sh. Satwinder Singh Rana, M.L.As. be suspended from the service of the House for the remainder of the present Session for his misconduct, most irresponsible behavior, unbecoming of the members of this august House and his grossly and disorderly conduct in the House.

Mr. Speaker; Motion moved—

That Sh. Jai Singh Rana and Sh. Satwinder Singh Rana, M.L.As. be suspended from the service of the House for the remainder of the present Session for his misconduct, most irresponsible behavior, unbecoming of the members of this august House and his grossly and disorderly conduct in the House.

Mr. Speaker: Question is—

That Sh. Jai Singh Rana and Sh. Satwinder Singh Rana, M.L.As. be suspended from the service of the House for the remainder of the present Session for his misconduct, most irresponsible behavior, unbecoming of the members of this august House and his grossly and disorderly conduct in the House.

The motion was carried.

Mr. Speaker: Jai Singh Rana and Satwinder Singh Rana may please leave the House.

(These member did not leave the House.)

Mr. Speaker: If you do not go, then I will have to call the Marshal. (At this state Sh. Jai Singh Rana and Sh. Satwinder Singh Rana, M.L.As. did not withraw from the House and contiuned speaking without the permission of the Chair.)

Mr. Speake: Marshal, take them out of the House, withthe aid of the Watch and Ward statff, gracefully.

(At this state, the Sergeant-at-Arms tooke the Hon'ble Members out of the House.)

Sh. Krishan Lal: * * *

Sh. Ashok Kumar: * * *

Mr. Speaker: Nothing to be recorded. I warn you, Mr. Krishan Lal Please take your seat. I also warn you, Mr. Ashok Kumar.

(At this state Sh. Krishan Lala and Sh. Ashok Kumar. M.L.As. contiuned speaking iwthout the permission of the Chair.)

Mr. Speaker: I name Sh. Krishan Lal and Sh. Ashok Kumar. they may please leave the House.

(At this state, Sh. Krishan Lal and Sh. Ashok Kinar did not withdraw from the Hosue. and continued speaking without the permission of the Chair.)

Minister of state for Public Relations (Sh. Attar Singh Saini): Sir, I beg to move—

That Sh. Krishan Lal and Sh. Ashok Kumar, M.L.As. be suspended from the service of the House for the remainder of the present Session for his misconduct, most irresponsible behavior, unbecoming of the members of this august House and his grossly and disorderly conduct in the House.

Mr. Speaker; Motion moved—

That Sh. Krishan Lal and Sh. Ashok Kumar, M.L.As. be suspended from the service of the House for the remainder of the present Session for his misconduct, most irresponsible behavior, unbecoming of the members of this august House and his grossly and disorderly conduct in the House.

Mr. Speaker: Question is—

That Sh. Krishan Lal and Sh. Ashok Kumar, M.L.As. be suspended from the service of the House for the remainder of the present Session for his misconduct, most irresponsible behavior, unbecoming of the members of this august House and his grossly and disorderly conduct in the House.

The motion was carried.

Mr. Speaker: now, Sh. Krishan Lal and Sh. Ashok Kumar may please leave the Hosue.

(At this stage, Sh. Krishan Lala and Sh. Ashok Kumar, M.L.As. withdrew from the House.)

(There was grave disorder in the House as may members of the Opposition Benches were in eh well of the House and speaking loudly.)

बैठक की स्थगन

Mr. Speaker: I reuquest the leader of all the political parties in the House to see me my Chamber to discuss the matter.

Now, the House is adjourned for 15 minutes.

(The Sabha then adjourned at 17.27 hours and re-assembled at 17.42 hours.)

सदस्यों का नाम लेना

श्री अध्यक्षः अब बहन कमला वर्मा जी बोलेगी।

श्रीमती कमला वर्माः अध्यक्ष महोदय,.....

श्री बलवंत सिंहः अध्यक्ष महोदय, मेरी एक मिनट के लिए प्रार्थना सुनें। अध्यक्ष महोदय, आप इस हाउस के कस्टोडियनहै। हाउस की मर्यादा को कायम रखना आपका दायित्व बनता हैं इसलिए आप हमारी प्रार्थना सुनें।

श्री अध्यक्षः आपके जितने भी साथी प्रार्थना करने वाले है उन सभ्ज्ञी को एक साथ बुला लें।

श्री बलवंत सिंहः हमारी प्रार्थना यह है कि इस हाउस की जो मर्यादा है उसको कामय रखना आपका फर्ज बनता हैं

श्रीमती कमला वर्माः आप इनको (विपक्षी भाईयों को) हाउस की मर्यादा कब तक समझाते रहेगे?

(इस समय कई सदस्य बोलने के लिए खडे हो गए ओरहाउस में काफी भाोर होता रहा।)

श्री अध्यक्षः आप सभी बैठिए। अभी चैम्बर में जो हमारी ओर आपकी बातचीत हुई थी उसी के आधार पर मै कह रहा हूं कि आराम से बैठे ओर कोआपरेट करें। I shall be very thankful to you and I request you to kindly cooperate with me.

श्री बलवंत सिंहः स्पीकर साहब, इस हाउस की एक मर्यादा हैं आप इस हाउस के कस्टोडियन है। यह बजट अधिवे ान हैं यहां पर जो विधानसभा के मैम्बर है, जो चुनकर के सम्मनित स्दस्य आये है वे अपनी बात कहेगे सरकार को जो फायदे की बात नजर आये उसको माने अगर गलत हम कहें तो उसको न माने।

श्री अध्यक्षः आप लोग 10 घंटे 35 मिनट बोले और अपनी बात कह ली। अब औरों की भी तो सुने। और भी तो माननीय सदस्य है। वे तो इस हाउस के सदस्य हैं

श्री बलवंत सिंहः स्पीकर साहब, मै आपसे प्रार्थना कर रहा हूं कि आप हमारे माननीस सदस्यों को जो हाउस से निकाल गए है उनको वापस बुलाए। मै टाईम देने की बात नही कर रहा। बजट सै ान में ऐसा रवैया रहा तो फिर काम कैसे चलेगा। हमारे विपक्ष के सदस्य एक एक करके बाहर कर देगे तो यह ठीक नही होगा। मुख्य मंत्री जी रिप्लाई देगे। हम उनके रिप्लाई को ध्यान से सुनेगे। हमारे जो विधायक साथी हाउस में निकाले गए है उनको वापस बुलाए हम आराम से सुनेगे। यदि उनको वापस न बुलाया गया तो यह हरियाणा के इतिहास में लिखा जायेगा कि इस हाउस के अन्दर माननीय विपक्ष के नेता ओर अन्य कोई सदस्य सदन में मौजूद नही था। जब कोई विपक्ष का साथी ही मौजूद नही होगा तो फिर ये रिप्लाई किसको देगे। मेरी आपसे सबमि ान है कि उनकों आप वापस बुला लें। हमारी इस बारे में मुख्य मंत्री महोदय से भी प्रार्थना है हम भी चाहते है कि हाउस आराम से चलें। मुख्य मंत्री जी रिप्लाई देगे उसको हम सुनेगे। (ाोर)

श्रीमती कमला वर्माः अध्यक्ष महोदय, आप रिकार्ड मंगवा कर देख लीजिए इन्होने कभी मुख्य मंत्री जा का जवाब बैठ करसुना है। (विध्न) जब भी मुख्य मंत्री महोदय ने जवाब देना होता है ये लोग हाउस से निकले हुए हाते है, वाक आअट कर जाते हैं और इस बार भी इन्होने कोई बात सुननी है। (विध्न) अपनी सुनाकर, सुनने का साहस नही रखते।

श्री बलवंत सिंहः अध्यक्ष महोदय, हम सुनना चाहते है। मै आपसे बार बार प्रार्थना करता हूं कि जिन उन सदस्यों को यहां पर बुलाइये। (विध्न)

Mr. Speaker: I would request all the members to please take their seats.

श्री बलवन्त सिंहः अध्यक्ष महोदय, मेरी बात पर आप कुछ गौर करें। मुख्य मंत्री जी से तथा आपसे प्रार्थना करता हूं कि उन सम्मानित सदस्यों को वापिस बुलाए। (विध्न एवं भाोर)

श्री अध्यक्षः कैप्टन साहब, आप बताइये कि क्या कहना है?

कैप्टन अजय सिंह यादवः अध्यक्ष महोदय, मै यह कहना चाहता हूं कि हम लोग जो चुनकर आए है किसी की मेहरबानी से नही आए है ंहम लोग यहां पर हाउस में अपनी बात कहने के लिए ध्यानकर्शण प्रस्ता ल कर ओ है तो हमें भी बोलने का मौका नही मिलता है। इस अभिभाशण पर बोलने काएक मौका था लेकिन आप ने मुझे ओ रणदीप सिंह को बोलने के लिए समय नही दिया। हमने आपसे केवल एक बात कही थी कि हमें बोलने का मौका दीजिए। इस बात पर हमने कोई मिसकण्डक्ट नही किया। आप रिकार्ड निकलवा कर देख लीजिए हमने ऐसी कोई बात नही कही। अगर हमें यह भी अधिकार न हो कि हम ध्यानकर्शण प्रस्ताव पर अपनी बात कह सकें पब्लिक इन्ट्रस्ट की कोई बात कह सके तो फिर हमार ेयहं पर आने काक्या फायदा? (विध्न) अध्यक्ष होदय,

मेरी अर्ज यह है कि आप हाउस के कस्टोडियन हैऔर आपका यह फर्ज बनता है कि जो हम अपनी बात कहना चाहतो है हमें कहने दें, हमारे राईट्स को देखे तथा हम लोगों को बोलने का मौका दें। (विध्न)

श्री अध्यक्षः कप्तान साहब, आप ए मिनट के लिए बैठिए। (विध्न) कप्तान साहब, माफ करना हरियणा में एक कहावत है दारी सयाणी तो हुई लेकिन राण हो कर हुई (विध्न एवं भाोर)

कैप्टन अजय सिंह यादवः अध्यक्ष महोदय, आप इस प्रकार की बात कहे यह भाोभा नही देता है। (विध्न एवं भाोर)

श्री अध्यक्षः आप सभी लोग अपनी सीटों पर बैठें (विध्न) चौधरी खु ीिंदा अहमद जी, मुझे पता है जब कप्तान साहब यहां होते थे ताक हम लोगों को बलने नही देते थे आपकी पार्टी के सदस्यों ने जो समय लियाहै मै उसके बारें में बता देता। चौधरी वीरेन्द्र सिंह जी 64 मिनट बोले, क्या बोलनका हक केवल आपका ही है दूसरों को कोई हक नही है? और लोग भी चुनाव जीत कर आए है। (विध्न) राव नरेन्द्र सिंह जो खड़े है इनको टाईम दिया गया किसी ने इनको यह नही कि कि बैठ जाए। ये 16 मिनट मे अपनी बात कह कर बैठ जाएं (विध्न) करतार देवी जी ने 30 मिनट बोली, सतविन्द्र सिंह राणा जी 23 मिनट बोले, धर्मबीर गाबा जी 32 मिनट बोले, कुलदीप बि नोई 19 मिनट बोले और चौधरी

बीरेनद्र सिंह जी 64 मिनट बोले लेकिन फिर भ आप लोग कहते कि बोलने का टाईम नही दिया। (विध्न एवं भाोर)

मुख्य मंत्री (श्री बंसी लाल): अध्यक्ष महोदय, ये लोग हाउस को चलने नही देना चाहते है। ये क्या कतरे है यह भी मै क्लीयर कर देता हू। ये लोग समझते है ये तो चुन कर आए है और हम नोमिनेटिउ है। अपनी मस्सल पावन से यह समझते है कि they can hold us in ransom. But we are not going to be held in ransom. We well not allow them to do so. क्वै चन आवर में कभी वाक आउट नही होता लेनिक क्वै चन आवर में ीाी ये लोग वाट आउट करते है। ये लोग तेा आराम से बोले ओर हम कुछ भी न बोले और हमारा कोई आदमी अगर बाले तो ये लोग उसको बोलने न दें और बची में खड़े हो जाए। यह इन्होने तरीका बना लिया है। प्र न काल में हमने कभी भी वाक आउट नही देखा थ और इन्होने वाक आउट किया हैं अगर ये चाहे तो हाउस इनके तरीके से चले तो ऐसा नही हो सकता है। (ाोर एवं व्यवधान)

(इस समय बहुत से सदस्य खड़े हेाकर बोलने लगे)

श्री अध्यक्ष: आप सब बैठ जाए। मै सभी माननीय सदस्यों से प्रार्थना करता हूं कि सब बैठ जाएं ओर जिसको बोलने का समय दिया जाए वही बोले। मैने बहन कमला वर्मा जी को समय दिया है आप सब बैठ कर सुने। (ाौर एवं व्यवधान) राव साहब बैठ जाए। अब बहन कमला वर्मा जी बोलेंगी। जिसको बोलने का समय नही मिला है उसको बोलने का समय दिया

जाएगा। अब आप बैठकर सुनें। (ाोर एवं व्यवधान) मै आप सब से प्रार्थना करता हूं क जिसको अब बोलने का समय नही मिलेगा उसको वजट पर बोलने का समय मिल जाएगा। मैने कल रणदीप सिंह सुरजेवाला का नाम लिया था लेकिन वे सदन में नही थे। (ाोर एवं व्यवधान) मेरी आप सब से प्रार्थना है कि हासस को चलने दें। अगर आप इस तरह से करेगे तेा मुझ आप सबकों नेम करना पड़ेगा। (ाोर एवं व्यवधान)

(At htis state, Sh. Khurshid Ahmed contiuned Speaking without the permission of the Chair.)

Mr. Speaker: Khurshid Ahmed Ji, please take your seat.

Sh. Khurshid Ahmed: Mr. Speaker, Sir,.....

Mr. Speaker: I warn you. Please take your seat.

(At this stage, Sh. Khurshid Ahmed contiuned speaking without the permission of the Chair)

Mr. Speaker: I name Sh. Khurshid Ahmed. He may pelase leave the House.

(At this stage, Sh. Khurshid Ahmed withdrew from the House.)

(At this stage Sh. Ramesh Kumar Khatak contiuned speaking without the permission of the Chair.)

Mr. Speaker: Mr. Khatak please take your seat.

Sh. Ramesh Kumar: Mr. Speaker Sir,.....

Mr. Speaker: I warn you. Please take your seat. (Interruption)

(At this stage, Sh. Ramesh Kumar Khatak contiuned speaking without the permission of the Chair)

Mr. Speaker: I name Sh. Ramesh Kumar Khatak. He may please leave the House.

(At this stage, Sh. Ramesh Kumar Khatak withdrew from the Hosue.)

(At this stage, Sarvshir Ajay Singh, Dharmbir Gauba, Narender Singh Nafe Singh (Bahadurgarh), Dillu RAm and Balwant Singh contiuned speaking without the permission of the Chair.)

Mr. Speaker: All of your please take your seat otherwise, I will have to name you (Interrupttions).

(At this state these members contiuned speaking without the permission of the Chair)

Mr. Speaker: I name Sarvshri Ajay Singh, Dharambir Gauba, Narender Singh, Nafe Singh (Bahadurgrh). Dillu Ram and Balwant Singh Maina withdrew from the House.)

श्री भागी राम: अध्यक्ष महोदय, अगर हाउस में विपक्ष के सदस्य नही होगे तो विपक्ष का नेता नही होगा तो फिर हाउस

कैसे चलेगा? इसका मतलब तो आप जो चाहें वह कल लें। (ाोर एवं व्यवधान)

श्रीमती करतार देवीः अध्यक्ष महोदय, जो यह आप कर रहे है चाहे आप यह हंसी में कर रहे है या मजाक में कर रहे है। वह ठीक नही है हमें तो ऐसा लगता है कि आपने ऐसा करने ही करनाहै आपका फैसला लोहे की लकीर तो है नही कि इसको बदला ही नही जा सकता है। आपकी यह बात अच्छी नही है। (ाोर एवं व्यवधान)

श्री अध्यक्षः आप अपनी ही बात कहती रहती है लेकिन दूसरों की बात नहीसुनती। अगर आप दूसरों की बात न सुनें तो फिर मै क्या कर सकता हूं? आप अपनी सीट पर बैठें।

श्रीमती करतार देवीः मै तो रोजाना ही यहां पर बैठकर दूसरों की बातें सुनती हूं। लेकिन क्या यहां पर बैठकर ऐसे ही देखते रहें। जो कुछ आप कर रहे है क्या हम उसको ही देखते रहे? अगर आप हमारी बात नही सुनते तो हम चले जाते है।

Mr. Speaker: Please leave the Hosue. भाायद देवराज दीवान जी भी इनका साथ देना चाहते है। दीान साहब, आप बैठे।

श्री देवराज दीवानः अध्यक्ष महोदय, मै चाहता हूं कि आप अपना फैसला वापस लें।

श्री अध्यक्षः पहले आप अपनी सीट पर जाएं और फिर अपनी बात कहें।

श्री देवराज दीवानः अध्यक्ष महोदय, मै यह चाहता हूं कि आपने जो यह फैसला दिया है। इसको आप वापस ले ले क्योंकि उस समय उनहोने ऐसी कोई बात नही कही थी सुरजेवाल जी, वीरेन्द्र सिंह जी एवं सम्पत सिंह जी ने ऐसा कुछ नही कहा जिससे उनको फिर से यहां पर बुलाया नही जा सकता है। आपने तो उनकों नेम बाद में किया जबकि वह पहले ही चले गए थे। ऐसा तो कोर्ट में भी नही होता है। (ाोर एवं व्यवधान)

Mr. Speaker: Now, I name Mr. Diwna, I request him to kindly leave the House.

श्री देवराज दीवानः मै तो जा रहा हूं लेकिन आप अपना फैसला वापस ले लें।

(इस समय कई सदस्य अपनी सीट पर खड़े हो गए)

श्री अध्यक्षः जो सदस्य अपनी सीटों पर खड़े है कृपया करके बैठ जाए।

श्री भागी रामः अध्यक्ष महोदय, आपने सभी सदस्यों को बोलने का समय दिया इसमें कोई दो राय नही है।

Mr. Speaker: I name Mr. Bhagi Ram, Please leave the House. मेरी उन सभी माननीय सदस्यों से प्रार्थना है जो

अपनी सीटों पर खड़े है वे कृपया अपनी सीटों पर बैठ जाएं यो फिर वे हाउस छोड़कर चले जाए।

(At this stage, Sh. Bhagi Ram withdrew from the House.)

श्री सिरी कृश्ण हुड्डाः अध्यक्षम महोदय, हम यहां पर बैठना चाहते है और मुख्य मंत्री जी की रिप्लाई सुनना चाहे है। लेकिन आप विपक्ष के दूसरे सदस्यों को भी वापस बुला लें।

Mr. Speaker: I name Sh. Krishan Hooda withdrew from the House.

(At this state, Sh. Krishan Hooda withdrew from the House.)

श्री बंता सिंह बाल्मिकीः अध्यक्ष महोदय, मै कुछ कहना चाहता हूं।

Mr. Speaker: I name Sh. Banta Ram Ji, withdrew from the House.

(At this state, Sh. Banta Ram Ji, withdrew from the House.)

(At this stage, Sh. Ram Phal Kundu continued speaking with the permission of the Chair)

Mr. Speaker: I name Sh. Ram Phal Kundu ji, I also name you, You may please leave the house.

(At this state, Sh. Ram Phal Kundu withdrew from the House.)

(At this stage Sh. Nafe Singh Jundla continued seaking without the permission of the Chair.)

Mr. Speaker: I name Sh. Nafe Singh Jundla ji, I also name you, You may please leave the house.

(At this state, Sh. Nafe Singh Jundla withdrew from the House.)

(At this stage Sh. Ramji Lal continued seaking without the permission of the Chair.)

Mr. Speaker: I name Sh. Ramji Lal, You may please leave the house.

(At this state, Sh. Ramji Lal withdrew from the House.)

श्री बलबीर सिंहः अध्यक्ष होदय, आपको अधिकारी है मै तो हाउस के लीडर से व सम्मानित मंत्री जी से अर्ज करना चाहता हूं कि बजट भी पे ा होना है। अभी आप उनको वापस बुला ले तो अगर गड़बड़ करें तो फिर नेम कर देना। इस सै ान को बुलाने पर बहुत ज्यादा खर्च पड़ा है। और बहुत सारे कर्मचारी परे ाान हुए हैं

श्री अध्यक्षः बलबीर सिंह जी, इसका मतलब है कि आपने जाना है।

श्री बलबीर सिंहः अध्यक्ष महोदय, मै तो आपसे रिक्वैस्ट कर रहा हूं।

Mr. Speaker: I name Sh. Balbir Singh, He may please leave the Hosue. (At his stage Sh. Balbir Singh withdrew from the house.)

राज्यपाल के अभिभाश्ण पर चर्चा (पुनरारम्भ)

श्रीमती कमला वर्माः अध्यक्ष महोदय, ये लोग लोकतंत्र की दुहाई देते है लेकिन लोकतंत्र की भावना को नही सर्मझते है ताना ाही अपने आप करते है, बोल लेते है लेकिन सुनने की हिम्मत इनमें नही है। अध्यक्ष महोदय, मेरे सम्मानित साथियों ने कहा कि इन सारी योजनाओं का प्रचार अच्छी तरह से होना चाहिए ओर सरपंचां तक जाना चाहिए। हमने ये जो पोस्टर छपवास है ये आंगनवाड़ियों में देने है। आंगनवाडत्री उस गां में होती है जहांएक हजार की आबदी होती है हरियाणा प्रदे ा में 13 हजार से ऊपर आंगनवाड़ी है उन पोस्टर्ज से पंच और सरपंच सारी योजनाओं की जानकारी ले लेगे। मने ये दो वुकलेट्स भी छपावाई है। ओर ये सारे पोस्टर व बुकलेट हम सारे विधायकों को अव य पहुंचा देगे ताकि वह सारी जाकारी प्राप्त करके, हल्के के लेागों को लाभ पहुंचा सकें ओर इसके अलावा ये उस योजना को कार्यान्वित करवासकें। अब बहन करतान देवी जी बैठी नहीहै उनहोने बोलते हुए 2–3 ऐसी समस्याये रखी है अच्छा होता अगर वह स्वयं हाउस में बैठ कर सूनती, लेकिन फिरभी मै उनका

जवाबद दे देती है उन्होने एक बात कही कि जो विभिनन प्रतियोगी परीक्षाए होती हैउनमें जो अमली जामा पहनाया जाता है उनमें क्या पिछड़े वर्गो को भी कुछ सहायता दी जाती है मै इस बारे में कहना चाहती हूं कि इसके लिए चार हजार रूपये की आर्थिक सहायता पिछड़े वर्गो के प्रतियोगियेा को भी दो जती है ंपिछड़े वर्ग के विद्याथियों को कालेज स्पर पर पढ़ाई के लिए 50 रूपये से लेकर 200 रूपये तक की छात्रवृत्ति भी दी जाती है दूसरी बात बहन करतान देवी जी ने आरक्षण के बारे में कही कि क्या सरकार सेवाओं में पिछड़े वर्गो और अनुसूचित तियों के अउम्मीदवारों को पूरा आश्रक्षा दिया जाता हैं मै इस बादे में कहना चाहती हूं कि सरकार ने एक रोस।टर बनाय हुआ है उसके हिसाब से सभी पिछड़े वर्गो और अनुसूचित जातियों के उम्मीदवारों को नौकरी में आरक्षण दिया जाता हैं जो भी बैकलॉग होत है उसको भरने का प्रयाया किया जात है ंअब सरकार ने 30.06.1999 तक सभी विभागों को हिदायत दी हुई है। कि हर विभाग के अन्दर सर्वे कराया जाऐ ओर जो आरक्षण से संबंधित है रिक्तियों है उनको अव य भरने का प्रयास किया जाए। इसी प्रकार विभाग के विकलांगों के लिए रिक्तियां भरने की हिदायतें 31.03.99 तक दी गई परिणाम यह हुआ कि अभी मार्च महीना आया थी नही है लेकिन बहुत सी रिक्तियेां जो विकलांग उम्मीदवारों के लिए रिक्त थी वे भर गई है ओर जो बाकी रह गई है उनको भरने की हिदायतें 3.03.99 तक दी गई थी उनका परिणाम यह हुअय कि अभी मार्च महीना आया भी नही है लेकिन बहुत सी रिक्तियों तो

विकलांग उम्मीदवारों के लिए रिक्त थी मे भर गई है और जो बाकी रह गई है उनको भरने का सरकार प्रयास करेगी। बहन जी बैठी नही है मै उनको वि वास दिलाना चाहती थी कि हरियाणा विकास पार्टी और जनता पार्टी और भारतीय जनता पार्टी की सरकार जो आदरणीय मुख्य मंत्री चौधरी बंसी लाल जी के नेतृत्स में चलने वाली सरकार है, यह जो कहती है वही करती हे, यह सरकार झूठे वायदे नही करती। क्योंकि यह सरकार जितने भी अनुसूचित जाति के लड़के और लड़कियों है उनको हर प्रकार की आर्थिक सहायता देकर समानता का पूरा सम्मान देनाचाहती है। इसलिए उन्होने जो प्र न किया थ वह निराधार हो गया है। एक बात ओर बहन जी ने स्टे ानरी के बारे में कही थी उन्होने कहा कि स्टे ानरी के लिए 10 रूपये मिले है यह मै भी मानती हूं क स्टे ानरी के लि 10 रूपये कम है। मै ि ाक्षा विभाग से प्रार्थना करूंगी कि वह इस बात पर पुनविचार करके अगर इसको बढ़या जा सकात है तो हमें लिखकर भेजें हम उसको बढ़ाने का प्रयास करेगे। (इस समय उपाध्यक्ष महोदय पदासीन हुए) एक बात बन्ता राम जी ने कही कि मकान बनाने केलिए पांच हजार रूपये दिए जाते है जो कम हैं हमने वित्त विभाग को लिखा हुआ है, जब भी वित्त विभाग की स्वीकृति आ जाएगी तो हम इसको बढ़ाने का प्रयास करेगे। मुझे उम्मीद है कि इनके जो छोटे छोटे प्र न थे उनका मैने जवाद दे दिया है और मुझे आ ाा है कि ये इन योजनाओं को लोगों तक पहुंचाने में अव य प्रयास करेगे। धन्यवाद

सिंचाई राज्य मंत्री (श्री हर्श कुमार): उपाध्यक्ष महोदय, राज्यपाल महोदय ने जो अभिभाशण इस सदन मे ंपढा है और मेरी साथी श्री अनिल विज ने उसका धन्यवाद प्रस्ताव रखा है मै उसका समर्थन करने के लिए खड़ा हुआ हूं और उसके समर्थन में अपनी बात कहनाचाहूंगा। उपाध्यक्ष महोदय, हरियाणा एक कृशि प्रधान प्रदेा है। हरियाणा के किसान की खु ाहाली के लिए किसान की समस्याओं को हमारी सरकार बड़ी गम्भीरता से लेती है। उपाध्यक्ष महोदय, किसान के लिए पानी की बहुत आव यकता होती है क्योंकि उसको फसल की सिंचाई करनी होती हैं पानी कृशि का अंग होता है इसके बगैर फसल नश्ट हो जाती है। उपाध्यक्ष महोदय, मै सबसे पहले कैनाल के बारे में बताऊंगा क्योंकि यह मेरे क्षेत्र का मसला है आगरा कैनाल उत्तर प्रदे ा सरकाकर की नहर है। और इससे उत्तर पद्रे ा, राजस्थान तथा हरियाणा की भूमि सिंचित होती है। आज से पहले जो भी सरकारे रही उन्होने इस मसले को इतनी गंभीरता से नही लिया जितना कि चोधरी बंसी लाल जी की सरकार ने लिया है क्योंकि उन्हाने हमारे क्षेत्र के किसानों से इलैक ान से पहले वायदा किया था वे उनकी फसल के लिए पानी मुहैया करायेगे। उपाध्यक्ष होदय, चौधरी बंसी ला जी ने इलैक ान से पहले वायदा याकि था कि वे हरियाणा प्रदे ा में भाराब बंदी करेगे ओर उनकी सरकार बनते ही उन्होने सबसे पहले अपनी इसी वायदे को पूरा किया, उसी तरह से आगरा कैनाल का वायदा भी पूरा किया। उपाध्यक्ष महोदय, आगरा कैनाल के फरीदाबाद ओर गुडगांव जिले में 11 चैनल के

कट्रौल, मेंटीनैंस ओर रख रखाव का काम हमारी सरकार ने अपने अपने हाथ में लिया। ये 11 चैनल लगभग 380 कि0मी0 लम्बे है, इनसभी की गाद निकालने का काम पूरा किया है। चाहे कोई चैलन छोटा हो या बड़ा हो ओर वहां के किसानां को पानी दिया। इस कैनाल का काम पूरा करने से लगभग उस एरिया की एक लाख 47 हजार एकड़ भूमि सिंचित होती है। आज उस कैनाल की टेल तक पानी पहुंचा हुआ है। और किसान पूरी तरह से लाभान्वित हो रहे है। इसके अतिरिक्त उपाध्यक्ष महोदय, सन 1962 मैं हरियाणा प्रदे ा के पिछड़े क्षेत्र मेवात के लिए पानी मुहैया कराने के लिए गुडगांव कैनाल निकाली गई थी ओर उस समय इस नहर की पानी की क्षमता 2200 क्यूसिक रखी गई थीं उपाध्यक्ष महोदय, सन 1962 के बार उस नहर का किसी भी सरकार ने रा रखाव नही किया ओर वह नहर आधी से ज्यादा गाद से भर गई। फरीदाबाद का जितना भी दूशित पानी था वह उस नहर में गिरता था और उसी वाटर क्षमता 2200 क्यूसिक से घटकर 330 क्यूसिक ही रह गई। उपाध्यक्ष महोदय, चौधरी बंसी लाल जी ने इस नहर की तरफ भी अपनी दिलचस्पी दिखाई है ओर इस नहर की सफाई तथा मरम्मत का काम भाुरू करवा दिया है। जो उम्मीद मेवात के लोगों के लोगों ने चौधरी बंसी लाल जी से की थी उनकी वह उम्मीद अब जल्दी ही पूरी होने वाली है। उपाध्यक्ष महोदय, जमुना में पानी की कमी की वजह से इस नहर की वाटर क्षमता 2200 क्यूसिक से कम हो गई थी ओर इस नहर का पूरा पानी नही मिलता था पिछली सरकारों क?ने इस बारे में जो भी स्कीमें बनाई

थी उनकी सारी की सारी स्कीमें अधूरी ही रह गई लेकिन अब चौधरी बंसी लाल जी ने इस गुडगांव कैनाल को बनाने का बेड़ा उठा लिया है। आज लगभग 211 करोड़ रूपये की मेवात कैनाल की स्कीम को भी हरियाणा सरकार ने मंजूरी दी है जिसमें पलवल के पास धन्तरी एक ऐसी जगहे जहां पर यमुना के दोनों तरह हरियाण का इलाका है ओर वहां एक बहुत बड़ा बैराज बनाकर पानी को स्टोर किया जाऐगा और दूसीर फीडर वगैरा बनाकर वहां से लिफ्ट द्वारा पानी उठाकर गुडगांव कैनपाल से तीन लाख एकड के गरीब एरिया सिंचित होगा। जैसा क मैने ऊपर बताया है कि 211 करोड़ केलगभग हरियाणाा सरकार ने इस कैनाल के लिए मन्जूर किया हैं ओर इससे पहले बजट मं उसका प्रावधान रखा था। आज वह कैनाल सैन्ट्रल वाटर कमी ान के पास मन्जूरी के लिए भेजी हुई है ओर जैसे ही स्वीकृति मिल जायेगी तो हमारी सरकार गुडगाव, मेवात के इलाके और फरीदाबाद के कुछ इलाके की पानी की पूर्ति के लिए एंव किसानों की खु ाहाली के लिए मेवात कैनाल का काम पूरा करेगी। इसके अलावा उपाध्यक्ष महोदय, विपक्ष के साथी कई तरह की बातों को दुहाई देते देते रहते है लेकिन एक भी आंकडा वे तर्क के साथ प्रस्तुत नही करते है। आज तक दक्षिणी हरियाणा का जो अहीरवाला क्षेत्र है। और स्वय मुंख्य मंत्री जी वहां से है, उस क्षेत्र मं कई नेताओं ने जाकर अपने आपको वहां से जोड़ने की कोि ा ा की ओर उस इलाके से अपना संबंध बताने के लिए वहां जन्म दिन भी मनाये लेकिन किसी भी सरकार ने उस अहीरवाला क्षेत्र में खु ाहाली के लिए

कोई सिंचाई की नई योजना भ्रारू नही की थी। आज मै चौधरी बंसी लाल जी का धन्यवाद करता हूं क्यों मेरा इलाका भी उस दक्षिण हरियाणा से है। जिन्होने लगभग 50 करोड़ रूपये की ऐ मेवाल लिफ्ट स्कीम को मंजूरी दी है। और अहीरवाल के जो 100 गांवों की 79000 एकड़ भूमि इस मेवाल लिफ्ट से सिंचित होगी। उपाध्यक्ष होदय, वही एक मात्र दक्षिणी हरियाणा का ऐसा इलाका है जहां पानी का लैवल बहुत नीचे जा चुका है और पीने के पानी की वहां बहुत कमी है। इन इलाका के लिए ये नहरें मील का पतथर साहिबत होगी। इसके अलावा उपाध्यक्ष महोदय, हमारे विपक्ष के एकस ाथी श्री रामपाल माजरा ने कल पानी के बटवारे का एक मुद्दा ठाया था कि हरियाणा का जितना भी पानी है उसका 72 प्रति ात पानी आज की तारीख मे केवल भिवानी जिले केलिए जा रहा है। पता नही वे इस तरह के आंकड़े कहां से ले आते हे। उपाध्यक्ष महोदय, जनता इन माननीय सदस्येां को इस उम्मीद के साथ चुनकर भेजती है कि ये सदस्य सदन में बैठेंगे ओर उनके इलाकों की समस्यओं को गंभीरता से वहां उठायेगी ओर उनको दूर करवायंगे। लेकिन ये लोग इन कामों को करने की बजाय गलत ब्यान बाजी करने में ओर गलत आंकड़ों में ही उलझे रहते है। इसलिए बड़ा अफसोस होता हैं उपाध्यक्ष महोदय, उन्होने कहा कि 72 प्रति ात पानी आज भिवानी को जा सकता है? उपाध्यक्ष महोदय, हमारे आदरणीय मुख्य मंत्री जी सिंचाइ के मामले में डत्री गम्भीरता से और बड़ी तत्परता सेपरियोजनाओं को भ्रारू कराने में लगे हुए है। उनमे ंसभ बड़ी नहरे चाहे

डब्ल्यू0जे0सी0 हो चाहे सिरसा ब्रांच हो ओर चाहे सिवानी फीडर हो जितनी बडत्री नहरे है उनकी रिमोडलिंग और रीहैबलीटे ान काक काम हो रहा हैं ताकि किसानों को सिंचाई का पानी पूरा मिल सकें। यदि किसानों को नहरी पानी पूरी मात्रा में मिलेगा तो स्वाभाविक है कि किसान खु ाहाल होगा। इस हरियाणा प्रांत की तरक्की होगी। इसके अलावा उपाध्यक्ष महोदय, हमारे विरोधी पक्ष के सथी अगरसदन में होते तो उनसे मेरा कुछ अनुरोध भी होता और उनसे कुछ सलाह भी होती लेकिन वे हाउस में नही है यह बड़े अफसोस की बात हैं फिर मै एक बात जरूर कहना चाहूंगा कि आज की सरकार हरियाणा प्रदे की खु ाहाली के लिए बड़ी गम्भीरता से ओर बड़ी तत्परता से अपने कार्य मतें लगी हुई हैं जहां तक महामहीम राज्यपाल महोदय के अभिभाशण की बात है इसमें जितनी भी परियोजनाओं को द ार्या गया है उन पर आज की सरकार कार्य कर रही है। यह अभिभाशण महामहीम राज्यपाल महोदय ने बहुत आत्मवि वास के सथ्ज्ञ इस सदन में पढ़ा है जितन आत्मा वि वास के साथ महामहीम राज्यपाल महोदय ने अपने अभिभाशण में पढा है उतनी ही लगन ओर उतने ही मनोबल के सथ हमारी सरकार उन परियोजनाओं को पूरा करने के लिए वचनबद्ध है। उपाध्यक्ष महोदय, मै आपके माध्यम से एक बात नि चत तौर पर कहना चाहूंगा कि जो परियोजनाएं है या यह कह लीजिए कि इस बार को जो महामहीम राज्यपाल महोदय का अभिभाशण है यह हरियाणा प्रदे ा की खु ाहाली में, हरियाणा प्रदे ा की तरक्की में ओर हयिाणा प्रदे ा की व्यवस्था में मील

काएक पत्थर होगा। इतना कहते हुए मै दोबारा से महीमहीम राज्यपाल के अभिभााण पर पे ा हुए धन्यवादा प्रस्ताव का समर्थन करता हूं। ओर आपका धन्यवाद करता हूं कि आपने मुण्े बोलने का समय दिया।

बैठक का समय बढ़ाना

Mr. Deputy Speaker: It is the sense of the House that the time of the sitting be extended up to 7-30 P.M.?

Voices: Yes

Mr. Deputy Speaker: The time of the sitting is extended up to 7-30 P.M.

राज्यपाल के अभिभाशण पर चर्चा (पुनरारम्भ)

ि ाक्षा मंत्री (श्री राम बिलास भार्मा): उपाध्यक्ष महोदय, मुझे आज बड़ा दुख है कि हमारे विपक्ष के भाई सदन से चले गए। आज सरकार राज्य पाल महोदय के अभिभाशण पर पे ा हुए धन्यवाद प्रस्ताव पर हुई चर्चा का जवाब दे रही है। हमारे विपक्ष के भाई इस पर 84–84 और 64–64 मिनट बोले और उन्होने सारी बातें कही। हमने उनकी सारी बातों को बड़े आदर से सुना। डिप्टी स्पीकर साहब, कल भी आपने देखा होगा कि वे कोई बात नही कर सकें हमने सच्चाई को स्वीकार किया परन्तु फिर भी उन्होने हंगामा किय। डिप्टी स्पीकर साहब, आज किस तरह से माइक तोड़ा गया ओर वह माइक हामरे उद्योग मंत्री भाि ापाल

मेहता के सिर पर लगा ओर एक दूसरे विपक्ष के साथी ने दूसरा माइक खीचा। प्रजातंत्र में कई बार यह हो जात है। हम ही न्यायधी ा है ओर हम ही िले ओर हम जो बोले वही ब्रहम वाक्य हो परनतु डिप्टी स्पीकर साहब, यह प्रजातंत्र प्रणाली बहुत श्रेश्ट प्रणाली है। इसमं जनता अदालत होती हैं विपक्ष के भूमिका में होते हुए भी इस दे ा में केसी रिवायात कायम की गई है वह भी मै बताऊंगा। लेकिन यहां पर सच्चाई कहना भी गुना हो गया। एक विदे ाी को विदे ाी भी गुनाह हो गया है। जो बात संसद में कही जा चुकी है उसको दोहराना भी गुनाहा हो गया है। जिन लोगों ने विपक्ष की भूमिका पिछले 50 साल तक निभाई उन्होने इस दे ा के लिए ऐसी परम्परा कायम की है जिसका उदाहरण बहुत कम देखने को मिलता हैं जब अपनी दे ा की बात को जनेवा में क ामीर के मामले को ठीक तरह से रखा नही गया तब दे ा हार रहा था तो उसवक्त के प्रधान मंत्री ने आज के प्रधानमंत्री से कहा कि आप जनेवा में जाएं और इस क मीर के मामले में भारत का पक्ष रखे। आज के प्रधान मंत्री ने विपक्ष में थे, कहा कि चाहे मै विपक्ष मे हूं या पक्ष में हूं परन्तु दे ा के हित का मामला है इसलिए मै इस मामले के लिए जनेवा जाऊंगा और आज के प्रधानमंत्री जनेवा में क मीरका मामला जीत कर आये थे। विपक्ष के लोगों ने ऐस रवायात भी कायम ककिए है पंडित जवाहरलाल नेहरू इस दे ा के 18 साल तक प्रधानमंत्री रहे। जब वाजपेयी जी को बोलना होता था तो पंडित जी उनसे पूछते थे कि आपने कब बोलना है ताकि मै उस समय सदन में उपस्थित रह

सकूं। ऐसी परंपरा भी इस दे ा में कायम है। उपाध्यक्ष होदय, आज के हमारे सदन के नेता चौधरी बंसी लाल जी और हम जब उधर विपक्ष में बैठते थे तो बंसी लाल जी को पर्सनल एक्सप्ले ान पर भी बोलने का समय नही दिया जबकि विधान सभा में यक एक ऐसा प्रोविजन है कि प्रत्येक मैम्बर अपनी पर्सनल एक्सप्ले ान दे सकता है। उस वक्त ऐसा उदाहरिण भी किया गया जो मिलता नही क्योंकि पर्सन एक्सप्लेने ान दे सकता हैं उस वक्त ऐसा उदाहरण भी किया गया जो मिलता नही क्योंकि पर्सलन पर तो अवर मिलता ही है। It is mandatory. It is contitutional. उपाध्यक्ष महोदय, उस वक्त 3 दिन तक चौधरी बंसी लाल जी को जो पालियामेंट में भी रह चुके है और इस प्रदे ा के मुख्य मंत्री भी रह चुके थे, पर्सनल एक्सप्लेने ान पर बोलने का समय नही दिया। ये तीन दिन तक खड़े होते रहे है। उस वक्त कर्ण सिंह दलाल जी थे, आप थे ओर हम थे तो हमें बोने नही देते थे बार बार टोकते थे। डिप्टी स्पीकर साहब, कौन कैसी भूमिका निभायेगा इसका फैसला इस प्रदे ा की जनता जनार्दन जो 1 करोड़ 60 लाख है उसने फैसला करना है। ओर ऐसेा फैसला हमने हामरी सरकार बनाते वक्त किया भी। हमें इस बात का दुख है कि आज वे इससमय सदन मे ंनही है। जो बात उन्होने कही उनका जवाब वे सुनते और अपनी विपक्ष की जिम्मेवारी निभाते। इस दे ा की जनता खाली कु ती को पसंद नही करती बल्कि भाालीनता को भी पसंद करती है। इस दे ा की जनता जार्नादन ने इन लोगों को विपक्ष में बैठय अब उनके पास कोई मुद्दा नही है जिससे वे

सरकार की अलोचना कर सके।। उपाध्यक्ष महोदय, अब तै अपने विभग से संबंधित कुछ बातें कहूंगा। लेकिन मै आपेन विभाग की बात से पहले यह कहना चाहूंगा कि कल हमारी एक साथी ने कहा कि 2392 मैगावाट बिजली मिल रही है जबकि हमें 4000 मैगावाटा बिजली चाहिए। उपाध्यक्ष होदय, कल तक बोलने वालों में सम्पत सिंह जी, करताद वी, सतविन्द्र राणा, राव नरेन्द्र सिंह, अ ाोक कुमार, धर्मवरी गाबा, धीरपाल, कुलदीप सिंह, बीरेन्द्र सिंह, बलवंत सिंह मायना, बलबरी सिंह, कृश्णलाल, रामफल कुण्डू, चन्द्र भाटिया, रामपाल माजरा बन्ता राम, रिसाल सिंह, जयसिंह राणा व अन्य कुछ साथी बोले। चन्द्र भाटिया को छोडक्रकर सभी ने एक कोमन बात कही कि 24 घंटे बिजली मिलनी चाहिए सरकार 24 घंटे बिजली नही दे रही है। सभी ने एक कोमन बात यह कही कि बिलों पावर्टी लाईन से नीचे रहने वालों की तरह सरकार ध्यान नही दे रही। डिप्टी स्पीकर सर, मै इस महान सदन के सामने कहना चाहतां हूं कि अक्सर जो हम बोलते है वह एग्जॉस्ट नहीहोता, वह समाप्त नही होता और उसकस अस्तित्व ब्रहमाण्ड मे रहता है। उपाध्यक्ष महोदय, सबने इस बात को स्वीकार किया कि आज बिजली की आव यकता है। बिजली उद्योग के लिए महत्वपूर्ण हैं हरियाणा में कोई भी ऐसी चीज नही ह। जिसमें बिजली की आव यकता न पडे। उपाध्यक्ष महोदय, जिन्होने सुधरीकरण की अलोचना भी की उन्होन भी इस बात को माना कि 2392 मैगावाट बिजली की आज आव यकता है। और 836 मैगावाट बिजली उपलब्ध है। आज बिजली हर काम के लिए जरूरी

है। आज खेत में बजली की आव कयत है। प ाुओं का चारा काटने के लिए, आटा पीसने के लिए, दूध बिलौने के लिए, कपड़े धोने के लिए, पानी गर्म करने के लिए बिजली चाहिए। मेरे कहने का मतलब है कि आज ऐसी कोई गतिविधयों नही है जिसमें बिजली की आव यकता न पड़े। (विध्न) उपाध्यक्ष माहेदय, मेरे साथी ठीक फरमा रहे है कि अब तो नाई भाई भी जो राछा इस्तेमल करते है। वे भी बिजली से चलते है आज ठोडी बनाने के लिए भी बिजली का इस्तेमाल हो रहा है। सदन के सभी साथी मानते है। कि अधिक बिजली की आव यकता हैं उपाध्यक्ष महोदय, बी0जी0पी0 ओर एच0वी0पी0 की सरकार ने आते ही पहले दिन से इस बात को स्मझा है कि यदि हरियाणा प्रदे ा की तरक्की करनी हैं, यदि हरियाणा की खेती की तरक्की करनी है, यदि उद्योग बढ़ाने है और हरियाणा में बेरोजगारी का इलाज करना है, हरियाणा में यदि भाांति स्थापित करनी है तो बिजली का उत्पादन बढ़ाने की आव यकता है। ओर यह सबसे महत्वपूर्ण काम है जिसे सरकार ने अपने हाथ में लिय। इसके जो परिणाम है वह माननीय मुख्य मंत्री महोदय बताएंगे। डिप्टी स्पीकर सर, मेरे हाथ में यह पत्र है। जो कि मै इस महान सदन के सामने रखनाचाहता हूं। हरियाणा की सरकार इतने वर्शो से चल रही है लेकिन किसी भी प्रधान मंत्री ने किसी भी प्रौजैक्ट की प्र ांसा नही कही हैं मेरे हाथ में सचिव, भारत सरकार का त्र है जिसको मै यहां उद्धुत करना चाहता हूं यह पत्र इस प्रकार है—

"The Prime Minister had expressed satishfactio in regard tothe performance of the Theermal Plants in particulare and the overall performance of the sector in general. He had desired that we should onvery his appreciaton ot the workers and the officers in the power plants which has performed well during the first six months of the year"

उपाध्यक्ष महोदय, यह प्रधान मंत्री जी की भावनाओं को कन्वे करत हुआ पत्र है जो कि भारत सरकार ने सचिव ने लिखा है। डिप्टी स्पीकर सर, आज हरियाणा प्रदे ा का हर आदमी यह महसूस करने लगा है। कि हमने जिस काम को अपने हाथ में लिया है इसे पूरा करने जा रहे हैं पावन जैनरे ान कोई छोआ काम नही हैं बिजली के उत्पादन के लिए कोई भी डैम बनाए, कोई भी प्लाट या प्रोजैक्ट लगाए तो उसके लिए डेढ़ या दो साल से पहले इतना इन्फ्रास्ट्रक्चर तैयार नही हो सकता। हमारे इन दूसरे भाईयों ने भूगर मिल से जुडे किसानों को भड़काया, भुगर मिल के लोगों को भड़काया, हमारे गरीब सफाई कर्मचारियों को भड़काय और बिजली बोर्ड के कर्मचारियें को भड़काया लेकिन इन सब बातों को बावजूद आज हरियाणा पहले से ज्यादा बिजली उपलब्ध हैं ये लोग किसान के हितों की बात करते है। उपाध्यक्ष होदय, मै उस इलाके को रिप्रैजेंट करता हूं जहां पर केवल एक फसल होती थी ओर आज के दिन सरसों की फसल में फली आती है ओर गेहूं कि बाली का उत्पादन दुगना बढ़ गया है, आज किसान को वहा पर बिजली मिल रही है जब कि हम लोग कभी बिजली के लिए आंदोलन किया करते थे। आज पूर हरियाणा में

रहात महसूस की जा रही हैं गांव का किसान, भाहर का व्यापारी इस बात को मानता है कि बिजली काउत्पादन बढ़ा है ओर बिजली की सप्लाई मं सुधार हुआ हैं उपाध्यक्ष होदय, जून, 1999 तक 24 घण्टे बिजली देने का अपना वायदा यह सरकार पूरा करेगी। चौधरी बीरेन्द्र सिंह जी भी मंत्री रहे है ओर चौधरी सम्पत सिंह जी भी बिजली की सप्लाई में सुधार हुआ है तो हर्श कुमार जी ने उनको बताया कि डब्ल्यू0आर0पी0 को कोई पैसा खर्च ही नही किया है।

डिप्टी स्पीकर साहब, ि ाक्षा के सम्बन्ध में कुछ साथियों ने बहुत अच्छे सुझाव दिए। राम पाल माजना ने कहा कि स्कूलों की वार्शिक इन्सपैक ान होनी चाहिए। हम इस वर्श की जगह तीन महीने में जिला स्तर पर सुधार कर रहे है, नैतिक ि ाक्षा के लिए हमारा पूरा विभाग लगा हुआ है। उपाध्यक्ष महोदय, अध्यापकों को पूरा सम्मान मिलना चाहिए। भारत के संस्कारों की अपी पद्धति है, संस्कारों की अपनी प्रक्रिया है, भारत जीवन का एक द र्ान है, भारत की अपनी ही उठने बैठने की भौली है, जीने मरने की अपनी ही भौली है और पूरी दिुनयिा ने इस भौली को स्वीकार किय है। आज तक जितने भी चिन्तक हुए है जिन्होने जीवन के सम्बन्ध में चिन्तन किया है, मनन किया उन सबने यह कहा है कि पहली भाताब्दी में यांग ाान ने कहा, इतसिंग ने कहा। पूरी दुनिया का चिन्तन ाील, मनन ाील आदमी इस धरती पर कभी नालंदा में कभी तक्षि ाला में आया और सब ने माना कि भारत

की कुछ बातें ऐी है जिनका दुनिया में कोई मुकाबला नही है। उपाध्यक्ष महोदय, उसके हिसा ब से ही हमारी ि ाक्षा पद्धति है। हमारे संस्करों में नैतिकता आई, जीवन मूल्या इसमें आए। हम समय–समय पर अनेक संस्थाओं से, उनके महापुरू ाों के साथ अपने विभाग को लेकर मंत्रणा करते रहे। उपाध्यक्ष महोदय, बात आकडै से होती है। हमने जब 1996 में इस सरकार में टेक ओवर किया तो हरियाणा में 1995 के सीनियर सकैन्डरी के परीक्षा परिणाम 14.54 परसैंट थे और 1996 में 31 परसैंट परिणाम थे। इस बारे में इन अढ़ाई वर्शो के परिश्रम से ि ाक्षा विभाग के अध्यापका भाई बहनों के परिश्रम से, हम सब के सूपरविजन से और मुख्यमंत्री जी के मार्गद ार्न से ये परीक्षा परिणाम इस बात 54.12 परसैंट आए हैं उपाध्यक्ष महोदय, आप तो श्रेश्ठ अध्यापका रहे है और अपने प्रदे ा से भी औ दे ा`स भी पुरस्कार पाए हैं आप तो जानते है कि परीक्षा परिणाम में इतनी बढ़ौतरी अढ़ाई वर्शो में 14 परसैंट से 54 परसैट सीनिय सकैडरी का परिणाम में इतनी बढ़ौतरी अढ़ाई वर्शो के समय में कैसे हुई? जब छठी कक्षा को पढ़ाते है तब जाकर उनके परिणाम नौवी दसवी में दिखते है इस अढ़ाई वर्शो में 14 परसैंट से 54 परसैंट सीनियर सकैडरी का परिणाम बढ़ा हैं उपाध्यक्ष होदय, मैट्रिक का 1995 में परिणाम 23. 88 प्रति ात था, 1996 में आठवी के परिणाम 29.3 परसैंट थे, 1996 में 44.18 परसैंट थे और इस बार 54.51 परसैंट परिणाम आए हैं उपाध्यक्ष महोदय, सात जिलों में प्राथमिक ि ाक्षा योजनाचल रही है। इस बारें में वर्ल्ड बैंक की टीम यहां पर आई।

उन्होने 27 अक्तूबर से 31 अक्तूबर 1998 क यहां पर दौरा किया। वर्ल्ड बैंक की टीप में वा ि ाग्टन की मैडम सीमीलंदा मैनटेनज़ैस भी और श्री लाल कृश्ण अडमानी जी भारत को रिप्रजैंट कर रहे थे इन्होने नांगल चौधरी, नगीनाऔर गुडगांवा के खण्डों को दौरा कया और एक एक प्राथमिक विद्यालय में एग। उसके बाद जो इन्होने रिपोर्ट दी वह यह है कि जिस तरह से हरियाणा में यह योजना कामयाब है वैसी कही पर नही हैं प्राथमिक बच्चों को पढ़ाने वाले अध्यापकों को प्र ि ाक्षण बहुत अछा है हरिजन बच्चें का, अनुसूचित जाति के बच्चों को पढ़ाने वाले अध्यापकों को प्र ि ाक्षण बहुत अच्छा है। हरजन बच्चों का, अनुसूचित जाति के बच्चों और घुमन्तु परिवारों के बच्चों की हाजिरी बढ़ी है, वह 38 प्रति ात बढ़ी है। यह हाजिरी हरियाणा के राजकीय विद्यालयों में बढ़ी हैं उपाध्यक्ष महोदय, अ ाोक ने जी ने कहा है कि कुछ प्राईवेट स्कूलों के बारे में हमें ि ाकायतें मिली है। पिछले 50 वर्शो में ि ाक्षा एक बहुत बड़ा व्यापार भी हो गया हैं पिछली सरकारों के कारण ि ाक्षा के बारे में लोगों में ए गलत फहमी बैठ गयी थी कि जो बड़े बडऋे स्कूलों में ज्यादा पैसा खर्च करके पढ़ेगा वही अच्छी ि ज्ञक्षा पा सकता हैं पन्तु मै इस सदन में निवेदन करना चाहता हूं कि जब भीा भारत मे ंकोई सर्वश्रेश्ठ रहा है। तो वह गरीब घर का बच्चा जो सरकारी विद्यालय में पढ़ता थ, ही रहा है चाहे वह नोबेल पुरस्कार विजेता अमृतत्यासेन हो, चाहे वह कल्पना चावला हो या कोई दुसरा हो। ये सभी आम परिवारों के बच्चे रहे हैं डिप्टी स्पीकर सर, मेने भु के दिन ही आवीयूएरी

रैफरैसिज के संदर्भ में अतुल कटारिया जो गुडगांव का रहने वाला था, का नाम लिया था वह एक बहादुर जवान था। इन जैसे लोगों ने ही स्वतंत्रता संग्राम की लड़ाई लडत्री। इन सभी लोगों ने भारत में ही ि ाक्षा गृहण की और पूरी दुनिया में भारत का नाम ऊंचा किया है। इसी तरह से लोकायुक्त की नियुक्ति के बारे में कहा गया है। भारत सरकार के बारे में भी इन मित्रों को बड़ी तकलीफ हो रही है। सर, भारत के पूर्व राश्ट्रपति ने प्रधानमंत्री जी को एक पत्र लिखकर कहा कि आपने जो 15 मई, 1998 को परमाणु विस्फोट किया उससे पूरी दुनिया में हिन्दुस्तान का नाम ऊंचा हो गया। आपका यह काम हिन्दुसतान के इतिहास में स्वर्ण अक्षरों में लिखा जाएगा। जो काम कोई भी नही कर सकता था उसके आपने कर दिया। भारत का नाम अपने इज्जत केसाथ जोड़ दिय, सम्मान के साथ जोड़ दिया। हिन्दुस्तान की मिट्टी से जुडे हुए जो लोग विदे ाों मैं रहते है। उन्होने भी ि ाकागों में प्रधानमंत्री जी से कहा कि आर्थिक पाबंदियों से मत घबराना। उन्होने कहा कि पहले भारत का नाम कही पर भी नही आता था लेकिन आपने जो यह काम किया हैं उससे भारत का नाम रोजाना टी0वी0 पर आने लगा है। They used to say, what India, which. Now they say, that India. डिप्टी स्पीकर सर, जब केन्द्र सरकार ने आर्थिक पाबंदियों का मुकाबला करने केलिए रिसजैन्ट बॉट जारी किए तो विदे ाों में रहने वाले लोगों ने साढ़े सत्तर हजार करोड़ रूपये के ये बॉड भरे और वह भी 14 दिन के अंदर के टाईम में। परन्तु कुछ लोग उसकसे भी राजनैतिक मुद्दा बनाना चाहते है जो ठीक

नही हैं इसके अलावा भारत सरकार ने जब डीजल के ऊपर एक रूपयो कम किया तो उसमें भी ये कहने लगे कि इसका तो रेट पूरी दुनयां मे ही कम हुआ है। मै इस बारे में किसी का नाम नही लेना चाहता लेकिन हर तबके के लोगों ने चाहे वह खेत में हाली पाली हो या चाहे वह कोई ओर हो, सबने हिन्दुस्तान के प्रधानमंत्री जी को बधाई दी हैं परमाणु विस्फोट के बाद हिन्दुस्तान की सरहद पर खड़े सेनाओं के जवानों में एक अलग ही आत्मवि वास आया हैं अब वह पहले फटे थे। अब वह इसलिए नही दिखाई देते क्यों अब भारत की चौकसी बहुत ही मजबूत हाथों में आयी है लेकिन उसक बावजूद भी हमारे उधर के मित्रों को तकलीफ हो रही हैं डिप्टी स्पीकर सर, इसके अलावा ये हरियाणा में अपराध की भी चर्चा करते है। यह बात ठीक है कि पिछले 50 वर्शो में दे ा में विदे ाी हवाएं चली ओर कुछ बीमारियों विदे ा से हिन्दुस्तान में आयी। इसके अलावा विदे ाी से पर्यावरण खराब करने वालाी काग्रेस घास भी विदे ा से ही आयी। इसी वजह से लोगों में ऐसी मानसिकता आयी कि वे अपराध करने लगे। इन्होने बहादुरगुढ में बेबी किलर कांड की भी चर्चा की। सर, इका कांड का हत्यारा इतने सालों से एसे ही घूम रहा था लेकिन हमारे चौधरी बंसीलाल जी के नेतृत्व वाली सरकार ने उसकस पकड़ा।ह मारी पुलिए ने उसको पकड़ा। इसी तरह से झज्जर ओर बहादुरगढ में जिन 6 लोगों की मौत हुई उनके बारे में मै कहना चाहूंगा कि उनके हत्यारों को चहे हमने हिमाचल मं जाकर पकड़ा लेकिन उनको गिरफ्तार जरूर किया। बहादुर पैट्रोल

पम्प पर जो घटना हुई उनकी भी हमारी पुलिए ने सही सलामत बिना किस हादसे के उनके घर पहुचाया। इसके अलावा गाबा साहिब जिस गुडगांव के डाकखाने की डकैती की बात कररहे थे उसके दोशियों को भी हमारी पुलिए ने गिरफ्तर किय ाहैं ये बातें उन लोगों द्वारा कही गयी है जिनके अपने राज में लोगों की इज्जत सुरक्षित नही थी। रेणुका जो रेलवे कर्मचारी की लड़की थी उसके साथ क्या किया बच्चियों की इज्जत सुरक्षित नही थी। लेकिन उसकी ला ाा बोरी में भरकर जमीन में दबा दी गयी। वह सरकार उसके हत्यारों का पता नही लगासकी थी। उपाध्यक्ष महोदय, द्रोपदी कांड करनाल में हुआ, सु ाीला कांड हिसार में, रेणुका कांड यमुना नगर में, कुसुम और बिमलाकांड भुतमजारा में हुआ। उपाध्यक्ष महोदय, यह जरूर है कि आज कुछ अपराध की घटनाएं हुई है लेकिन आज हरियाणा की पुलिस से आदमी वच के नही जा पारहा है। ये जो कुछ थोड़े बहुत अपराध हो रहे है। वह पा चात्स प्रभाव के कारण से हैं राजनीति में से प्याज के दम पर राजी हो रहे है कल मैने ईस्ट इंडिया कम्पनी का जिकर कर दिया। अब हिन्दुस्तान का जनमानस चेतनायुक्त है गुलामी को कई पीढ़ियों ने भुगता है। Again, I say अब उस तरह के हालात दे ा में की नही होगें कोई कुछ भी बात करें लेकिन राजनीति तप है, भोग नही हैं राजनीति पराक्रम है, राजनीति तप है, राजनीति धर्म है और हरियाणा का एक करोड़ साठ लाख जनार्दन अब ऐसा नही है कि जिसकों कुछ सूझता नही हो। अपनी इस सक्षिप्त सी बात के साथ महामहिम राज्यपाल महोदय ने जो अभिभाशण दिया है, मै

उसके समर्थन में खड़ा हूं अब मै अपनी वाणी को विराम देता हूं। आपका धन्यवाद।

श्री उपाध्यक्षः अब मुख्य मंत्री जी जवाब देगे।

मुख्य मंत्री (श्री बंसी लाल): उपाध्यक्ष महोदय, बड़ा अफसोस है कि हमारे जो विरोधी भाई है वे अपनी सब बातें तीन दिन में कह गए, जो नही कहना चाहते थे वह भी कह गए लेकिन जब से ये सरकार बनी है ये सदन बनी है उस समय से इन्होने एक ववैया अपनाया हुआ है कि जवाब नही सुनना क्यों जवाब सुनने की भाक्ति नही है अगर कोई बात कहते है तेा उसका जवाब भी सुननाचाहिए आपने देखा आज सुबह से जो लोगक्वे ाचन ऑवर में हर मिनिस्टर को टोकना, सुबेरे चौधरी जगन नाथ जवाब दे रह `थ, तब इनका `टोक रहे थे और क्वे ाचन ऑवर में भी वाकाउट कर गए। क्वे ाचन ऑवर में प्वायंट ऑफ आर्डर रेज कर रहे थे जो होता नही है। अच्छाहोता कि वे जवाब सुनते। सबसे पहले मै पॉवर अके बारे में बता कहना चाहूंगा। हमारे विरोधी ाइयों को सबसे बड़ी तकलीफ पावर की है। क्योंक आनेवाली 30 जून तक हम पूरे हरियाणा को 24 घण्टे बिजली देगे। (इस समय मेजे थपथपाई गई) उनको तकलीफ यह है यह चौधरी सम्पत सिज जी पूछे रह `थे ओर कह रहे थे कि चार हजार मेगावाट बिजली हो। हमने दो–एक दाफस सितम्बर में ओर एक दफा नवम्बर में 24 घण्टे बिजली सप्लाई करके देखी ओर उस बिजली की सप्लाई करने में हमकों जो कमी महसूस हुई

उसके बारदे में नवम्बरमहीने मेंहमने तीन दिन तक लगातरर पूरे स्टेट को 24 घण्टे बिजली देकर एक एक्सपैरीमैंट किया। 25.11. 1998 को 11 लाख यूनिट बिजली की कमी रही 26.11.98 को 34 लाख यूनिट बिजली की कमी रही और 27.11.1998 को 32 लाख यूनिट बिजली कम कमी रही जो हमें बाहर से लानी पड़ी। अब हम जो 30 जून तक 24 घण्टे पॉवर देगे उस वक्त तक हमारे पास 143–143 मैगावाट के एन0टी0पी0सी0 फरीदाबाद की दो यूनिट की बिजली मिलने लग जायेगी जिसनमें से एक यूनिट तो 31 मार्च या 15 अप्रैल क तथा दूसरा यूनिट 30 जून तक से पहले तैयार हो जायेगे। इस तरह से हमकों कुल बिजली 58 लाख यूनिट मिल जायेगीजबकि कभी 323440 या 45 लाख यूनिट बिजली मिलेगी, बाकी 7 लाख यूनिट बिजली हिमाचल से ज्यादा आ जायेगी और दस लाख यूनिट बिजली हम पंजाब से खरीदेगे। इस प्रकार उस वक्त तक 89 लख यूनिट बिजली ज्यादा होगी। (इस समय अध्यक्ष महोदय, पदासीन हुए) अतः हम 24 घण्टे बिजली देने की अहमियत में है और आराम से देगे। इन विपक्ष वालों को पता नही क्या तकलीफ होती हैं एक बार विपक्ष के 3–4 एम0एल0ए0 किसी ओर काम से मेरे पास आये। वयह दो–तीन–महीने पहले की बात है, मैने चाय मंगवा ली, चाय पीते पीते कहने लगे कि चौधरी साहब आप एक साल के अन्दर 24 घण्टे बिजली कैसे देगे। मैनें कहा कि एक साल तो ज्यादा हम तो उससे पहले दे देगे। तक उनहोने मेरे से कहा कि हम गांव में जाकर क्य कहेगे। अध्यक्ष होदय, जब मैने उनसे कहा कि भाग करें दिन अच्छे रहे तो ढाई साल के बाद आप

लोगों को गांव में जोने के लायक ही नही छोडूंगा। बात यह है कि जब से हरियाणा बना उस वक्त से लेकर या पंजाब के वक्त तक या बाद में मैने जो बिजली के प्लांट लगाये चाहे चौधरी भजन लाल जी ने लगाये, चहो चौधरी देवी लाल जी ने लगाये, उनहोने तो क्या लगाये हमारे किये हुए ही आगे बढ़ाये होगे हम उस बिजली में 1212 मौगावाट बिजली ओर भाामिल करने वाले है। यह हम किस तहर करेगे। जब पानीपत थर्मल प्ला।ट की छठी इकाई बन जायेगी तो इससे हमें 210 मैगावाट बिजली मिलेगी। इसी तरह हमं फरीदाबाद में 432 मैगावाट के तीन प्लांट जो 143, 143 और 146 मैगावाट के है इनमें से तीसरा प्लांट 146 मैगावाट का ज्यादा से ज्यादा अगली फरवीर या मार्च तक तैयार हो जायेगा और उससे भी बिजली मिलनी ाुरू हो जायेगी। इसके अलावावहां पर एक लिक्विड बेसड प्लांट है। उससे भी हमें 300 मैगावाट बिजली मिलेगी। पानीपत थर्मल प्लांट में जो चार 110—110 मैगावाट की यूनिट है उनको हम रिफानिसिंग करवा रहे है इससे भी हमें 270 मैगावाट बिजली मिलेगी। इस सब को टोटल 1212 मैगावाट बनता है, यह हमें अतिरिक्त बिजली मिलेगी। लेकिन ये सब बातें विपक्षी भाईयों को हज्म नही हो रही है यमुनानगर में 500 मैगावाट के प्लांट के लिए भी टैण्डर इन्वाईज किए जा चुके हैं अध्यक्ष होदय, भाोर्ट लिसट हो गये है अब आगे टैंडर मांगने वाले है, भाायद मांग भी लिए होगे। मुझे उम्मीद है कि उसका फैसला अगले 2—3 महीने के अंदर अंदर हो जायेगा, भाायद सितम्बर—अक्टूबर में का चालू हो जाऐ और बनना भाुरू हो

जायेगा। उसको कंस्ट्रैक ान का काम चालू हो जायेगा ओर उसमसे हमें 500 मैगावाट बिजली मिलने लगेगी। अध्यक्ष महोदय, उसके बाद हम 250–250 मैगावाट के कुल 500 मैगावाट के दो प्लांट हिसार में लगाने के लिए टैंडर मागेगे और इसी तरह से हमने पानीपत में जो रिफायनरी बन रही है, तेल भाोधक कारखाना बन रह है उसकसे जो रैजीडूवल मैटीरियल निकलता है। उससमे बिजली बनती है उनके साथ भी एग्रीमैंट कर यिा है तथा वे हमें 301 मैगावाट बिजली देगे। उन्होन फाईनैि ायल प्रबन्धभी जापान की कंपनी मारूबेनी से कर लिया है। अध्यक्ष महोदय, इसके अलावा हमने एन0टी0पी0सी0 के साथ कंट्रैक्ट साईन कर लिया हैं एक एक्सटैं ान प्रोजैक्ट, आट्रा, ओरइया, उंचाहार तथा रीहंच का आयोग, इनमें भी हमें 300 मैगावाट बिजली और मिलने लगेगी। इसके अलावा और प्लांट भी आ जायेगे। अध्यक्ष महोदय, इसके अतिरिक्त उड़ीसा में एक बहुत बड़ा प्लाट लग रहा है, उनमें भी हम 500 मैगावाट बिजली ले लेगे। दूसरी स्टेट्स भी ले रही है। क्येां यह प्लांट 3–4 हजार मैगावट का लगा हुआ है। इस तरह से हमारे पासबिजली की कमी नही रहेगी क्योंकि हमारी प्लानिंग ही इस तरह की है। अध्यक्ष महोदय, मेरे विपक्ष के साथियों को तकलीफ यह हो रही है कि जब हम यह काम रक देगते तो जनक को ये क्य केहेगे अैर क्या वायदा करेगे। अध्यक्ष मोदय, अब हरियाण प्रदे ज्ञ के गांवों और भाहरों में 24 के 24 घंटे बिजलह रहेगी ओर जनता उसका इस्तेमाल करेगी तब ये लोग ये भी नही कर सकेंगे कि बिजली नही मिलती। अध्यक्ष महोदय, बिजली को

फार सैक ानिंग करने ` लिए, डिस्ट्रीब्यू ान करने ` लिए हमें लाईन्ज की स्ट्रैथनिंग भी करनी पड़ेगी और जिस बिजली के बारे में मैने आपकों बताया है उस बिजलीह के अतिरिक्त हमें 20 मैगावाट का तरल ईंधन और मैगनस से चलने वाला प्लांट 3–4 महीने पहले गुडगांव में चालू हो गया हैं अध्यक्ष महोदय, कुल मिलाकर 1267 मैगावाट बिजली हो जायेगी तथा हम यही नही रूकेंगे और भी आगे बढत्रेगे। हम चाहते है कि हरियाणा की जानता को बिजली की तकलीफ कभी भी न हो, हम यह प्रोग्राम लेकर चल रहे है। अध्यक्ष महोदय, इसके अलावा मार्च–2000 तक पानीपत के भी सभी प्लांट पूरे हो जायेगे, भाायद अगले साल मिडल तक भी पूरे हो जाये। अध्यक्ष महोदय, हमारी 1282 मैगावाट बिजली पंजाब ने रोक रखी है क्योंकि वह बिजली पंजाब के रास्तें में आती है जिसकी कीमत 18–20 पैसे पर यूनिट ड़ीती ळै उसकस इस्तेमाल पंजाब कर रहा हैं अध्यक्ष होदय जो पावर भाखड़ा नंगल प्रोजैक्ट से बनती है उसमें हमारा ज्यादा हिस्सा है। इसके अतिरिक्त आनंदपुर साहब हाईडल प्रोजैक्ट, थींन डैम, मुकेयिां हाइडल, यू0बी0डी0 स्टेज–।। भााहपुर कंडी वगैरा जो है एस0वाई0एल0 के ऊपर रास्तें में लगाये गये है और 1984 में जब हमने पंजाब को एस0वाई0एल0 के रास्ते में पावन हाउस लगाने की इजाजत दी तो एक एग्रीमैन्ट हुआ थऔर हरियाणा और राजस्थानदोनों ने इस कंडीसन पर सहमति दी कि उसकी बिजली को जेा अपो ार्नमैंन्ट होगा वह भारत सरकार सुप्रीमकोर्ट को भेज देगी लेकिन अभी तक भेजा नही है। इस सम्बन्ध में हम भारत

सरकार से खतो–किताबत भी कर रह है और मिले भी है, हमारी बातचीत भी चल रही है। जो बिजली हमं अब मिल रही है, उसके अलावा भाखड़ा नंगल प्रोजैक्ट से 290 मैगावाट बिजली मिलेगी। लेकिन पंजाब वाले भाई अब तक उसे रोके बैठे है ओर दूसीर तरफ श्री प्रका ासिंह बादल को हमारे विपक्ष के भाई जींद में जलसे में लाये भी थे ओर वे जींद में ही कह गये कि हम एस0वाइ0एल0 का पानी नही देगे। मेरे विपक्ष के साथी जो इस वक्त यहां बैठे नहीहै, उनकी दोस्ती उनसे हैं अध्यक्ष महोदय, एस0वाई0एल0 का केस पिछली कांग्रेस की जो सरकार थी, उसने सुप्रीमकोर्ट मैं किया था लेकिन उसमें कई खामियां छोड़ दी थी क्यों केस अच्छी तरह से तैयार नही किया गया ओर सुप्रीमकोर्ट में जब वह खारिज होने लगातो हमने कहा कि हम इसे वापिस ले लेते है। हमने उसेवापिस लेकर सारी खामियां दूर करके व कार्यवाही पूरी करके फिर से यह केस सुप्रीम कोर्ट में ायर कर दिया जिसकी 27 जनवरी को हियरिंग भ थी ओर पंजाब ने जवाब देने के लिए छः हफ्तें का समय मांगा है, ये छः हफ्तेंभी आ जायेंगे मगर पानी तो एस0वाई0एल0 का हम हर हालत में लेगे अैर किसी भीसूरत में नही छोड़ेग। (इस समय सदन में मेजें थपथपाई गई) अध्यक्ष महोदय, हमने वर्ल्ड बैंक से पावनकी स्ट्रैग्थनिंग के लिए 2400 करोड़ रूपेय का लोन मन्जूर करवया हैं और कमिटमैंट भी 2400 करोड़ रूपये का हैं जिसकी पहली इंस्टॉलमैनट हमने ली है जो कि 240 करोड़ रूपये हैं जब हम यह खर्च कर लेगे तो आगे हमें और पैसा मिल जायेगा। इससे हम छोटै बड़े सभी किस्म के

ट्रांसफार्मर्ज बदलेगे और कुछ पोल्ज बदलेगे ओर कुछ एक्सट्रा भी लगायेगे। अध्यक्ष महोदय, हमने 50 आवेर लोड फीडर ठीक कर दिए है अेर 5950 डिस्ट्रीब्यू ान ट्रांसफामर्ज भी ऑगमैन्ट कर दिऐ है। इसके अलावा हमने पल्ला में 220 के0वी0 सब स्टे ान 18 करोड़ 50 लाख रूपये की लागत से लगाया हैं और तीन नई लाईने पल्ला से पाली, पल्ला से समयपुर ओर यमुना नगर से भााहबाद के लिए हैं अध्यक्ष होदय, इसी तरह से हम अम्बाला को यमुना नगर के सब स्टे ान के साथ जोडेगे। अध्यक्ष महोदय, ए0पी0एल–1 में 240 करोा रूपए की जो कि त आई है उससेस हम 24 सब स्टे ांज 33 के0वी0 के आगमैंट करेगे। वे सब स्टे ांज है दिवाना (कुरूक्षेत्र), मथाना (कुरूक्षेत्र), राम्बा (करनाज), बरसत (करनाल), राम नगर (करनाल), लोहानी (भिवानी), लाड़ (भिवानी), मिनि सैक्रेटेरिएक (सोनीपत), सूरज स्टील (सोनीपत), खरखोदा (सोनीपत), एच0एस0आई0डी0सी0 कुण्डली (सोनीपत), रामराय/बीबीपुर (जींद), दनौदा (जींद), अलेवा (हिसार), भाटला (हिसार), आर्य नगर (हिसार), भट्टू (हिसार), बरवाला (हिसार), मुंढाल (हिसार), नाथुसरी चोटटा (सिरसा), नीजामपुर (नारनौल), मुडियाखेड़ा (नारनौल), जडथल (नारनौल) ओर झारोदा (रोहतक)। इसी तरह से अध्यक्ष महोदय, 33 के0 वी0 के 22 सब स्टे ान और है। जिनको हम अंडर फेस–2 औफ ए0पी0एल0 आगमैंट करेगे वह है पाटला (कुरूक्षेत्र), तिओंथा (कुरूक्षेत्र), ढांड (कुरूक्षेत्र), सीवन गेट (कैथल), घोर (करनाल), कुटेल (करनाल), इसराना (करनाल), मोरवाला (भिवानी), सिंघाणा (जींद), गंगा (सिरसा), बेगू (सिरसा),

बहुदिन (सिरसा), कालांवली (सिरसा), आई0ए0 (सिरसा), रामनगरिया (सिरसा), सिकन्दरपुर (सिरसा), केहरवाला (सिरसा), गढ़ी महासर (नारनौल), माडल टाउन (रिवाड़ी), एम0आई0ई0 (बहादुरगढ़), जहाजगढ़ (झज्जर) और एच0एन0जी0 (बहादुरगढ़)। इस सब स्टें ोज का 90 परसैंट काम अक्तूबर 1999 तक पूरा हो जाएगा। जो बाकी बचेगे उनका दिसम्बर 1999 तक काम पूरा हो जाएगा और इनमें से कुछ सब स्टे ान का काम 28 फरवरी, 1999 तक पूरा हो जाएगा। इसके अलावा अध्यक्ष महोदय, ए0पी0एल0—1 के तहत 50 ओवर लोडिड फीडर्ज की बिजली अक्तूबर 1999 तक आगमैंट कर दी जाएगी। Mr. Speaker, Sir these are the 50 overloaded feeders, which are going to be augmented under APL-1.

The Work on those six feeders on which the work has already started and would finish by 28th February, 1999 are Madhuban, 66 KV, Bilaspur, Sub Division, Bilaspur, Distt, Yamuna Nagar, Bhondsi, 66KV, Badshahpur Distt. Gurgaon, Parvatia Colonly, 66 KV, Sub-Division, FCI Faridabad, M.C, Krishna Colony, 33KV, Industrial Area, Sub-Division, Bhiwani, Distt. Bhiwani. Rest of the name/details are as under:—

Sr. No.	Name of the Feeder	Emanating Sub-Station	Name of Sub-Division	Name of the District
1.	Rurki	66KV Ladwa	Ladwa	Kurukshetra

2.	Dhola Majra	220KV Shahabad	Kurukshetra	Kurukshetra
3.		66KV Babin	No. 1 Shahabad	Kurukshetra
4.	Harnol	66KV Y.Nagar	No. Yamuna Nagar	Yamuna Nagar
5.	Bakana	66KV Radaur	Radaur	Yamuna Nagar
6.	Malikpur	66KV Shahzadpur	Shahzadpur	Ambala
7.	Barola	66KV Jansui	Chaurmastpur	Ambala
8.	Dhanipur	132KV Ismailabad	Chaurnmastpur	Ambala
9.	Ugala	66KV Adhoya	Barara	Ambala
10.	Tandwal	66KV Adhoya	Barara	Ambala
11.	Sohata	66KVAdhgoya	Barara	Ambala
12.	City-II	66KV Mahrauli Rd.	Gurgaon	Gurgaon
13	Urban	66 KV Manhrauli	New Colony	Gurgaon

.	Estate	Rd.		
14.	Sultanpur	66KV Farukh Nagar	Farukhnagar	Gurgaon
15.	Taj Nagar	66KV Farukh Nagar	Farukhnagar	Gurgaon
16.	Binola	66KV Pataudi	Bhorkalan	Gurgaon
17.	Raisena	66KV Sohan	Sohan	Gurgaon
18.	Township	66KV FCI Faridabad	No. 1	Faridabad
19.	dabua	66KV FCI Faridabad	Faridabad	Faridabad
20.	NH-3	66KV FCI Faridabad	No. 2	Faridabad
21.	Ballahgarth -III	66KV A-5 Ballabhgarh	Faridabad	Faridabad
22.	City-II Palwal	66KV Palwal	No. 4 Faridabad	Faridabad
23.	Lallupura	33KV Barsat	City Ballabhagarh	Karnal

24.	Malikpur	132KV Gharaunda	Palwal/Palwal	Karnal
25.	Abla	132KV Amin	S/U Gharanuda	Karnal
26.	Janmana	132KV Chhajpur	S/U Gharaunda	Panipat
27.	Palheri	132KV Chandoli	Amin	Panipat
28.	Gujjarwas	132KV Ateli	Chhajpur	Mahendergarh
29.	Kunjpura	132KV Ateli	S/U Panipat	Mahendergarh
30.	Narel Khere	132KV Ding	Ding	Sirsa
31.	Handi Kheera	220KV Sirsa	S/U Sirsa	Sirsa
32.	Odhan	33KV Kalanwali	Kalanwali	Sirsa
33.	CR Park	33KV Huda Rohtak	No. II, Rohtak	Rohtak
34.	City Bahadurgarh	132KV Bahadurgarh	City Bahadurgarh	Jhajjar

35.	ITI, Hisar	132KV Beer	Civil Line Hissar	Hisar
36.	Satrod	132KV Ploy Stell	Satrod	Hisar
37.	Highway Hansi	132KV Hansi	hansi	Hisar
38.	Aharwan	132KV Ratia	City Ratia	Fatehabad
39.	City No. 1 Tohana	132KV Tohana	City Tohana	Hisar
40.	Chehar	33KV Pahari	Digwan Jattan	Bhiwani
41.	Dadri Urban	132KV Charkhi Dadri	Ch. Dadri	Bhiwani
42.	Kandela	33KV Naguran	Naguran	Jind
43.	Haripura	33KV Dhanouri	Garhi	Jind
44.	Pindara	33KV Pindara	S/U-II Jind	Jind

90% of these works would be completed by October, 1999 and the remaining by December, 1999.

अध्यक्ष महोदय, भाायद चौधरी संपत सिंह, चौधरी धीरपाल और चौधरी वीरेन्द्र सिंह ने एक बात कही थी कि भाजपा, हविपा की गठबंधन सरकार ने वजूद में आने के बाद बिजली के रेट 7–8 बार बढद्याए हैं अध्यक्ष महोदय हमने बिजली के रेट केवल दो बार बढ़ाए हैं हमने एक बातर 01.07.1996 को 20 परसैंट ओर दूसरी बार 15.06.1998 को 15 परसैट जोकि टोट 38 परसैंट बनता हैं अगर इनको विद कम्पयूलेटिव इफैक्ट भीा लागये तो। अध्यक्ष होदय, जहां तक फयूअज सरचार्ज की बात है जैसे जैसे तेल की कीमतें बढ़ती है, कोयले की कीमतें बढ़ती है, रेल का किराया बढ़ता है तो ओवर हैड एक्सपैसिज भी ज्यादा हो जाते है। इसलिए फयूअल सरचार्ज लगाना पड़ता है। कभी 8 पैसे कभी 5 पैसे और कभी 3 पैसे सरचार्ज लगाना पड़ता हैं अध्यक्ष महोदय, जब लोकदल की सरकार भ उन्होने 8 बार फयूअल सरचार्ज लगाय था जकि हमने केवल 7 बार फयूअल सरचार्ज लगाया हैं अध्यक्ष महोदय, लोकदल की सरकार ने डोमैस्टिक बिजली को छोडऋ कर बिजली के रेट 01.12.1987 को 25 परसैंट बढ़ाए, 01.09.1988 को 45 परसैंट बढ़ाए, 01.12.1990 को 25 परसैंट बढ़ाए, जिसका टोटल विद कम्यूलेटिव 126 परसैंट बनता है। इसके बावजूद भी वे कहते है कि बिजली के रेट इस सरकार ने बढ़ाए है। अध्यक्ष महोदय, जब प्रदे ा में कांग्रेस पार्टी की सरकार थी ओर उस समय चौधरी भजन लाल मुख्यमंत्री थे उस समय उनहोने 05.06. 1992 को बिजली का रेट 25 परसैट बढद्याया, 01.02.1997 को 12 परसैंट बढ़ाया, 28.12.1994 को 40 परसैंट बढ़ाया यह टोटल विद

कम्यूनेटिव 96 परसैट बनता है। और उस समय कांग्रेस पार्टी की सरकार ने फयूअल सरचार्ज 11 बार लगाया था और वे ि ाक्षा हमें दे रहे है। अध्यक्ष महोदय कहने के लिए ये कुछ भी कहें बिजली के क्षेत्र में हम जो रिफोर्म्ज कर रहे है उसका बिजली के जनरे ान, ट्रांसमि ान और सप्लाई पर बहुत अच्छा इफैक्ट पड़ा हैं पब्लिक को आज भी बिजली के नजरेर ान ट्रांसमि ान और सप्लाई पर बहुत अच्छा इफैक्ट पड़ा है। पब्लिक को आज भी बिजली केजनरे ान, टांसमि ान और सप्लाई पर बहुत अच्छा इफैक्ट पड़ा हैं पब्लिक को आज भी बिजली ज्यादा मिल रही हैं और आगे भी पब्लिक को बहुत ज्यादा बिजली मिलेगी। अध्यक्ष महोदय, जो हमने किया उसके बारेमें ये कहते है कि हमने बिजली मिलेगी। अध्यक्ष महोदय, जो हमने किया उसे बारे में ये कहते है कि हमने बिजली बोर्ड का निजीकरण कर दिया। इस बोर में सम्पत सिंह, धीरपाल, वीरेन्द्र सिंह जी वे दूसरे सदस्यों ने कहा। मै बाताना चाहूंगा कि हमने निजीकरण नही किया। मै यह भी बताना चाहूंगा कि यदि कांग्रेस की सरकार उस वक्त 2–4 महीने और रह जाती तो वह पूरा निजीकरण इस बिजली बोर्ड करा कर जाती। उस वक्त की सरकार जो बिल सदन में ला रही थी औरकैबिनेट में जा पास हो चुका था वह टोटल निजीकरण का था। सरकार को उसमें कोई दखल नही होता यानी सरकार का उससे कोई वास्त नही रहता। हमने निजीकरण का थ। सरकार का उसमें कोई दखल नही होता यानी सरकार उससे कोई वास्ता नही रहता। हमने निजीकरण का था। सरकार का उसमें कोई दखत

नही होतया यानी सरकार उससे कोई वास्ता नही रहता। हमने निजीकरण नही बलिक सुधरीकरण का काम किया है। हमने इस बिजली बोर्ड की चार कम्पनियां बनानी हौं एक जेनकको, एक ट्रांस्कों और दो डिस्ट्रीब्यू ान्ज की कम्पनयिा बनानी हैं जिनको हम एक महीने या बीस दिन में बना देगे। जेनकों 100 परसैंट हरियाणा सरकार की होगी इसमें किसी प्राईवेट का कोई भोयर आदि नही होगा और इसी प्रकार से ट्रांस्कों भी 100 परसैंट हरियाणा सरकार की होगी। इसमें भी कोई प्राईवे।ट आदमी भाामिल नही होगा। ये दोनों कम्पनिया पूरी तरह से हरियाणा सरकार की होगी इसमें भी कोई प्राईवेट आदमी का कोई हस्तक्षेप नही होगा। जो डिस्ट्रिव्यू ान्ज की दो कम्पनियां हम बनाने जा रहे हैं वह दो हिस्सों में होगी और इसके लिए हरियाणा को दो हिस्से में बांटेगे। एक तो पूरी तरह से हरियाणा सरकार की होगी और एक के लिए हम ग्लोबल टैण्डर मंगवायेगे जिसमें कोई प्राईवेट पार्टी एक दो मिल कर हरियाणा सरकार के साथ सांझीदार होगी। उसके साथ हम 3 या 5 साल का एग्रीमेंट करेगे। उसमें अगर हम कामयाद हो गए तो एग्रीमेंट आगे बढ़ाया जा सकता हैं और अगर कामयाबी नही मिली तो 3 या 5 साल का एग्रीमेंट करेगे। उसमें अगर हम कामयाबी नही मिली तो 3 या 5 साल एग्रीमेंट होगा उसके बाद उसको राम राम कर देगे लेकिन सरकार की उसमें पूरी बरार की सांझेदारी होगी। हो सकता है एक आध परसैंट उनका हम भोयर देख रेख आदि को अधिक कर दे, वरना हरियाणा सरकार काा पूरा भोयर इस कम्पनी में भी

रहेगा। बिजली बोर्ड की कोई चीज हमने नही बेची ओर न बेचेगे। अब आप बताएं कि इसमें निजीकरण कहां से हो गया। हम किसानों को जो बिजली देते है वह हमकों 2 रूपये 88 पैसे पड़ती है। जबकि हम 50 पैसे प्रति यूनिट दे रहे हैं हमने किसानों को 1996–97 में 747 करोड़ 37 लाख यानी 7 अरब से ज्यादा की सबसिडी दी। इसी प्राकर से 1997–98 में 872 करोड़ 36 लाख यानी 8 अरब 72 करोड़ की सबसिडी दी। इसी प्रकार से 1998–99 में हमारा अन्दाजा है, क्येांकि अभी साल पूरा हुआ नही हैं हम सबसिडी दी। इसी प्रकार से 1999–2000 में हम किसानों को 928 करोउ़ की सबसिडी देगे। ये बात करते है कि हम मुफ्त में बिजली और पानी देगें। अध्यक्ष होदय, आपको याद होगा और हरियाणा की जनता भी जातनी है कि जब ये 1987 में पावर में आये थे तो कर्जा माफ का वायदा करके आये थे। इनहोने उस वक्त कितना कर्जा माफ किया वह भी मै इस सदन के चलत चलते बता दूंगा कि इन भाईयों ने कितना कर्जा अपने समय में माफ किया था। बाद में ये कर्जा माफ तो पूरा नही पाये लेकिन एक नारा जरूर लगाया कि कर्जा अपना आप भरों ताऊ को माफ करों। साथ ही उस वक्त उन्होने नारा लगाया कि हरेक गावं में दो दिन के लिए नोट छापने की म ीन भेज दूंगा। मै पूछनपा चाहता हूं अब वह नोट छापन `वाली म ी कहा गई। अध्यक्ष महोदय पता नही ये लोग क्या क्या बातें करते हे। अध्यक्ष महोदय मै ज्वायंट बेंचर के बारे में जिक्र कर रहा था। इस बारे में चौधरी भजन लाल जी ने कह दिया था additional distribution areas will be privatised in

stages. कि वे तो पूरी बिजली को ही प्राइवेटाईज कर रहे थे जो कि उनको पोलिसी स्टेटमैंट था।

अध्यक्ष महोदय, अब हम बिजली के रेट्स अपनी मर्जी से बढत्रा भी नही सकते है क्योंकि हमने रैगुलैअरी कमी ाबन बना दिया है जो कि हमारी मातहत नही है, सरकार के मातहत नही है अगर बिजली निगम कोई रेट बढ़ाना चाहे तो रैगुलेटरी कमी ान को दरख्वास्त देनी पड़ेगी। रेगुलेटरी कमी ान उसको अखबारों में भााया करेगा। ऑब्जैक ान इप्वाईट करेगा, लेागों से ऐतराज मांगेगा और हर आदमी को व्यक्तिगत रूप से या वकील की मार्फत यह कमी ान सुनेगा ओर सुनने के बाद यह फैसला करेगा कि रेट्स बढ़ाने है या नही बढ़ाने ह।। रेट्स केा बढ़ान या घरूटाना या रेट् मुकर्रर करना अब हरियाणा सरकार का काम नही रहा। रेट मुकर्रर करना, घअना बढ़ाना अब बिजली बोर्ड का भी काम नही रहा यह काम अब रैगुलेटरी कमी ान का हैं जो कि सरकारा के मातहत नही हैं रैगुलेटरी कमी ान सबसे पहले उपभोक्ता को बुलाएगा और उससे पूछेगा किबाइये क्या तकलीफ है। रेटब बढ़ाया जाए या नही बढ़ाया ाजउं रैगुलैअरी कमी ान पहले उपभोक्त की बा सुनेगा ओर हमारी बात भी सुनेगा तथ ाफैसला अपनी र्मी से करेगा। अध्यक्ष महोदय, यह तो एक अदालत हो गइ। यह तो जो बों ये लोग क रहे है इनके प्रचार करने की बात हैं चौधीर वीरेन्द्र सिंह जी अअ हाउस मे ंनही बैठे हुए हैं पिछले साल भी ये कह रहे थे कि अगर दिसम्बर तक बिजली का भाव 6 रूपये हो गयातो

मै सदन में नही आऊंगा। अध्यक्ष महोदय, दिसम्बर तो आ के जा भी चुका है ये अगले दिसम्बर की बात कर लें या`उससे भी अगले दिसम्बरकी बात कर लें। यह जो चीफ पापुलैरिटी की बात ये कहते है। उससे कुछ बनता नही हैं ये विपक्ष वाले लोगो को गुमराह करते है, लोगों को बहकावते है। पता नहद इसका नाम जनता दल है, हलोदरा हैं या कुछ और रख लिया हर तीसरे महीने इनका नाम बदल जाता हैं वे कहते है कि बिजली के बिल न दो हम आएंगे तो माफ कर देगे। अध्यक्ष महोदय, ना नौ मन तेल ओगा और न राधा नाचेगी। कहां से आएंगे, लोग उनको अब समझ गएह" कि वे क्या हैं अध्यक्ष महोदय, अगर बिजली के बिल माफ करना इतना आसान होता तो यह कम मै इनके भरोसे नही छोड़ता, मै खुद ही नही कर देता। हमें बाजार में किसी जगह कोयला मुक्त नही मिलता है, मार्किट में हमें किसी जगह पर कोई ट्रांसफारमर मुफ्त नही मिलता, बिजली का कोई तार या खम्भा कही से मुक्त नही मिलता। रेल बगैर किराये के कायेलान नही लाती। हम किसी चीज से बिल माफ करें क्योंकि हमारे पास न तो नोट छापने की म ील है और न ही नोट छाप सकते है, हां तक कि नोट तो एक निमिट से बाहर भारत सरकार भी छाप नही सकतीै तो हम तो क्या छापेगे। अध्यक्ष महोदय, ये इस प्रकार का प्रचार करते है, लेागों को बहकाते है ओर फिर उसको जकहते है कि बिजली के बिल ही न भरों। ये लोग बात तो कहते है टयूबवैल के बिल माफ करने की ऊपर से जो घर की बिजली खर्च करते है उसका भी बिल नही भरने देते। अध्यक्ष महोदय, उनका

काम तो अजीब है, जो बात मन में आए कह दो, जो मन मे ंआए कर दो क्योंक न तो इनको किसी को जवाब देना है और न ही इनको पब्लिक को फसे करना इनका काम तो लोगों को गुमराह करना है ओर लोगों को बहकाना है, इसके अलावा इनका कोई काम नही है ओर वर्ल्ड बैक लोन के बारे में बार बार कहते है कि 240 करोउत्रः ही मन्जूर किया है जब कि 2400 करोड़ रूपये की वर्ल्ड बैंक ने हरियाणा गवर्नमैंट को डिसप्लईयर कनवे कर दिया या उन्होने यह कह दिया कि काम तसल्ली बख्भा नही है। अध्यक्ष महोदय, मै आपके माध्यम से यह बताना चाहूंगा कि 15 जनवरी, 1998 को एक लैटर मिस्टर एडविन आर0 लिम ने जो इण्डिया के एिल कंट्री डायरैक्टर है, हरियाणा के चीफ सैक्रेटरी को लिखा है–

"I am pleased to confirm that the Bank endores the reform programme. I am aslo pleased to confirm that today the Board of Execuitve Directors of the World Bank has approved a loan of 60 million dollars in support of the firs phase of the reform programme. The Bank would be ready to contiune to \support the reform programme throught a series of additional loans for the next 8 to 10 years in an aggregate amount not exceeding 540 million."

इसमें 60 का 540 का दिया। हमारे पास उनकी कमिटमेंट है। ये पता नही कहां से लाते है, क्या करते है और कया नही करते है। बिजली पर हमने 1997–98 में 287 करोड़ रूपए खर्च किए 1998–99 में 430 करोड़ रूपया खर्च होगा और अगल साल पांच सौ करोड़ रूपए खर्च करेगे। हम अपनी हर चीज,

हर बात जो–जो हमने चाहे हविपा ने या बी0जे0पी0 ने चुनाव `स पहले वायदे किए है और यह वायदें तो पूरे भी कर दिए हैं अध्यक्ष महोदय, हमने जो सब स्टे ांज अपग्रेड किए है या नए बनाए है उनकी लिस्ट जैसे मैने अपनसे पहलजे का दे दूंगा या आपके आफिस में पहुंचा दूंगा। अगर मै इसका पढूंगा तो इसमें काफी वक्त लग जाएगा। यह लिस्ट मेरी स्पीच में आ जाए। अध्यक्ष महोदय, हमने 1996–97 में 220 के0वी0 के 2, 132 के0वी0 के 4, 66 के0वी0 के 3 और 33 के0वी0 के 16 सब स्टे ान लगाए हैं इसकी डिटेल इस प्रकार है:–

New Sub-Station Commissioned Since May, 1996

Sr. No.	Name of Sub-Station	Capacity added	Cost (Rs. in Lacs)	Date of commissioning	Name of District
1	2	3	4	5	6
1.	**220KV**				
1.	Nissing	100MVA	800	25-05-96	Karnal
2.	Rohtak	100MVA	300	31-03-96	Rohtak
		16MVA	100	02-04-98	
	Total ((I)	**216MVA**	**1200**		

II.	**132KV**				
1.	Sagga	16MVA	200	28-06-96	karnal
2.	Munak	16MVA	183	24-04-97	Panipat
3.	Ismailabad	16MVA	238	18-07-97	Kuruksh etra
4.	Chhaajpur	16MVA	421	31-12-97	Panipat
	Total (II)	**64MVA**	**1042**		
III.	**66KV**				
1.	Hathin	16 MVA	100	24-10-96	Faridaba d
2.	Chandpur	12 MVA	130	21-11-97	Yamuna Nagar
3.	Indl. Area Ambal Cantt.	16 MVA	168	28-08-98	Ambala
	Total (III)	**44 MVA**	**398**		
IV.	**33KV**				
1.	Alewa	5 MVA	50	22-07-96	Jind
2.	Nehla	4 MVA	40	07-08-	Hisar

				96	
3.	Sewan Gate Kaithal	4 MVA	63	04-09-96	Kaithal
4.	Barsat	5 MVA	83	30-09-96	Panipat
5.	M.I.E. Bahadurgarh	4 MVA	40	20-03-97	Jhajjar
6.	Mehmera	4 MVA	40	31-08-97	Fatehabad
7.	Aterna	4 MVA	53	29-11-97	Sonepat
8.	Bhatgoam	5MVA	54	31-12-97	Sonepat
9.	Dharamgarh	5 MVA	74	16-04-98	
10.	Dwarka	4 MVA	65	29-04-98	
11.	Jasoorkheri	4 MVA	50	07-05-98	
12.	Bhiwani Rohila	4 MVA	50	08-05-98	
13.	12-Cross Road. Ambala	6.3 MVA	56	31-05-98	

	Cantt.				
14.	MDU Rohtak	4 MVA	28	17-07-98	
15.	Teontha	4 MVA	83	28-07-98	
16.	Model Town Rewari	4 MVA	41	02-12-98	
	Total (IV)	**70.3MVA**	**870**		

ABSTRACT

Category	Numer	Capacity added in MVA	Cost (Rs. in lacs)
220KV	2	216	1200
132 KV	4	54	1042
66 KV	3	44	398
33 KV	16	70.3	870
Total	25	394.3	3510

अध्यक्ष महोदय, जो सब–स्टे ान अगुमैंट किए है, वे 220 के0वी0 के 12, 132 के0वी0 के 38, 66 के0वी0 के 23 और 33 के0वी0 के 50 है। टोटल हमने 123 सब स्टे ान्ज आगुमैंट

किए है जिस पर 196 करोड़ 51 लाख रूपए खर्च किए है। इसकी डिटेल इस प्रकार है:—

Sr. No.	Name of Sub-Station	Capacity added	Cost (Rs. in Lacs)	Date of commissioning	Name of District
1	2	3	4	5	6
1.	**220KV**				
1.	Pehowa	16 MVA	88	11-06-96	Kuruksh etra
		8 MVA	68	07-07-96	
2.	Bhiwani	50 MVA	127	29-09-96	Bhiwani
3.	Sirsa	8 MVA	50	30-09-96	Sirsa
4.	Nissing	8 MVA	70	14-03-97	Karnal
5.	Pehowa	50 MVA	315	04-07-97	Kuruksh etra
6.	Bhiwani	50 MVA	190	20-12-97	Bhiwani
7.	IA Hisar	16 MVA	120	27-12-	Hisar

				97	
8.	Kaithal	50 MVA	235	25-03-98	Kaithal
9.	Sirsa	9 MVA	75	21-05-98	Sirsa
		9 MVA	75	21-08-98	
10.	PTPS	100 MVA	101	09-09-98	Panipat
11.	Sonipat	16 MVA	120	20-09-98	Sonipat
		25 MVA	150	03-11-98	
12.	Palwal	10MVA	101	23-12-98	Faridabad
	Total (I)		1834		
II.	**132KV**				
1.	Rohtak	9 MVA	150	22-05-96	Rohtak
2.	Nilikheri	16 MVA	115	05-06-96	karnal
3.	Jiwan Nagar	5 MVA	50	06-06-	Sirsa

				96	
4.	Uklana	8 MVA	50	10-07-96	Hisar
5.	Tohana	8 MVA	50	22-08-96	Fatehabad
6.	Bhiwani	2.3 MVA	20	12-10-96	Bhiwani
7.	Hsani	4 MVA	40	14-10-96	Hisar
		1 MVA	50	14-03-97	
8.	Cheeka	9 MVA	160	17-10-96	Kaithal
9.	Rai	25 MVA	125	17-10-96	Sonepat
10.	Kaithal	9 MVA	131	22-10-96	Kaithal
11.	Kaninakhas	8 MVA	50	29-01-97	Mohindergarh
12.	Mohindergarh	16 MVA	120	10-03-97	Mohindergarh
13.	Miran	9 MVA	135	22-03-97	Bhiwani

14.	Safidon	16 MVA	115	02-04-97	Jind
15.	Fatehabad	9 MVA	135	13-05-97	Fatehabd
16.	Chandoli	16 MVA	125	14-05-97	Panipat
17.	Jind (New)	16 MVA	115	23-06-97	Jind
		9 MVA	140	06-08-97	
18.	Bahadurgarh	12.5 MVA	142	02-07-97	Jhajjar
		16 MVA	120	13-11-97	
19.	Sewan	16 MVA	111	10-07-97	Kaithal
20.	Thana	16 MVA	138	14-07-97	Kuruksh etra
		8 MVA	138	18-03-98	
21.	Madhuban	25 MVA	174	18-07-97	Karnal
22.	Smalkha	6.3 MVA	36	29-11-	Paniapat

				97	
23.	Bhore	5 MVA	75	16-12-97	Kuruksh etra
24.	Ateli	4.5 MVA	100	03-01-98	Mohand ergarh
25.	Jui	3.5 MVA	50	07-01-98	Bhiwani
26.	Hsani	16 MVA	125	11-02-98	Hisar
27.	Sirsa	8 MVA	125	26-02-98	Sirsa
28.	Sonepat	5 MVA	30	27-02-98	Sonepat
29.	Kalanaur	10 MVA	125	10-03-98	Rohtak
30.	Kaninakhas	8 MVA	125	17-03-98	Mohinde rgarh
31.	Gohana Rd.	6.3 MVA	37	06-05-98	Panipat
	Panipat	4 MVA	90	24-05-98	
32.	Jhajjar	12 MVA	28	27-07-98	Jhajjar

33.	Chhajpur	12.5 MVA	110	24-09-98	Panipat
34.	Bhiwani	9 MVA	107	28-10-98	Bhiwani
35.	Bandhra	16 MVA	100	01-11-98	Bhiwani
36.	Chandoli	20 MVA	112	02-11-98	Panipat
37.	Ratia	16 MVA	75	17-11-98	Fatehabad
38.	Munak	25 MVA	150	14-12-98	Panipat
	Total (II)	**475.9MVA**	**429**		
III	**66KV**				
1.	FCI Faridabad	16 MVA	180	05-06-96	Faridabad
2.	A-3 Palla	16 MVA	100	29-06-96	Faridabad
3.	10-A Gurgaon	16 MVA	100	05-10-96	Gurgaon
4.	Palwal	16 MVA	100	03-01-97	Faridabad

5.	Sadoput	1.5 MVA	50	07-01-97	Ambala
6.	Kesri	8.5 MVA	86	17-02-97	Ambala
7.	LOC Ambala Cantt.	4 MVA	60	12-04-97	Ambala
8.	Dharuher	6 MVA	180	22-04-97	Rewari
9.	Hyderbad Asbestos	8 MVA	180	23-04-97	Faridabad
10.	Adhoya	4 MVA	60	19-05-97	Ambala
11.	A-2	3.5 MVA	180	25-05-97	Faridabad
	Faridabad	3.5 MVA	100	31-01-98	
12.	Chaurmastpur	12 MVA	57	12-08-97	Ambala
13.	Maruit Gurgaon	2.5 MVA	100	24-09-97	Hithspm
14.	Ford Faridabad	10 MVA	80	30-08-97	Faridabad
15.	Babain	16 MVA	110	22-12-	Kuruksh

				97	etra
16.	Jansui	16 MVA	86	31-12-97	Ambala
17.	Hodel	8.5 MVA	100	01-01-98	Faridabad
18.	Mehrauli Rd Gurgaon	16 MVA	100	18-02-98	Gurgaon
19.	Basantpur	1.5 MVA	45	31-03-98	Yamuna Nagar
20.	Shahbad	8 MVA	43	16-04-98	Kuruksh etra
21.	Dhauj	8 MVA	40	28-07-98	Faridabad
22.	Nuh	10 MVA	100	05-11-98	Gurgaon
23.	A-5 Faridabad	6 MVA	56	30-11-98	Faridabad
	Total (III)	**217.5 MVA**	**2293**		
IV	**33KV**				
1.	Rajgarh	1.3 MVA	50	01-05-96	Hisar
	Road, Hisar	1.3 MVA	50	03-05-	

				96	
2.	Noutch	4 MVA	13	22-05-96	Kaithal
3.	Siwani	3 MVA	50	30-05-96	Bhiwani
4.	Sarauli	4 MVA	40	03-06-96	Rohtak
5.	Kahanaur	2 MVA	20	04-06-96	Rohtak
6.	Lukhi	2.3 MVA	20	13-06-96	Kuruksh etra
7.	Ajrana	2.3 MVA	15	14-06-96	Kuruksh etra
		2.3 MVA	15	16-07-96	
8.	Sanoli Road	4 MVA	10	23-01-97	Paniapt
	Panipat	1 MVA	20	25-06-96	
9.	Jamba	2.3 MVA	15	11-07-96	Karnal
10.	RD-O	4 MVA	40	12-07-96	Bhiwani

11.	Mastgarh	3.3 MVA	15	26-07-96	Kaithal
12.	Daba	4 MVA	15	13-08-96	Kaithal
13.	Dehla	1.3 MVA	40	30-09-96	Bhiwani
		5 MVA	50	28-10-96	
14.	M.R. Karnal		25	26-09-96	Karnal
15.	Pali/Gothra	5 MVA	100	28-09-96	Rrewari
16.	Ferozepur Jhirka	7.5 MVA	15	08-10-96	Gurgaon
17.	Badopal	1 MVA	20	31-10-96	Hisar
18.	Kadma	2 MVA	20	20-11-96	Bhiwani
19.	Nakipur	2 MVA	50	21-11-96	Bhiwani
20.	Bawani Khera	5 MVA	20	03-12-96	Bhiwani
21.	Engg. College	2 MVA	15	10-01-	Sonepat

	Murthal			97	
22.	Lad	2 MVA	20	10-01-97	Bhiwani
23.	I.A. Karnal	6.3 MVA	37	01-03-97	karnal
24.	Munak	5 MVA	20	18-06-97	Panipat
25.	Jindal Metal Hisar	2.3 MVA	60	05-08-97	Hisar
26.	Beholi	2.3 MVA	20	22-08-97	Panipat
		2.3MVA	20	08-11-97	
27.	Kharkhoda	1.3 MVA	25	22-08-97	Sonepat
		2.3 MVA	20	03-02-98	
28.	I.A. Panipat	6.3 MVA	20	27-08-97	Panipat
29.	Mathana	4 MVA	15	29-08-97	Kuruksh etra
30.	Sampla	6.3 MVA	60	24-10-97	Rohtak

31.	L.D.C Rohtak	2.3 MVA	20	30-12-97	Rohtak
32.	V.Ngr. Hisar	2.3 MVA	20	24-01-98	Hisar
33.	Mundia Khera	2.3 MVA	60	04-01-98	Mohindergarh
34.	Sanjarwas	4 MVA	40	27-01-98	Bhiwani
35	Ram Nagar	2 MVA	20	08-02-98	Karnal
36.	Mehmara	2.3 MVA	60	13-02-98	Fatehabad
37.	Mundhla	2 MVA	20	21-02-98	Hisar
38.	Badopal	2 MVA	20	28-02-98	Hisar
39.	Madho	1 MVA	10	30-07-97	Sirsa
	Singhana	5 MVA	50	24-03-98	Ambala
40.	KU Kurukshetra	4 MVA	18	26-03-98	Kurukshetra
41.	Punhana	1.3 MVA	20	11-04-	Gurgaon

				98	
42.	Telewara	1 MVA	18	16-04-98	Sirsa
43.	12-Cross Road Amabala	6.3 MVA	25	11-06-98	Ambala
44.	Kutail	4 MVA	20	15-06-98	Karnal
45.	Madho Singhana	2.3 MVA	20	30-06-98	Sirsa
46.	Larsoli	1.3 MVA	25	22-07-98	Sonipat
47.	REC Kurukshetra	7.5 MVA	28	27-07-98	Kuruksh etra
48.	MIE Bahadurghar	6.3 MVA	50	14-10-98	Jhajjar
49.	Newal	2.3 MVA	20	14-10-98	Karnal
50.	Ram Nagaria	5 MVA	41	28-11-98	Sirsa
	Total (IV)	**180.8MVA**	**1665**		

Category	**Number**	**Capacity**	Cost (Rs. in lacs)
220KV	12	425	1834
132KV	38	475.9	4299
66KV	23	217.5	2293
33KV	50	180.8	1665
Total	123	1299-2	10091

इसी के साथ अध्यक्ष महोदय, हमने मई 1996 से निम्नलिखित नई ट्रांसमि ान लाईन कमी ाशन की है, जिनकी डिटेल इस प्रकार है:—

Sr. No.	Name of transmission line	District	Length (in KMs)	Cost (Rs. in lacs)	Date of commissioning
1	2	3	4	5	6
1.	PTPP-Nissing D/C line	Karnal	40	694	24-05-96
2.	Kaithal-Pehowa 2nd Circuit	Kurukshetra	31.185	80	09-07-96
3.	2nd Circuit between 400KV Sub-Station Bhiwani (DDMB) to 220 KV Sub-	Bhiwani	6.8	200	18-03-97

	Station Bhiwani				
4.	Pehowas Shabad D/C tower	Kurukshetra	35-32	550	18-06-97
5.	Badshpur-Rewari S/C line on D/C tower	Rewari	50-167	612	21-10-97
6.	PTPP-Rohtak S/C line on D/C tower	Rohtak	63.05	890	21-03-98
7.	One Ckt of D/C Nissing-Kaithal line	Kaithal	34-86	763	31-05-98
8.	PTPs-Nissing (Ckt.I) line	Karnal	40	200	21-08-98
	Total (I)		301.382	3989	
1	2	3	4	5	6
II.	132KV				
1.	Nissing Sagar S/C line	Karnal	10.98	67	28-06-96
2.	Extenstio of PTPP-IOC D/C line to 132 KV S/stn. Munka	Paniapt	18	170	21-04-97

3.	Pehowa-Malippur-Ismailabad S/C Line	Kurushetra	23.5	103	11-07-97
4.	PTPS-IOC Refinery D/C Line	Panipat	15.22	380	21-08-97
5.	Chandoli-Chhajpur S/C Line	Panipat	10.5	756	01-12-97
6.	Diversion of 132KVA S/C Rohtak-Gohana line to 220 kV Sub Station Rohtak to 132KV sub station Rohtak	Rohtak	1.805	47	11-04-98
7.	132KV D/C line from 220 KV Sub-Station Rohtak to 132 Sub Station Rohtak	Rohtak	1.984	49.5	12-04-98
8.	2nd Circuit of Narwana-Fatehabad tohan line	Fatehabad	29	358	27-12-98
	Total (II)		111.03	1249.5	

III.	66KV				
1.	Diversion of Pinjore Panchkula line S/C	Panchkula	2.415	14	27-10-96
2.	Palwal-Hathin line S/C	Faridabad	14.11	85	24-10-96
3.	4th circuit of 66KV line from AI Faridabad-A2 Faridabad	Faridabad	7.15	57	11-05-97
4.	A5 Faridabad Badrola line	Faridabad	12	24	27-11-97
5.	T-off from Gobindpuri Paper Mill line for 66KV Sub station Chandpur S/C	Yamuna Nagar	0.986	8	21-01-97
6.	badshapurDundahera S/C on D/C line	Gurgaon	17.2	126	04-02-98
7.	66KV line for Evacuatio of power form M/s MAGNUM Power Limited, Gurgaon	Gurgaon	4.13	60	09-07-98

8.	T-Offi line from Dhuklite IOC to 66KV Sub Statio I.A. Ambala Cantt.	Ambala	1.754	21	28-08-98
	Total (III)		59.754	395	
IV	33KV				
1.	33KV Assandh-Alewa line	Jind	15	48	22-07-96
2.	Cheeka-Mastgarh line	Kaithal	12	16	02-08-96
3.	Bhuna-Nehla line	Hisar	11	40	07-08-96
4.	To-off kaithal-Sewan line for Sewan Gate Kaithal Sub Station	Kaithal	1.132	3	03-09-96
5.	Chandoli-Barsat line	Panipat	11.348	26	26-09-96
6.	Line line from 132 KV Sub station Bhahadurgarh to 33KV Sub station MIE Bahadurgarh	Jhajjar	2	4	20-03-97
7.	To-off Ratia-Teliwara for 33KV	Fatehaba	6.2	12	30-08-

	Sub station Mehmar	d			97
8.	To-off from 33KV Bahadurgarh-Sampla line to 33 KV Sub Station Surya Roshni, Bahadurgarh	jhajjar	1.9	4	10-09-97
9.	Link line form 132KV sub station Gohana Road Panipat to 33KV Sub station I.A. Paniapat	Panipat	1.1	6	26-09-97
10.	Link line form 132Kv Jhajjar Sub station Bhahadurgarh Delhi line Cirucit-I for 33Kv Sub station MIE Bahadurgarh	Jhajjar	5.5	11	29-09-97
11.	Shifting of 33KV S/C Badrola-Chhainsa link	Faridabad	3.04	6	05-11-97
12	Rai Aterna line	Sonipat	4.79	10	29-11-97

13.	T-off Fazilpur Kharkhoda line for 33KV Sub Station Bhatgaon	Sonipat	12	25	31-12-97
14.	Safidon Singhana line	Jind	15	30	10-03-98
15.	Thana-nautch line	Kurukshetra	4.8	11	07-04-98
16.	Munak-Dharamgarh line	Panipat	8	20	16-04-98
17.	to-off Jui Behal line for 33KV Sub Station Dwarka	Bhiwani	4.5	18	29-04-98
18.	T-off from 33KV Bahadurghar Sampla line for 33KV Sub station Jassorkheri	Jhajjar	5	19	07-05-98
19.	33KV Siswal Bhiwani	Hisar	17.5	44	08-05-98
20.	Pundir-Teontha line	Kaithal	7	16	01-07-98
21.	Link line form 33KV sub Station old Rohtak to 33KV	Rohtak	1.2	0.18	17-07-98

	sub station MDU rohtak				
22.	Bahadurghar Sampla line	Rohtak	1.5	29.50	30-08-98
23.	Link line from 132KV sub station Jhajjar to 33KV sub Station Jhajjar	Jhajjar	1.7	17.76	29-11-98
24	T-off from 33Kv Rewari-JC4 line to 33KV Sub station Model town Rewari	Rewari	0.2	0.4	02-12-98
	Total (IV)		166-91	416.84	

Transmission lines	Length (In KMs)	Cost (Rs. in lacs)
220	301.382	3989.00
132	111.034	1249.50
66	59.745	395.00
33	166.91	416.84
Total	639.071	6050.34

बैठक का समय बढ़ाना

श्री अध्यक्षः अगर सदन की सहमति हो तो सदन का समय आधा घंआ और बढ़ा दिया जाए।

आवाजेः ठीक है जीं

श्री अध्यक्षः सदन का समय आधा घंआ बढ़ाया जाता है।

राज्यपाल के अभिभाशण पर चर्चा (पुनरारम्भ)

श्री बंसी लालः अध्यक्ष महोदय, अब हम आगे जेा नए सब स्टे ेंज बनाने जा रहे है। वह इस तरह से हैः— 220 के0वी के 9 132 के0वी कें 25, 66 के0वी के 5 और 33 के0वीं 50 हम टोटल 89 सब स्टे ंज आगुमैंट करेगे। ट्रांसमि ान की जो नहीं लाईन बिछाएंगे वह 220 के0वी की 520 किलोमीअर, 132 के0वी की 177 किलोमीअर, 66 के0वी की 248 किलोमीटर, 33 के0वी की 315 किलोमीटर ओर 11 के0वी की 16000 किलोमीटर हैं इस पर 1025 करोड़ रूपये खर्च हेगैं 1996 में हमने जो नये सब स्टे ानंज कमी ान दिए हैं वह इस तरह से है। 220 के0वी के दो, 132 के0वी के चार, 66 के0वी के तीन और 33 के0वी के सौलह। अध्यक्ष महोदय, इनकी लिस्ट भी मै आपको बाद में भिजवा दूंगा। इस तरह से अध्यक्ष महोदय, तो Our programme is going according to the schedule. We are not lagging behind anywhere. तो अगर जिसको न दिखे जा जो न देखना चाहे तो उसका मै क्या करू? इसके अलावा नहरों के बारेमें भाई हर्श

कुमान ने बता ही दिया हैं हथनीकुंउ बैराज का काम हमने अक्टूबर या सितम्बर, 1996 में आकर भ्रुरू किया हैं इस बैराज के निम्रण्या में बिहुत देर लगनी थी लेकिन हमने जल्दी करके काम को तेज करके बार, बार उसक इंसपैक ान करके काम भ्रुरू करवाया हैं मै भी उसको च।क करने कई बार वहां जाता हूं और कई बार मिनिस्टर्ज भी वहां चैक करे के लिए जाते हैं हमारे जो यमुनानगर के दो मिनिस्टर्ज है हमने उनही इसबारे में डयूअी लगा रखी हैं इसलिए वे भी वहा जाते रहते है, इसके अलावा हमारे अधिकारी भी वहां पर समय समय पर जाते रहते हैं हमें पूरी उम्मदी है कि हम इसका जून तक चालू कर देगे। चौधरी सम्पत सिंह या चौधरी बीरेन्द्र सिंह ने कहा कि हथीन कुंड बैराज बनाने का क्या फायदा होगा। अध्यक्ष महोदय, उनको तो सही नही पता कि इसका क्या फायदा होगा तो मै उनको क्या बताऊं? अध्यक्ष महोदय, 126 साल पुराना ताजेवाला हैड वर्क्स है जो कभी भी टूट सकता है। इस हविपा या भाजपा की सरकार आने से करीब दो साल पहले चौधरी भजन लाल जी ने इस बैराज का फाउडे ान स्टोन रखवया था। हमारी सरार बनने के बाद मै वहां उसको देखने के लिए चला गया।मेन वहां पर देखा कि वहां पर केवल पत्थर ही पत्थर रखा इसके अलावा वहां पर एक भी इंट नही लगी थी मैने तो सोचा था कि इसका फाउंडे ान स्टोन रखे हुए बहुत दिनहो गये इसलिए मै देखूं कि वहां पर क्या क्या काम हुआ है लेकिन कुछ भी नही हुआ था। खैर हमने आते ही इस बैराज का ठेका दिया और इसका काम भ्रुरू करवाया।हमे ंपूरी उम्मीद है कि जून के महीन तक यह

बनकर तैयार हो जाएगा। आज ताजे वाला हैड वर्क्स की कैपेसिटी 11 हजार क्यूसिक की ही रह गयी है। जबकि इसकी कैपेसिटी 16 हजार कयूसिक की थी। अब 11 अजार क्यूसिक से ाज्यादा पानी इमसें नही चल सकता। इस हथनीकुड बैराज के बनने में यह फायदा होगा कि जब यमुना नदी में पानी ज्यादाा होगा उस वक्त हमों वहां से 11 हजारया 16 हजार क्यूसिंह पानी के बजाए बीस हजार या 25 हजार क्यूसिक पानी मिलेकगा। वैसे नोर्मली साल में तीन महीने ही ज्यादा पानी होता हैं जितने इलीाके में वैस्टन यमुना कनाल का पानी लगाता हैं यदि उतने इलाके में तीन महीन वह पानी चला जाए तो वह खरीफ की फसल पका देगा ओर साढ?त्री की फसल को भी कास्त करवादेगा लेकिन हमारे इन भाईयों को इसका कोई फायदा ही नजर नही आता कि इससे क्या फायदा होगा। अध्यक्ष महोदय, जहां तक सिंचाई का सवाल है हमने कहा था कि हम टेल तक पानी पहुंचाएंगे इसलिए हम 1995–96 के मुकाबले जब कांग्रेस की सरकार थी,ा 6 लाख एकडत्र से ज्यादा धरती के लिए नहरे ंसाफ करके टेल तक पानी पहुंचा रहे है। अगर आप कम से कम भी कीमत लगाओं तो किसान को सालाना तनी सौ करोडत्र रूपये काफायदा इससे हुआ हैं चोधरीसम्पत सिंह ने यह भी कह दिया कि वर्ल्ड बैक ने जो डब्ल्यू0आर0सी0पी0 का हथनीकुण्ड बैराज वे नहरों का काम है वह ठीक नही हो रहा हैं 4 दिसम्बर 1998 को आज से करीब डेढ या पौने दो महीने पहले हामरे पास यह चिट्ठी आई हैं वर्ल्ड बैंक के मि0 लिम की, डनहोने लिखा है–

"I am pleased to note that for the first time the detailed monitoring of the project progress has started. Implementatio capcity has been improved through filling of all Chief Engineer's, post; and cooordination which has bene a persisten weakness, has been strengthened by the appointment of full time project Director. These improvements in overall object, managment are showing signs of postive impact on implementations."

वे हमारी तारीफ कर रहे है ये कहते है कि काम ठीक नही हो रहा। पता नही ऐ से जैड पढ़ते है या जैड से ए पढ़ते है। अध्यक्ष महोदय, 1987 से 1991 तक जब लोकदल की सरकार थी उउस वक्त प्रदे ा में टोटल 930 टेल थी और पानी की भॉर्टेज थी। 190 टेलों मे ंपानी नही पहुंचता था। आज हमने कुछ नहरें ओर बनाई है 930 की बजाय 1072 टेल हो गई हैर 1072 में से जिन टेलों पर पानी नही पहुंच रहा है वे टेल 79 है और इसमें भी वैस्टर्न यमुना कैनाल के इलाकों में 8 टेलों पर पानी नही आता, भाखड़ा कैनाल में 6 में नही आता, लिफ्ट दीरगे ान में 65 टेलों में पानी नही आत। हम ये पानी पहुंचाने की भी पूरी कोि ा ा कर रहे है। अध्यक्ष महोदय, एक सरकार को, प्रजातंत्र की सरकार को, एक चुनी हुई सरकार को जितने काम करने चाहिए वह हम कर रहेहै और हम जनता की भलाई के काम कर रहे हैं मै तो एक बात और कहता हूं कि जितन भी विरोधी हमारे खिलाफ भाोर मचाते है। उतना ही समझ लेना चाहिए कि हम हरियाणा की जनता के हक में अच्दे काम कर रहेहै क्येांकि लोग हमारे पास

आएंगे और इससे भाग जाएंगे, इनके पास कोई जाएगा नही तो इनको देर्द होगा ओर यह दर्द तो बढ़ता जाएगा घटेगा नही। मुझे नही नगता कि यह दर्द कभी घटेग। पंजाब से जो पानी हमकों आता है उसके दो रास्ते है। एक तो भाखडत्रा की मेन लाईन और एक नरवाना ब्रांच। देा मे ंपानी आत है इसमे ंपानी आना चाहिए 10800 या 10900 क्यूसिक। आज बी0एम0एल0 में पानी की कैपेसिटी 6772 है और एक्जिसंटिग कपैसिटी मे ंपानी आज 5700 क्यूसिक आरहा है जो 1072 क्यूसिक कम हैं यह पानी कम क्यों आ रहा है क्योंकि धीर धीरे ि ाल्ट बढ़ती गई और किानो कमजोर होते गए औरयह सिलसिला पिछले 15–20 सालों से चल रहा है। नरवाना ब्रांच में 4022 क्यूसिक की कैपेसटिी है और पानी आ रहाहै 3400 क्यूसिक यानी 622 क्यूसिक पानी कम आ रहा हैं अध्यक्ष महोदय, हमने पंजाब सरकार को 10 करोड़ रूपये 84 लाख रूपये दे रखे हैं और हमारा कमा हैं कि हम अपना पानी पूरा लें 200–400 क्यूसिक पानी तो भाायद बढ़ा हैं उससे हमारी तसल्ली नही होती। हम चाहते हैं कि जो पानी कम आ रहा है। वह हमकों पूरा मिले। पीछे जो सरकारें रही चाहे वह लोकदल की सरकार रही हो या कांग्रेस की सरकार, अगर वे इस बात पर ध्यान देती तो आज हरियाणा के किसानों को पूरा पानी मिलता और यह पानी कम नही होता। हम किसान का पूरा पानी देगे चाहे इसे लिए हमें और पैसा पंजाब सरकार को देना पड़े। मगर हम किसानों को पूरा पानी लाकर देगे। विपक्षी भाईयों को पेट में दर्द क्येां हाता है। क्योंकि जो 18 लाख एकडत्र भूमि के लिए पानी था

वह दक्षिणी हरियाणा का पानी था वे उस पानी को अपने इलाके में लाख एकड़ भूमि के लिए पानी था। फिर कहते है कि दक्षिणी हरियाणा के साथ अन्याया हो रहा हं अरे, मै तो खुद दक्षिणी हरियाण का हूं।, मुझ ेदर्द होना चाहिए था लेकिन उनको इतना दर्द हैं यह सब रिकार्ड साबित हो सकता हैं और फिर कहते है कि दक्षिणी हरियाणा के साथ भेदभाव हो राह हैं दक्षिणी हरियाणा के साथ सौतेले व्यवहारहो रहा ह। अध्यक्ष महोदय, वे विपक्ष के साथी सदन में नही है मै उनको बताना चाहता हूं कि दक्षिणी हरियाणा के एिल मेरे सिवाय किसी और सरकार ने किया क्या है? जब से हरियाणा के सथ सौतेले व्यवहार हो रहा है। अध्यक्ष महोदय, वे विपक्ष के साथी सदन में नही है मै उनको बताना चाहता हूं कि दक्षिणी हरियाणा के लिए मेरे सिवाय किसी और सरकार ने किया क्या हे? जब से हरियाणा बना है तबसे लेकर आज तक जितने भी मुख्य मंत्री आये मेरे से ज्यादा दक्षिणी हरियाणा का काम किसी ने किया। दक्षिणी हरियाणा के हर गांव में बिजली मैने लगवाई हरगांव में सड़के मैने पहुंचाई, वहां नहरों की बात कोई सोच भी नही सकता था लेकिन लिफ्ट इरीगे ान स्कीम ैने चलाई, अहीरवाला के लिए जवाहर लाल लेहरू कैनाल मैने बनवाइ,इस नहर का कमा मैने जहां पर छोडा था वह काम वही पर मिला दूसरी सरकारारें ने तो इसकाम पर एक ईंट भी नही लगाई। उनमें अहीरवाला क्षेत्र के कुछ मंत्री भी रहे जैसे कैप्टन अजय सिंह और दूसरे जो भजन लाल की सरकार मे मंत्री हो रहे थे। वे मुझे यह बता दे कि अपने समय में समें एक इच भी नहर नही बनावाई वह

भी दक्षिणी हरियाणा के रहने वाल`थे। वे लोगों को बहकाने ी बातें करते है। मुझे ता उनकी बातों को सुनकर ताज्जुब होता है। कि वे क्या कहते है। अध्यक्ष महोदय, दक्षिणी हरियाणा` लिए कुछ कर सकूंगा तो मै ही कुछ करूंगा। अब रिवाड़ी लिफ्ट इरीगे ान स्कीम जिस पर 40–50 करोड़ लगभग पैस ाखर्च होना है उसका फाउंडे ान स्टोन रख कर आया हूं और उसकों हम दो साल में बनाकर तैयार कर देगे। इनको दक्षिणी हरियाणा का दर्द है। आज कैप्टन अजय सिंह मुझ से कहे है कि मेरे खेत में पानी लगवा दो तो मैने कहा कि भाई आप पांच साल तक मिनिस्टर थे उस समय क्यों नही लगाया? जब नही बोले। तो मुझे ता उन लोगों की बातों पर हैरानी होत ीहै कि वे क्या कर रहे है और किस लिए कह रहे है? चौधरी सम्पत सिंह की बातों पर हैरानी हाती` कि वे क्या कर रहे है, और किस लिए कह रहे हैं? चौधीर सम्पत सिंह जीन` एक बात कही। उनहोने कहा कि एस्टिब्लिसमैंट पर खर्चा जयादा होता हैं अध्यक्ष महोदय, हम तो एस्टिब्लिसमैंट पर खर्चा उन्हीका पैदा किया हुआ भुगत रहे हैं वे अपने समय में लोगों को भर्ती करते गयी, भत्री करने की कंसीडिरे ान क्या थ यह मुझे मालूम नही है। अध्यक्ष महोदय, विपक्ष के लोगो ंने उस समय इतना ज्यादा स्टाफ भर्ती कर दिया आज भी सरप्लस हैं हम तो उनके द्वारा ज्यादा स्टाफ भर्ती किया है उसके ही इधर उधर अबजोर्ब कर रहे है। तथा ये लोग उल्टा हमें ही कते है कि एस्टिब्लिमैंट पर खर्चा ज्यादा हैं अध्यक्ष महोदय, मै मानता हूं कि एस्टिब्लिसमैंअ पर ज्यादा खचार्ज हो रहा हैं ओर यह कम होना

चाहिए लेकिन हम किसी भी कमचारी को निकाल नही सकते, न ही हम सिी को निकालना चाहते है। अगरहम किसी गरीब आदमी को निकाल दते है तो वह कहां जायगा, और हम किसी को निकालना भी नही चाहते। अध्यक्ष महोदय, ये जो हालात आज पैदा हो गये है ये इनकी सरकार के द्वारा ही ज्यादा भर्ती करके पैदा कियए हुए है अध्यक्ष महोदय, मेरी विपक्ष के भाई सिंचाई और फसल के बारे में भी कहते है। कि इस साल पिछले साल के मुकाबले 2.50 लाख एकड़ भूमि मे ंरबी की ुसल की ज्यादा बिजाई हुई है ंयह बिजाई कांग्रेस या लोकदल की सरकार के समय से तो बहुत ज्यादा है। इन लोगों को तो इस बारे ं कुछ भी नही पता और नह ी ये जानने की कोि ा करत हैं अध्यक्ष महोदय, जितनी जमीन इस साल वगैर बिजाई के रही है इतनी जमीन तो हम साल रहती ही है। कोई साल ऐसा नही जिसमें ने रहती हो। इसके अतिरिक्त अध्यक्ष महोदय, खेाती तो पानी लिकानते क लिए जितनी जलदी कार्यवाही मेरी सकरार ने की है,इ तनी जलदी किसी दूसरीसरकार ने नही की, चाहे इस बारे में मेरे विपक्ष के भाई किसानों से पूछ लें या कियी ओर से पूछ लें। जहां तक एस0वाई0एल0 नहर का संबंध ाहै यह नहरतो मै बनवाकर ही रहूंगा। अध्यख होदय, इस साल बेमौसमी बरसात की वजह से किसान, दुकानदार और सरकार सभी को बहत तयादा नुक्सान हुआ है ंतथा इस ओर भारत सरकार क ध्यान आकि र्ति किया गया हैं और भारत सरकार के प्रधानमंत्री ने एक टीम भेजकर स्टेट में बाढत्र से जो नुक्सान हुआ उसका निरीक्षण करवाया औरउस

टीम ने अपनी रिपोर्ट भी दे दी हैं अध्यक्ष महोदय, नेचरल कलेमेटी के लिए एक मिटिंग ेन्द्रीय मंत्रियेां को हुआ करतीहै वह अभी नही हुई है इसलिए हमें बाढ़ पीडितों की राहत के लिए केंद्र से पैसा नही मिला ओर न ही पंजाब की सकरार को मिला हैं अध्यक्ष महोदय, मेरी विरोधी पक्ष के भाई कर रहे थे कि पंजाब में जिस खेत में फसल नही बोई गई उस खेत के किसान को 3000 रूपये मुआवजे के रूप में पंजाब सरकार ने दिए। इस बारे में हमने पता कर लिया हैं कि पंजाब की सरकार ने एक नया पैसा भी नही दिया। अध्यक्ष महोदय, हरियाणा प्रदे ा में जिन किसानों की फसल बरबाद हो गई या उनकी फसल का नुक्सान हो गया हम उनको मुआवजा देगे। इसके अतिरिक्त अध्यक्ष महोदय, मै आपको हथीन कुण्ड बैराज के बारे में बताना चाहता हूं कि इस बैराज पर काम भाुय करने की तारीख 14 अक्तूबर है ओर इस पर 219.19 लाख रूपये खर्च किया जायेगा। इन भाईयों को यह चरमराहट हो रही हैं कि यह सरकार सब काम कैसे कर रही हैं विपक्ष के इन भाईयों को खुद तो कोई काम करना आता नही है ओर दूसरे लोगों को काम करते दुखकर गिला ि ाकवा करते है या उलाहने देते हैं अध्यक्ष महोदय, नवार्ड से हमने इरीगे ान की स्कीमों के लिए 212 करोडत्र 40 लाख रूपये का ऋण मंजूर कराया है ओर रिवाडत्री लिफ्ट इरीगे ान के लिए भी नवार्ड से 39 करोड़ 90 लाख रूये का ऋण मजूर कराया है जिससे हम 78 हजार 790 एकड़ भूमि मे ंपानी पहुंचायेगे अैर पूरे लोकदल के हो कि कभी इन्होने अहीरवाला में किसी एक गांव को भी फायदा पहुंचाने के

लिए कोई काम किया हो। अध्यक्ष महोदय, मै एक बात ओर डी0ए0पी0 खाद के बारे में कहना चाहता हूं। चौधरी धीरपाल जी ने कहा कि इसबार खाद की कमी रही हैं लेकिन अध्यक्ष महोदय, इस संबंध में मै उनको बताना चाहूंगा कि डी0ए0पी0 खाद की कोई कमी नही रही। अलबत्ता सप्लाई में कही कही पांच दिन या चार दिन या सात दिन लेट जरूर हुई हैं और वह`दरी अकेले हरियाणा में नही बल्कि पूरे हिन्दुस्तान में यह देरी हुई। पंजाब में तो बहुत बुरा हाल था लेकिन हम तो इस मामले में चौकन्ने थे। अध्यक्ष महोदय, जहां तक बी की बात है तो हमने 98 हजार क्विंटल सटिफाइड बीज दिया जब कि पिछली फसल में सिर्फ 87 हजार क्विटल बीज लगा था अेर जो खाद की बात है इसमें 1998–99 में हमने 2 लाख 96 हजार क्विंटल खाद दी जब कि पिछले साल कीफ फसल में यह फिगर 2 लाख 26 हजार क्विटलथी। इस बारे में बाकायदा नोट है कि–

"There was no shortage of D.A.P. fertilize in the state during the month of the November, 1998. The state Govt. arranged 2.19 lakhs meteric tonne D.A.P. fertilizer during the months of October-November, 1998., as againist the consumptio of 1.99 laksh metric tonne."

यानी दो लाख 12 हजार मिट्रिक टन का हमने प्रबन्ध किया और 1 लाख 99 हजार मिट्रिक टन की खपत हुई तो कमी कहां रही, कोई खाद की कमी नही रही हैं हां, लेट की बात मै मानता हूं कि कई जगह पांच दिन, चार दिन, सात दिन या दो

दिन लेट जरूर हुई ओर बाद मे ंसरफ्पलस भी पड़ी रही। अध्यक्ष महोदय, जहां तक खरीफ की फसल या रबी की फसल की बात है, इस साल हम समझते है कि यह 114 लाख 42 हजार टन होगी, यह य हमारी उम्मीद हैं इसके अलावा जो मिनी सचिवालाय या जूडि ज्ञयल कम्पलैक्स की बात है ये जगह जगह बन रहे। अध्क्षम होदय, रबी की फसल की जो पिछले पांच साल में का त हुई उसके बारे में मै बतना चाहूंगा। 1994–95 में 30 लाख 27 हजार हैक्टेयर भूमि में रबी की फसल की का त हुई, 1995–96 में 29 लाख 77 हजारहैक्टयेर भूमि में, 1996–97 में 30 लाख 23 हजार हैक्टेयर भूमि मे ंरबी की फसल की का ात हुई यानी 1 लाख 56 हजार हैक्टेयर रबी की फसल की का त ज्यादा हुई। इसका मतलब यह हुआ कि पौने चार लाख एसड़ धरती में पिछले साल के मुकाबले रबी की फसल की ज्यादा का त हुई हैं अध्यक्ष महोदय, चौधरी सम्पत सिंह ने एक दिन कए क्वै चन पूछा था, अधिकारियों क?ने उस बारे में हमे फिग्गर्ज तो दे दिए थे लेकिन वे फिग्र्ज हिन्दी में लिखी होने की वजह से हम उनको अच्दी तरह से नही पढ़ पाए। अध्यक्षम होदय, 1998 में बेल जम्पर्ज, एस्केपों फरोम जेल और पी0ओज0 इस प्रकार है, पी0ओज0 131, बेल जम्पर्ज 807, एस्केपों फरोम जेल 15 टोटल 1006 और 1998 में अबस्कैन्डर्ज 8, बेल जम्पर्ज 193ण एस्केपों फरोम जेल 24। दिस इन्कल्यूड 225 थ्री एस्केपों फरोम जेल हमरे गिरफ्तार किए। जो 1998 में भागे हुए थे उनमें से बहुत से एट लारज भी होगें गिरफ्तार भी नही हुई होगें अध्यक्ष महोदय, एक बात इभ्क है कि

गाडियों की चाज़ैरी ज्यादा हुई है उसका सबसे बडत्रा कारया तो यह है कि गाड़ियों बहुत ज्यादा हैं एक–एक घर में 3–3 और 4–4 गाड़ियों हो गई हैं घर के अन्दर जगह न होने के कारण गाड़ी खड़ी नही कर सकते, घरसे बाहर खड़ी कर दते हैं रात को कोई लेकर भाग जाता हैं पिछले डेढ महीनेके अर्से में चोरियों भी हुई है क्योंकि सारी रात धुंध होती थी रात को ही नही बलिक दिनभरी भी धुंध होती थी। धुंध में चोरी के चांसिज ज्यादा होती। चोरियों हुई है उससे हम इन्कार नही करते।

बैठक का समय बढ़ाना

Mr. Speaker: Is it the sense ofthe House that the time of the sitting be extended by half on hour?

Voice: Yes.

Mr. Speaker: The time of the sitting is extended by half an hour.

राज्यपाल के अभिभाशण पर चर्चा (पुनराम्भ)

श्री बंसी लालः अध्यक्ष महोदय, 1995 के मर्डर के केसिज 703 थे और 1998 में से 807 हो गए ये केसिज बढ़े है लेकिन हर साल इनकी रे ाों अढ़ाई तीन परसैट थ्रू आडट कंटी बढती हैं हरियाणा प्रदे ा कोई अकेल अलग नही हैं अध्यक्ष महोदय, कल्पबेल होमोसाइट आई0पी0सी0 304 के कसंजि 21 परसैट घटे हैं अटैम्पट टू मर्डर 3 परसैअ कम हुए है रेप के

कसंजि अढाई परसैट कम हुए हैं किडनैपिक/अबडक ान के केसिज 20 परसैंट बढत्रे. है लेकिन हमने बहुत से केसिज वर्क आउट कर लिया हैं इसी तरह से अध्यक्षम होदय, जो ामर्डर हेाते है उनमें प्रोपर्टी डिसप्यूट, फैमिली डिप्यूट, इलिसिट रिले ान, स्स्पीजन औफ करैक्टर, डिप्यूट औन वाटर ओलड एकिनमिडी मर्डर टू कमिट क्राइम अगेस्ट प्रोपर्टी, मर्डर टू कमिट रेप ट्रांजैक ान औफ मनि, गैंग राइवलरी, एनी अदर रिजन अनआईडैटीफाइड डैड बौडी। अध्यक्ष महोदय, जो मर्डर होते है उनमे ंप्रोपर्टी डिसप्यूट, फैमिली डिसप्यूट, इलिसिट रिले ान, सस्पीजन औफ करैक्टर, डिसप्यूट औन वाटर, ओलड एनिमिटी, मर्डर टू कमिट क्राइम अगेस्ट प्रोपर्टी मर्डर टू कमिप रेप, ट्रांजैक ान औफ ंनि गैगर राइवलरी, एनी अदर रिजन अन आईडैटीफाइड डैड बाड़ी । अध्यक्ष महोदय, 1998 को 69 डैड बौडीज ऐसी जिनको काई पहचानने वाला नही आया। मर्डर कही किया ओर डैड बौडी हरियाणा प्रदे ा में डाल गए। हमने उन डैड बौडीज के बारे में पूरी स्टेट में खर कर दी। दिल्ली, राजस्थान, जंजाब ओर उततर प्रदे ा हर जगह मने ह्यू एंउ क्राइ की सूचनाभेज दी लेनिक 69 डैड बौडीज ऐी जै जिनका आज तक कोई क्लमेंट नही आया और न ही किसी ने उनको पहचाना। मर्डज कीसंख्या मे बढ़ौतरी का यह भी एक कारण हैं अध्यक्ष महोदय, हमने अब तक मर्डर्ज के 76 परसैंट कैसिज ट्रेस कर लिए और क्ल्पकेबल होमीसाई के 81 परसैट केसिज ट्रेस कर लिए। इस तरह से रेप की 93 परसैट, किडनैपिंग और अबडक ान के 73 परसैट और टोटल क्राइम अगेंस्ट पर्सन 93 परसैट केसिज

ट्रेस कर लिए। अध्यक्ष महोदय, रिकवरी इन क्राईम अगेन्सट पसर्नज 1998 में हमने 61 परसैट ट्रैस कर लिए और आल इण्डियों की फिगर्ज है 31 परसैंट। रोवरी में 65 परसेंट ट्रेस कर लिया है जबकि आल इण्डियों की 37 परसैंट फिगर्ज हैं थैप्ट के केसिज में प्रोपर्टी 40 परसैंट रिकवर कर ली है जबकि आल इण्डिया लैबल की फिगर्ज 27 परसैट फिगर्ज है थैप्ट के कसंज में प्रोपटी 40 परसैंट रिकवर कर ली हैं जबकि आल इण्डिया लैवल की 34 परसैंट हैं क्राईम क्लासिफिके ान के मुताबिक हमने डकैती में 83 परसैट रिकवरी ली हैं और आल इण्डियों की 21 परसैट रिकवरी है। इसी प्रकार से रोबरी में 60 परसैट रिकवरी हुई है जबकि आल इण्डिया की 29 परसैट फिगर्ज बैठती हैं इसी प्रकार से बरगलरी में हमने 41 परसैअ रिकवरी कर लीहै जबकि आल इण्डिया की 21 परसैट रिकवरी है थैफ्ट में हमने 61 परसैट रिकवरी की है जबकि आल इण्डिया में 38 परसैअ रिकवरी है। It woul not be out of place of mention here that the percentage of recovery in crime against the property in Haryaja has been the hightes in the county as reported byu the by Natinal Crim Record Bureau. This year total property worth Rs. 2324 lakhs was recovered. अध्यक्ष महोदय, हमने आल इण्डिया से सटिफिकेट ले रखा हैं क्राईम की प्रोपर्टी रिकवरी करने के मामले में हम टौप करते हैं अध्यक्ष महोदय, इसके अलावा हमार जो ऐडमिनिस्टे ान है, हमारी जो पुलिए है वह बड़ी मुस्तैदी के साथ कम कर रही है कलय परसों गुडगाव में बैंक डकैती हुई ओर पहले डाकखाने से भी 11–12 लाख रूपये लूट कर ले गए थे, वे डाकू पकडे गए। उसमें

अकेले 22–23 लोग हरियाणा के थे। इस तरह से गैग के बाद गैंग पकड़े जा रहे हें पुलिस की कार्यवाही से डरते हुई कोई उत्तर प्रदे ा भाग रहा है कोई कोहलापुर भाग रहा है। कोई कही भाग रहाहैं हम तो चाहे है कि वेभाग जाये ताक वहां चोरी न कर सकें। अध्यक्ष महोदय, बेबी किल्लर कांड बहादुर गढ काफी दिन तक चला। पहले एक आदमी कांग्रेस की सरकार के समय पकड़ा गया था पता नही कैसे पकड़ा था। अध्यक्ष महोदय, जो आमदी अब बेबी किल्लर के बारे में झज्जर में पकड़ा गया है उस पर कोई थर्ड डिग्री मैथड इस्तेमाल नही किया गया बलि एस0पी0 नले बड़ प्यार से पूछा कि तेने ऐसा केयां किया? यह आदमी गाजियाबाद का रहने वाला हैं उससने बताया कि मेरे पिता जी ने मेरे साथ ज्यादाती की हैं मेरे छोटे भाई बहन की तो भाादी कर दी लेकिन मेरी नही की। फिर मै बहादुरगढ़ से चार हजार रूपये कमा कर ले गया था। वे रूपये मेरे चाचाा ने छीन लिए और वह हजम कर गयां उउसके बाद मैने यह कम भाुरू कर दिया। एक एक करके सिक्वैसवाईज सब क्राइम उसने बता दिए पुलिए वालों ने उसको अखबारा वालों के हवाले कर दिया। बहादुरगढ़ में उसने सारी बात एक एक करके अखबार वालों को बताई वे इनको खुद ट्रैस कर लें अध्यक्ष होदय लॉ एण्ड आर्डर हो हम पूरी तरह से मनटेल कर रहे हैं होम मिनिस्अर साहब और मै कल राम के 12 बजे तक को जो हीनियस क्राईम स्टेट में दर्ज हुआ है उसकी रिपोर्ट सबसे पहले हमारे पास आ गई होगी और जब हम घर जाएंगे तो वह रिपोर्ट तैयार मिलेगी। पूरी स्टेट की सारी खबर रात को लेकर हम

सोते है। हम ग्रीन बिग्रेड के गुण्डे नही पालत। अध्यक्षम होदय, सड़कों का काम हमने बड़ी तेजी से भाुरू किया हुआ है इसके लिए भारत सरकार को परस्वेड कर रहे है ओर भारत सरकार हम पर मेहरबान भी हैं एक तो अम्बाला से हिसार ने ालन हाईवे डिक्लेयरहो गया है और बाबल से रिवाड़ी, रिवाड़ी से झज्जर, झज्जर से रोहतक और रोहतक से पानीपत ने ानल हाईवे डिक्लेयरहेा गए हैं और नरवार से जींद और जींद से रोहतक ने ालन हाईवे डिक्लेयर हो गया तथा रोहतक का पतो पहले ने ाल हाईवे हैं अध्यक्ष महोदय, एक सहारनपुर से यमुना नगरर, यमुना नगर से साहहा, और साहा से पंचकूला ने ालन हाईवे डिक्लेयराहो गया। अध्यक्ष महोदय, एक और नै ाल हाईवे बलदेव नगर अम्बाल से लेकर भाहजादपुर काला आम्ब और नारायणगढ़ तक मंजूर हो गया हैं अध्यक्ष होदय, यह बहुत बड़ी उपलब्धि हैं हम भारत सरकार के भाुक्रगुजार ह कि उनहोने यह काम कर दिया है। अभी हामरी एक दो मांगे ंऔर भी बचती हैं एक जो मांग हारी बचती है कोटपुतली से नारनौल, नारनौल से महेन्द्रगढद्य से दादरी, दादरी से भिवानी, भिवानी से जींद और जींद से कैथल ये हमारी मांग और बचती है ओर हमें पूरी उम्मीद है कि भारत सरकार इस मांग को मान लेगीं अध्यक्ष महोदय, अगर भारत सरकार इस मांग का नही भी मानती तो हम इस काम को खुद करेगे क्योंकि सड़क का काम तो करना ही पड़ेगा। सड़कों की मरम्मत बड़ी तेजी से के साथ भाुरू हो गई है पिछले 6–7 महीनों से मौसम फरबदल नही था पहले बारि ा आ गई ओर फिर फोग

भाुरू हो गया ताि नमी भाुरू हो गई लेकिन अब सड़कों का काम तेजी से चल रहा हैं अध्क्ष महोदय, यहां सदन मे ंआज ही पानी के बारे में बात आई और यमुना एक ान प्लान पर चर्चा हुई। अध्यक्ष महोदय, यमुना एक ान प्लान के तहत जगाधारी, यमुना नगर, इन्द्री करनाल घरौण्डा, पानीपत, सोनीपत, गुडगांवा, फरीदाबाद, बल्लभगढ़ पलवल आदि मे ंसे किसी में तो काम पूरा हो गया है और किसी में काम चालू है इसके अलावा मै यह बताना चाहूंगा कि हमार हल्थ डिपार्टमैंट भी बहुत ही अच्छा काम कर रहा हैं आज सुबह लीडर आफ दि ओपोजी ान ने धोतर गांव के बारे में कहा, उस बारे में हम चौकन्ने हैं प्छिले साल हमने डेढ करोड़ रूपए के इजैशन लगाए औ अब भी जो करना पड़ेगा वह म करेगे। अध्यक्ष महोदय, डिवैल्पमैंट और पंचायत का महकमा बहुत ही अच्दा काम कर रहा हैं महामहिम राज्यपाल ने अपने अभिभाशण में जो कहा है उन सभी बातो ंपर यहां पर चर्चा हुई हैं कोई भी बात बाकी नही रही। उन्होने बहुत कुछ इस बारे में कहा दिया। ि ाक्षा के क्षेत्र में जैसे राम बिलास भार्मा जी ने बताया कि पढ़ाई का स्टैडर्ड ऊंचा जा रहा है यह बहुत ही अच्छी बात बात हो रही हैं इन सब चीजों से हरियाणा की जनता को फायदा हो रहा हैं हरियाणा की जनता को जितना फायदा हो रहा है उतनी ही हमारे विरोधी भाईयों को तकलीफ हो रही हैं यह तो उनको होती रहेगीं और उनकी यह तकलीफ हमसे घटाई नही जाएगी। इन भाब्दों के साथ में अध्यक्ष महोदय आपसे ओर सदन के सभी सदस्यो से

प्रार्थना करूंगा कि इस धन्यवाद प्रस्ताव को पास कर दिया जाते हैं धन्यवाद।

Mr. Speaker: Question is—

"That an Address be presented to the Governor in the following terms:-

"That the Members of the Haryana Vidhan Sabha assembled in the Session are deeply grateful to the Governor for the Address which he has been pleased to deliver to the House on the 28th January, 1999.

The motion was carried.

वर्श 1998—99 के अनुपूरक अनुमान प्रस्ताव करना

Mr. Speaker: Now the Finance Minister will present the supplementary Estimates for the year 1998-99.

Finance Minister (Sh. Charan Dass): Sir, i beg to present the supplementary estimates for the year 1998-99.

प्राक्कलन समिति की रिपोर्ट प्रस्तुत करना

Mr. Speaker: Now, Sh. Narpender Singh, Chairperson, Estimates Committee will present the report of the committee on Estimates on the supplementary Estimates for the year 1998-99.

Chairperson, Estimates committee (Sh. Narender Singh): Sir, I beg to present the Report of the Committee on

Estimates on the Supplementary Estimates for the year 1998-99.

सरकारी संकल्प

सरकारी प्रतिभूतियों से संबंधित अधिनियम बारें

Mr. Speaker: Now, a Minister will move the official Resolution.

Minister of State for Parliamentary Affairs (Sh. Attar Singh Saini):

"Whereas, the Haryana Legislative Assembly considers that it is desirable to have uniform law throughout India for the regulation of Public Debt of the States and for all matter connected there with or ancillary and incidental thereto.

And where, the subject matter of such a law is relatable mainly to the matter enumerated in entry 43 in List Ii in the seventh Schedule to the Constitution of India.

And whereas, the Public Debt Act, 1944 is applicable for marketable loans raised by Reserve Bank of India on behalf of both the Union and the State Governments.

And whereas, it is felt desirable to repeal the Public Debt. Act, 1944 and replace the same with at new Legislative viz, "Government Securest Act" in order to enable the reserve band of India to render efficient and improved service to the holders of Government securities.

Now, therefore, in pursuance of clauses (I) of Article 252, this Assembly hereby resolves that the Parliament be empowered to regulate by law matters relating to Government securities and all the other matter connected therewith or ancillary or incidental thereto."

Mr. Speaker: Motion moved—

"Whereas, the Haryana Legislative Assembly considers that it is desirable to have uniform law throughout India for the regulation of Public Debt of the States and for all matter connected there with or ancillary and incidental thereto.

And where, the subject matter of such a law is relatable mainly to the matter enumerated in entry 43 in List Ii in the seventh Schedule to the Constitution of India.

And Whereas Parliament has no power to me such a law for the states with respect to the matter enumerated in entry 43 in List Ii aforesaid except as provided in Articles 249 and 250 of the Constitution of India.

And whereas the public Debt Act 1944 is applicable for marketable loans raised by Reserve Bank of India on behalf of both the union and the state Governments.

And whereas, it is felt desirable to repeal the Public Act, 1944 and replace the same with a new Legislation voz' Government Securities Act." in order to enable the Reserve Bank of India to render efficient and improved service to the holders of Government Securities.

Now, therefore, in pursuance of clause (I) of Article 252, this Assembly here by resolves that the Parliament be empowered to regulate bylaw matters relating to government securities and all other matter connected therewithal ancillary or incidental thereto."

Mr. Speaker: Question is-

"Whereas, the Haryana Legislative Assembly considers that it is desirable to have uniform law throughout India for the regulation of Public Debt of the States and for all matter connected there with or ancillary and incidental thereto.

And where, the subject matter of such a law is relatable mainly to the matter enumerated in entry 43 in List Ii in the seventh Schedule to the Constitution of India.

And Whereas Parliament has no power to me such a law for the states with respect to the matter enumerated in entry 43 in List Ii aforesaid except as provided in Articles 249 and 250 of the Constitution of India.

And whereas the public Debt Act 1944 is applicable for marketable loans raised by Reserve Bank of India on behalf of both the union and the state Governments.

And whereas, it is felt desirable to repeal the Public Act, 1944 and replace the same with a new Legislation voz' Government Securities Act." in order to enable the Reserve Bank of India to render efficient and improved service to the holders of Government Securities.

Now, therefore, in pursuance of clause (I) of Article 252, this Assembly here by resolves that the Parliament be empowered to regulate bylaw matters relating to government securities and all other matter connected therewithal ancillary or incidental thereto.

The motion was carried.

(ii) क्लेसर वन्य जीव अभयारण्य का पुनसीमांकन सम्बन्धी

Mr. Speaker: Now the Minister of state for Parliamentary Affairs will move the second official resolution.

Minister of state for Parliamentary Affairs (Sh. Attar Singh Siani): Sir, I beg to move-

"Whereas the areas specified in Haryana government, wild life preservation Department, Notification No. S.O. 161/C.A.53/1972/S.26-A/96, dated 13the December, 1996, comprising the areas of Kalesar was declared to be sanctuary for the purpose of protecting, propagating and declared to be sanctuary for the purpose of protecting, propagating and enveloping wild life and its environment from 24the December, 1996.

And whereas for the construction of Western Jamuan Canal Channel and Western Jamuna Canal Hydro Electric Project and area of 26669 hectares is required.

And whereas the said area of 29669 hectares forms part of Kalesar Wild Life Sanctuary

And whereas for requiring the said area of 29669 hectares the boundaries of the said Kalesar Wild life Sanctuary are required to be altered.

Now, therefore, in pursuance of the provisions of sub-section (3) of Section 26A of the Wild Life (Protection) Act, 1972 (Act 53 of 1972), the Legislature of the State of Haryana hereby resolves to alter the boundaries of the said sanctuary declared vide Haryana Government, Wild Life Preservation Department Notification No. S.O. 161/C.A. 53/1972/S.26-A/96 dated the 13th December, 1996 by excluding there from the area of the Kalesar Wild Life Sanctuary as mentioned in the Schedule appended hereto and redemarcation of the boundaries of the Kalesar Wild Life Sanctuary."

Mr. Speaker: Motion moved-

"Whereas the areas specified in Haryana government, wild life preservation Department, Notification No. S.O. 161/C.A.53/1972/S.26-A/96, dated 13the December, 1996, comprising the areas of Kalesar was declared to be sanctuary for the purpose of protecting, propagating and declared to be sanctuary for the purpose of protecting, propagating and enveloping wild life and its environment from 24the December, 1996.

And whereas for the construction of Western Jamuan Canal Channel and Western Jamuna Canal Hydro Electric Project and area of 26669 hectares is required.

And whereas the said area of 29669 hectares forms part of Kalesar Wild Life Sanctuary

And whereas for requiring the said area of 29669 hectares the boundaries of the said Kalesar Wild life Sanctuary are required to be altered.

Now, therefore, in pursuance of the provisions of sub-section (3) of Section 26A of the Wild Life (Protection) Act, 1972 (Act 53 of 1972), the Legislature of the State of Haryana hereby resolves to alter the boundaries of the said sanctuary declared vide Haryana Government, Wild Life Preservation Department Notification No. S.O. 161/C.A. 53/1972/S.26-A/96 dated the 13th December, 1996 by excluding there from the area of the Kalesar Wild Life Sanctuary as mentioned in the Schedule appended hereto and redemarcation of the boundaries of the Kalesar Wild Life Sanctuary."

Mr. Speaker: Question is—

"Whereas the areas specified in Haryana government, wild life preservation Department, Notification No. S.O. 161/C.A.53/1972/S.26-A/96, dated 13the December, 1996, comprising the areas of Kalesar was declared to be sanctuary for the purpose of protecting, propagating and declared to be sanctuary for the purpose of protecting, propagating and enveloping wild life and its environment from 24the December, 1996.

And whereas for the construction of Western Jamuan Canal Channel and Western Jamuna Canal Hydro Electric Project and area of 26669 hectares is required.

And whereas the said area of 29669 hectares forms part of Kalesar Wild Life Sanctuary

And whereas for requiring the said area of 29669 hectares the boundaries of the said Kalesar Wild life Sanctuary are required to be altered.

Now, therefore, in pursuance of the provisions of sub-section (3) of Section 26A of the Wild Life (Protection) Act, 1972 (Act 53 of 1972), the Legislature of the State of Haryana hereby resolves to alter the boundaries of the said sanctuary declared vide Haryana Government, Wild Life Preservation Department Notification No. S.O. 161/C.A. 53/1972/S.26-A/96 dated the 13th December, 1996 by excluding there from the area of the Kalesar Wild Life Sanctuary as mentioned in the Schedule appended hereto and redemarcation of the boundaries of the Kalesar Wild Life Sanctuary."

The motion was carried

Mr. Speaker: Now, the House is adjourned till 2-00 P.M. tomorrow, the 3rd February, 1999.

20.23 Hours

(The Sabha then adjourned till 2-00 P.M. on Thursday, the 3rd February, 1999.)